✷ बिहार-झारखंड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

✷ पटना संस्करण

अपना प्रदेश, अपनी बात

✷ रजि. नंबर : 52290/90 ✷ वर्ष : 36 ✷ अंक : 125 ✷ पृष्ठ : 12 ✷ औरंगाबाद, मंगलवार, 30 सितम्बर 2025 ✷ मूल्य : 3.00 रुपये ✷ औरंगाबाद एवं बोकारो से प्रकाशित ✷ www.navbihartime.com

अष्टम नवदुर्गा : माता महागौरी

श्वेत वृषे समारूढ़ा श्वेताम्बर धरा शुचिः।
महागौरी शुभं दद्यान्महादेव प्रमोददा।।

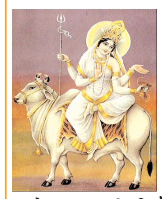

श्री दुर्गा का अष्टम रूप श्री महागौरी हैं। इनका वर्ण पूर्णतः गौर है, इसलिए ये महागौरी कहलाती हैं। नवरात्रि के अष्टम दिन इनका पूजन किया जाता है। इनकी उपासना से असंभव कार्य भी संभव हो जाते हैं। मां महागौरी की आराधना से किसी प्रकार का मनोवांछित फल प्राप्त किया जा सकता है। महागौरी आदी शक्ति हैं। इनके तेज से संपूर्ण विश्व प्रकाशमान होता है। इनकी शक्ति अमोघ फलदायिनी है। मां महागौरी की आराधना से भक्तों के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं तथा देवी का भक्त जीवन में पवित्र और अक्षय पुण्यों का अधिकारी बनता है।

केंद्रीय रेल मंत्री और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने तीन नयी अमृत भारत एक्सप्रेस और चार पैसेंजर ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

बिहार में एक लाख करोड़ की परियोजनाओं पर चल रहा काम : अश्विनी वैष्णव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली/पटना। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ मिलकर बिहार में कुल सात नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई, जिनमें तीन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं। ये नई ट्रेनें बिहार में कनेक्टिविटी को एक नया आयाम प्रदान करेंगी और यात्रियों को बेहतर यात्रा सेवाएं प्रदान करेंगी। इन नई ट्रेनों के उद्घाटन के साथ, अब देश भर में चलने वाली 30 अमृत भारत एक्सप्रेस सेवाओं में से बिहार में कुल 26 अमृत भारत एक्सप्रेस सेवाएं चालू हो गई हैं। मुजफ्फरपुर-चरलापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस मुजफ्फरपुर से दक्षिण भारत के लिए पहली अमृत भारत ट्रेन है जबकि छपरा-आनंद विहार अमृत भारत एक्सप्रेस बिहार से दिल्ली के लिए छठी अमृत भारत ट्रेन बन गई है। ये अत्याधुनिक स्वदेशी ट्रेन यात्रियों को तेज, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव प्रदान करेंगी। ये ट्रेनें देश के विभिन्न हिस्सों, खासकर उत्तर और दक्षिण भारत से बिहार की कनेक्टिविटी को मजबूत करेंगी। इनके परिचालन से राज्य में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और पर्यटन, व्यापार एवं रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कहा कि बिहार में विकास की गति ऐसी है कि निकट भविष्य में यह राज्य एक स्वर्णिम राज्य के रूप में उभरेगा। ये ट्रेनें बिहार में कनेक्टिविटी का एक नया स्तर प्रदान करेंगी, यात्रियों के लिए सुविधा

बढ़ाएंगी और राज्य के समग्र विकास को गति देंगी। श्री वैष्णव ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री श्री मोदी के पदभार ग्रहण करने के बाद से उन्होंने राज्यों पर विशेष ध्यान देते हुए रेलवे को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले बिहार का वार्षिक रेल बजट केवल लगभग एक हजार करोड़ रुपये था जबकि आज यह लगभग दस हजार करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बिहार के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है जिसके तहत बिहार में लगभग एक लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं चल रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य का रेलवे नेटवर्क पूरी तरह से विद्युतीकृत हो चुका है और 1,899 किलोमीटर नई पटरियां बिछाई गई हैं। भारतीय रेल द्वारा विकसित, अमृत भारत एक्सप्रेस देश की रेल व्यवस्था में आधुनिकीकरण का प्रतीक बन गई है। यह ट्रेन यात्रा का न केवल एक तेज और किफायती विकल्प है बल्कि इसमें सेमी-ऑटोमैटिक कपलर, अग्नि सूचक प्रणाली, सीलबंद गैंगवे और टॉक-बैक यूनिट जैसी उन्नत सुविधाएं भी हैं। पहली बार गैर-वातानुकूलित डिब्बों में यात्रियों की सुरक्षा को बढ़ाने के लिए ऐसी उन्नत तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। यह विकसित बिहार से विकसित भारत के विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सोमवार को जिन ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई गयी है उनमें दरभंगा-अजमेर (मदार), मुजफ्फरपुर-हैदराबाद (चरलापल्ली) एवं छपरा- दिल्ली (आनंद विहार टर्मिनल) अमृत भारत एक्सप्रेस के अलावा पटना-बक्सर, झाझा-दानापुर, नवादा-पटना एवं पटना-इस्लामपुर पैसेंजर ट्रेन शामिल है। राज्य में पूरी हो चुकी कुछ प्रमुख रेलवे परियोजनाओं पर प्रकाश डालते हुए **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

सड़क हादसे में मामा-भगिना समेत तीन लोगों की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

सासाराम। रोहतास जिले के तिलौथू थाना क्षेत्र के पुराने पेट्रोल पम्प के पास डिहरी-नौहट्टा मुख्य मार्ग पर सोमवार को अहले सुबह ट्रक और ई-रिक्शा की टक्कर में मामा-भगिना समेत तीन लोगों की दर्दनाक मौत मौके पर ही हो गई जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल है। घायल महिला को इलाज हेतु गंभीर स्थिति में सासाराम सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। मृतकों में रोहतास जिले के रेड़िया निवासी मामा चितरंजन यादव उर्फ़ अंशु, औरंगाबाद जिले के नबीनगर थाना क्षेत्र के बकतोवा निवासी भगिना आयुष कुमार और भगिनी सोनाक्षी कुमारी शामिल हैं। वहीं घायल महिला सुनीता देवी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार चितरंजन यादव अपने ई-रिक्शा से बहन और उसके बच्चों को बकतोवा से दशहरा घूमाने के लिए अपने घर रेड़िया लेकर आ रहा था। इसी दौरान पुराना पेट्रोल पम्प के पास एक तेज रफ़्तार ट्रक से जोरदार टक्कर हुई और गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। इसमें तीन लोगों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। सूचना मिलते ही तिलौथू थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों गाड़ियों को जब्त कर लिया। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम करा परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

मुख्यमंत्री ने 11,921 करोड़ रुपये की 20,658 योजनाओं का किया शिलान्यास, कार्यारंभ एवं उद्घाटन

विकास कार्यों को मिलेगी नयी गति : नीतीश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को 1 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में रिमोट के माध्यम से 11,921 करोड़ रुपये की 20,658 योजनाओं का शिलान्यास, कार्यारंभ एवं उद्घाटन किया। इसके अंतर्गत 7,805 करोड़ रुपये की लागत से जन सुविधा एवं विकास से संबंधित 16,065 योजनाओं का शिलान्यास, कार्यारंभ तथा 4,116 करोड़ रुपये की लागत की 4,593 योजनाओं का उद्घाटन कार्य शामिल है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत भवन निर्माण विभाग एवं बिहार राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा क्रियान्वित विज्ञान,

प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा, पशु एवं मत्स्य संसाधन, समाज कल्याण, परिवहन, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जाति कल्याण, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण, खेल, श्रम संसाधन, राजस्व एवं भूमि सुधार, कला संस्कृति एवं युवा, आपदा प्रबंधन, गृह, कृषि, सामान्य प्रशासन एवं वाणिज्य कर विभाग के भवनों के निर्माण से संबंधित 997 करोड़ रुपये लागत की 97 योजनाओं का शिलान्यास व कार्यारंभ तथा 2467 करोड़ की लागत से 137 योजनाओं का उद्घाटन किया गया। साथ ही लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के अंतर्गत छूटे हुए टोलों में पेयजल आपूर्ति तथा बहुग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं से संबंधित 5190 करोड़ रुपये की लागत की 15670 योजनाओं का शिलान्यास एवं कार्यारंभ एवं 1377 करोड़ रुपये की लागत की 4312 योजनाओं का उद्घाटन किया गया। वहीं स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत विभिन्न जिलों में क्रिटिकल केयर ब्लॉक भवन, अनुमंडलीय अस्पताल, **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

सीएसपी संचालक की गोली मारकर हत्या

सीतामढ़ी(नबिटा ब्यूरो)। चोरौत थाना क्षेत्र के नीमबाड़ी चौक के समीप बैंक ऑफ बड़ोदा के सीएसपी संचालक की सोमवार को दिनदहाड़े अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार बाइक पर सवार होकर आए दो अपराधियों ने सीएसपी में घुसकर संचालक पर ताबड़तोड़ गोली चला दी। गोली लगने से सीएसपी संचालक श्रवण यादव घायल हो गए। आनन-फानन में श्रवण यादव को इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां से बेहतर इलाज के लिए डॉक्टरों ने सदर अस्पताल रेफर कर दिया। इसके बाद शहर के एक निजी क्लीनिक में ले जाने लगे इसी दौरान ही उनकी मौत हो गई।

मसौढ़ी में पट खुलते ही श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़, मां जगदंबा के लगे जयकारे

मंत्रोच्चार, पाठ व भक्ति गीतों से गूंज रहा इलाका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मसौढ़ी। नवरात्रि के सप्तमी के दिन मसौढ़ी में अस्पताल रोड के फाइव स्टार क्लब स्थित पूजा पांडाल में पट खुलते ही श्रद्धालुओं की मां दुर्गा के दर्शन पाने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान मंत्र, पाठ एवं भक्ति गीतों से पुरा परिसर गुंजयमान रहा। श्रद्धालुओं ने माता का दर्शन कर नमन किया। इससे पहले षष्ठी पूजा, मां दुर्गा का आमंत्रण अधिवास पूजा, बेलबरन पूजा आदि अनुष्ठान किये गये। पुजारियों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ आवरण उन्मोचन अनुष्ठान आरंभ किया गया। पूरा क्षेत्र मंत्र, पाठ एवं भक्ति गीतों से गूंजता रहा। देर रात तक पूजा पंडालों में श्रद्धालु आते-जाते रहे। पट खुलते ही मां के दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी. वहीं शाम को विशेष रूप से बेलवरण अनुष्ठान किया गया। वही मसौढ़ी में इस बार विभिन्न पूजा पंडाल काफी आकर्षित दिखे थाना रोड में श्री श्री भारत माता पूजा समिति पूजा पांडाल में पश्चिम बंगाल के मंदिर के तर्ज पर पंडाल बनाया गया वहीं अस्पताल रोड स्थित इस बार राजस्थानी थीम पर मां दुर्गे की पूरी टीम को दिखाया गया है। और कहा जाता है कि पिछले 60 वर्षो से फाइव स्टार क्लब के द्वारा मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की जाती रही है। वहीं मेन रोड मां काली पूजा समिति, इसके अलावा कर्पूरी चौक, स्टेशन रोड, संगत पर रोड, कैलूचक आदि तमाम जगहों पर भव्य पंडाल के साथ मसौढ़ी में इस बार आकर्षक दिखा है। वहीं पूरे मसौढ़ी अनुमंडल में 86 जगहो पर पुलिस दंडाधिकारी की तैनाती की गई है। फाइव स्टार पूजा पंडाल के आयोजन समिति में राजेश कुमार उर्फ पिंटू रजक महासचिव पप्पू गांधी मिंटू कुमार मुन्ना रजक, छोटे ठाकुर, जुली कुमारी पूर्व वार्ड पार्षद, अंबर कुमार, अन्य शामिल रहे।

श्री कृष्ण-राधा गोपियों के संग दिखाई प्रेम भक्ति

रासलीला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मसौढ़ी। नवरात्र के मौके पर नरहट गांव में चल रहे 10 दिवसीय रासलीला के कार्यक्रम में भारी संख्या में विभिन्न गांव से दर्शकों की खचाखच भीड़ उमड रही है। कार्यक्रम में भगवान श्रीकृष्ण राधा संग गोपियों के साथ कई लीलाएं दिखाई है। दरअसल आचार्य विश्वरंजन ने बताया की नरहट गांव में नवरात्र पर्व के शुभ अवसर पर आयोजित रासलीला महोत्सव में आज श्री प्रेम व्यास जी के नेतृत्व में वृन्दावन से आये कलाकारों द्वारा दर्शकों की भारी भीड़ के बीच भगवान श्रीकृष्ण जी का श्रीराधा एवं गोपियों संग दिव्य रासलीला, मयूर-नृत्य, जालंधर-उद्धार तथा मीराबाई जी के अनेक बिघ्न-बाधाओं के बीच अपने गिरधर-गोपाल की प्राप्ति के लिए किये गए अद्भुत भक्ति-प्रेम का बहुत सुन्दर प्रस्तुतीकरण किया गया। बीच बीच में व्यास श्री प्रेम जी के मधुर संगीतमय भजन-कीर्तन पर दर्शकगण भी खूब झूमे-नाचे। इस अवसर पर आयोजन समिति के विभिन्न पदाधिकारीगण, कार्यकर्त्तागण, के साथ-साथ गांव-जवार से भी काफी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित हुए।

एक नजर

शहर में बड़े वाहनों के परिचालन पर लगी रोक

मसौढ़ी (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। दुर्गा पूजा को लेकर अनुमंडल प्रशासन ने मसौढ़ी शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से रखने के लिए कई योजनाएं बनाई हैं। पूजा के दौरान नागरिक सुरक्षित रहें और मेला का आनंद ले सकें, इस उद्देश्य से यातायात व्यवस्था को लेकर विशेष योजना तैयार की गई है।शारदीय नवरात्रि के सप्तमी पूजा (29 सितंबर) से लेकर प्रतिमा विसर्जन (3 अक्टूबर) तक मसौढ़ी शहर में ट्रक ट्रैक्टर समेत बड़े वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगा। वाहन चालकों के लिए यह प्रतिबंध इन चार दिनों में प्रातः आठ बजे से रात्रि दो बजे तक सुनिश्चित किया गया है। दुर्गा पूजा में पूजा-पंडाल और मेला स्थल पर लगने वाली भीड़ को ध्यान में रखते हुए यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। शहर में बड़े वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई। बड़े वाहनों के नो एंट्री पर मसौढ़ी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी और थानाध्यक्ष को अनुमंडल पदाधिकारी अभिषेक कुमार ने पत्र जारी करते हुए यह आदेश जारी किया है कि 3 अक्टूबर तक मसौढ़ी बाजार में कोई भी बड़े वाहन का प्रवेश निषेध रहेगा, ताकि मसौढ़ी बाजार की यातायात व्यवस्था सुगम रहे।

शराब के साथ मोटर साइकिल जब्त

फतुहा (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। खुसरूपुर पुलिस को गुप्त सुचना मिली की शराब की खेप को खपाया जा रहा है। इसकी गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंच घेराबंदी कर जांच पड़ताल के दौरान सहिम चक रेलवे पुलिया के नजदीक से 41 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ मोटरसकिल जब्त किया है। शराब व्यवसायी को इसकी भनक लगते ही फरार हो गया। वहीं धंधेबाज के गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

पुनपुन नदी में अज्ञात महिला का शव बरामद

फुलवारीशरीफ (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। परसा बाजार थाना क्षेत्र के पुनपुन नदी में सोमवार की शाम करीब 4 बजे लक्ष्मण झूला के पास झाड़ियों में एक अज्ञात महिला का शव मिला. शव पानी में फंसा हुआ था. स्थानीय लोगों ने शव को देखकर पुलिस को सूचना दी. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पीसीसी सड़क का उद्घाटन

बिहटा (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। सोमवार को बिहटा प्रखंड के सदिसोपुर पंचायत में भाजपा के विधान परिषद सदस्य अनिल कुमार के द्वारा लगभग 15 लख रुपए की लागत से बने पीसीसी सड़क का उद्घाटन किया । वही कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा नेता सतेंद्र वर्मा ने किया। वही कार्यक्रम में सत्येंद्र वर्मा ने अनिल कुमार को अंगवस्त्र देकर स्वागत किया। उद्घाटन के बाद विधान परिषद सदस्य अनिल कुमार ने बताया कि क्षेत्र की जनता की मांग थी जिसको आज हमने पूरा किया और जनता को सौप क्योंकि जनता का पैसा और जनता के लिए सदुपयोग किया जा रहा है इसके अलावा पंचायत में और दो योजना दिया गया है उसका भी जल्द उद्घाटन किया जाएगा। वही भाजपा नेता सतेंद्र वर्मा ने कहा की लगातार भाजपा एमएलसी अनिल कुमार जी से अपने पंचायत के विकास को लेकर कई मांगी थी। जिन्होंने आज उन्होंने पूरा किया इसके अलावा दो और योजना का काम चल रहा है उसका भी जल्द उद्घाटन उनके हाथों किया जाएगा।

रावण वध समारोह को लेकर पुलिस व मजिस्ट्रेट की प्रतिनियुक्ति

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मसौढी। गांधी मैदान में आयोजित रावण वध समारोह कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन के द्वारा पुलिस दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की है। इस अवसर पर विधि व्यवस्था संधारण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है सभी पदाधिकारी इसके लिए सजग सतर्क एवं सक्रिय रहेंगे आपस में सार्थक समन्वय संवाद कायम रखेंगे सुरक्षा व्यवस्था से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। लोगों को गांधी मैदान में प्रवेश एवं विकास हर हाल में अवरोध मुक्त तथा सुगम्ठापूर्वक होना चाहिए। सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था एवं उत्कृष्ट भीड़ प्रबंधन सुरक्षित करने को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी अभिषेक कुमार ने संपूर्ण प्रभार भूमि सुधार उप समाहर्ता कोमल किरण को दी है। गांधी मैदान में रावण वध में प्रभारी पदाधिकारी के रूप में बीडीओ प्रभाकर कुमार को दी है, इसके अलावा दक्षिणी गेट पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी राजेंद्र ठाकुर, पूर्वी गेट पर सहकारिता पदाधिकारी लाल प्रसाद एवं प्रतिमा स्थल पर अंचलाधिकारी प्रभात रंजन को मुस्तैद किया गया है। इसके अलावा इस पूरे समारोह के लिए अनुमंडल कार्यालय में नियंत्रण कक्ष बनाया गया है, जिसका प्रभारी प्रभु सिंह शासकीय पदाधिकारी को दी गई है। वहीं नियंत्रण कक्ष में तीन पालियों में 36 कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। हर एक पाली में तीन कर्मचारी ड्यूटी पर मुस्तैद होंगे जो हर 2 घंटे पर खैरियत प्रतिवेदन जिला को देंगे, यह 29 सितंबर से आगामी 3 अक्टूबर तक नियंत्रण कक्ष बनाया गया है, इस पूरे समारोह में एक प्लाटून अथवा दो सेक्शन सशस्त्र पुलिस, 20 लाठीबल, पांच महिला आरक्षी पदाधिकारी एवं एक पुलिस उपाधीक्षक सुरक्षित रखा गया है।एसडीएम अभिषेक कुमार ने बताया की गांधी मैदान में होने वाले रावण वध समारोह को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड में है।

दुर्गा पूजा को लेकर पुनपुन में फ्लैग मार्च

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मसौढ़ी। दुर्गा पूजा एवं दशहरा मेले में भीड़ प्रबंधन यातायात व्यवस्था, और अपराध नियंत्रण के साथ-साथ विधि व्यवस्था को संधारण को लेकर नवरात्र के सप्तमी के दिन पट खुलते ही पुनपुन पुलिस पूरे पुलिस टीम के साथ फ्लैग मार्च का आयोजन किया। जो पुनपुन थाना से निकलकर पुनपुन बाजार, पकड़ी बाजार होते हुए अजय चौक रेलवे स्टेशन समेत विभिन्न जगहों पर फ्लैग मार्च करते हुए एरिया डोमिनेशन की। थानाध्यक्ष बेबी कुमारी ने बताया की दशहरा मेला में विधि व्यवस्था को संधारण करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी पूजा पंडालों में पुलिस मजिस्ट्रेट की प्रतिनियुक्ति की गई है। पूरे पुनपुन बाजार में छह जगहों पर भव्य रूप से पूजा पंडाल बनाए गए हैं। हर जगहो पर सुरक्षा को लेकर सेफ्टी के इंतजाम किए गए हैं। सीसीटीवी कैमरे लगाने को हिदायत सबों को पूजा समितियां को दी गई है सभी पूजा समितियां को अपने-अपने वॉलिंटियर्स की तैनाती करने अग्निशमन तमाम बुनियादी सुविधाओं को उपलब्ध करने को कहा गया है।

फतुहा क्लब में डांडिया कार्यक्रम का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फतुहा। बख्तियारपुर फोरलेन के पास फतुहा क्लब में रविवार को डांडिया महोत्सव का उद्घाटन मुख्य पार्षद रूपा कुमारी, भाजपा नेता टुनटुन यादव ने दीप प्रचलित कर और फीता काटकर उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि एमडीएम डांस क्लब की ओर से भव्य डांडिया महोत्सव का आयोजन किया गया। दशहरा पूजा के समय डांडिया का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन से कलाकारों में छुपी प्रतिभाओं को निखारने का मौका मिलता है। आयोजक कमलदीप ने बताया कि एमडीएस डांस क्लब के द्वारा दूसरे साल फतुहा क्लब में डांडिया कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि मुख्य पार्षद रूपा कुमारी और भाजपा नेता टुनटुन यादव के साथ अतिथियों को अंग वस्त्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया साथ में समाजसेवी और पत्रकार लोगों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस आयोजन में प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। सभी लोगों ने डांडिया में भाग लेकर डांस किया। इस मौके पर दयानंद प्रसाद यादव, संजय गोप, कपिल देव प्रसाद यादव, फतुहा हाई स्कूल के प्रचार धर्मेंद्र प्रसाद, सुधीर कुमार,अजय कुमार उर्फ कुन्नू सिंह, कारू कुमार, शिशुपाल कुमार, श्याम सुंदर केसरी, कमलदीप कुमार, सुरजीत कुमार, राजदीप कुमार, पंकज कुमार, अनिल राज, सुधीर यादव गोपी कुमार, रवि कुमार मनीष कुमार पुनम केशरी, शिशुपाल कुमार, पत्रकार आनन्द कुमार पाठक, गौतम कुमार,भुषण प्रसाद, बिनोद कुमार सिंह, सुरजीत कुमार, गौरव कुमार, विकास कुमार, अमरेश कुमार, सहित सैकड़ों लोग शामिल हुए।

धनरूआ में बाल विवाह मुक्त को लेकर चला जागरूकता अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मसौढ़ी। बाल विवाह को लेकर काफी सख्त कानून बनाए गए है।मगर इसके बावजूद कई जगहों पर लोग आज भी बाल विवाह करवाते है, खासकर छोटे गांव के लोगों में आज भी इसको लेकर जागरूकता नहीं आई है। इसी को धनरूआ पंचायत को बाल विवाह मुक्त पंचायत बनाने को लेकर सोमवार को महिला हितैषी पंचायत के बैनर तले पंचशिव मंदिर पूजा पांडाल मे धनरूआ मुखिया रानी कुमारी के नेतृत्व मे सामुहिक शपथ ग्रहण का आयोजन किया गया, जहां सैकड़ों की संख्या मे गांव गांव की महिलाओं का जुटान हुआ, सबों ने संकल्प लिया की अपनी बेटियों को पढायेगे,कम उम्र मे शादी नहीं करेंगे, बेटो और बेटियों मे कोई फर्क नही करेंगे। इसके साथ ही इस संकल्प के बाद हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया जहां सबो ने हस्ताक्षर कर संकल्प लिया। मुखिया रानी कुमारी ने कहा की नवरात्र के मौके पर एक और जहां आदिशक्ति की पूजा हो रही है इस तरह नारी शक्ति को सम्मान को लेकर धनरूआ के विभिन्न पूजा पंडालों में बैनर पोस्टर लगाकर धनरूआ में बाल विवाह के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाया गया जहां बाल विवाह के विरुद्ध बच्चे और बच्चियों को जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी कम उम्र में ही बच्चियों की शादी कर देते हैं, जिसका नतीजा छोटी बच्चियों को भुगतना पड़ता है। इसे रोकने के लिए लोगों को जागरूक करने की जरूरत है। मौके पर अनुज कुमार (जीविका ए3, कल्याणी देवी, आरती कुमारी, शांति कुमारी, रिंकी कुमारी समेत सैकड़ों की संख्या में विभिन्न गांव से आए हुए महिला शामिल हुई।

लूट के सामान के साथ युवक कट्टा के साथ गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फतुहा। पुलिस ने अपराधियों के मंसूबे को पानी फ़ेरते हुए महज 03 घंटे में लूटकांड घटना का पर्दाफाश किया। विशेष जानकारी के अनुसार फतुहा थाना क्षेत्र के दिदारगंज वोल्टास एसी कम्पनी के गोदाम से एक पिकअप वैन माल की डिलीवरी देने लखीसराय के लिए निकला ही था। वहीं पिकअप वैन जैसे ही माल लेकर फतुहा आरओबी पहुंचा पहले से घात लगाए अपराधियों ने हथियार के बल पर ड्राइवर को निशाना बनाते हुए पिकअप से 03 एयर-कंडीशनर को लूट लिए और माल को लूटकर पास के गाँव में ठिकाने लगा दिए। जाते-जाते लुटेरे ड्राइवर पर हथियार से फायरिंग करते हुए निकल गए। ड्राइवर ने तत्काल इस बात की सूचना फतुहा थाने को दी। थानाध्यक्ष सदानंद शाह टीम को लेकर घटनास्थल पर पहुंचे। जिस दिशा में अपराधी लोग भागा था उसी दिशा में तकनीकी अनुसंधान के तहत जांच पड़ताल शुरू किया। अनुसंधान के दौरान एक व्यक्ति भोला कुमार उर्फ रहिश कुमार को लूटे गए सामान के साथ सोनारू मोड़ के पास 01 कट्टा व कारतूस के साथ उसेधर दबोचा। पुलिस के द्वारा जब उससे पुछताछ किया तो उसने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार किया और उसी काण्ड में अन्य 02 साथियों का नाम जो घटना कारित करने में शामिल था उसका नाम बताया। पुलिस ने व्यक्ति को गिरफ्तार कर जब अन्य 02 फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की तो दोनों अपराधी अपने घर से गायब थे। पुरे घटनाक्रम का उद्भेदन करते हुए पटना ग्रामीण एसपी विक्रम सिहाग प्रेस वार्ता कर बताया कि घटना में संलिप्त एक अभियुक्त भोला गोप उर्फ रहिश को गिरफ्तार कर लिया गया है एवं उसके पास से एक कट्टा, कारतूस और दो खोखा भी बरामद किया गया है। उसके अन्य दो साथी सुजित उर्फ बुखार और सोनू की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। अभियुक्त सोनू के घर से छापेमारी के दौरान घटना में प्रयुक्त एक बाइक को बरामद कर लिया गया।

गांव से ओलंपिक तक : बिहार के खिलाड़ियों को मिलेगा नया मंच

स्टेयर्स फाउंडेशन ने शुरू किया 'एक बिहार एक लक्ष्य', सुमित प्रकाश बने बोर्ड प्रमुख

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में खेल प्रतिभाओं को निखारने और युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने के उद्देश्य से स्टेयर्स फाउंडेशन ने सोमवार को पटना के चाणक्य होटल में एक भारत एक लक्ष्य कार्यक्रम के तहत एक बिहार एक लक्ष्य अध्याय की शुरुआत की। यह पहल राज्य के गाँव-गाँव में खेल संस्कृति को मजबूत करने और खिलाड़ियों को अवसर प्रदान करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। इस अवसर पर अल्फा खेल अकादमी के निदेशक और संस्थापक सुमित प्रकाश को बिहार के लिए नवगठित युवा और खेल विकास बोर्ड का प्रमुख नियुक्त किया गया। यह नियुक्ति राज्य में खेलों के लिए पेशेवर और प्रदर्शन आधारित तंत्र बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समस्तीपुर की सांसद शांभवी चौधरी और विशिष्ट अतिथि जमुई की विधायक श्रेयसी सिंह उपस्थित रहीं। दोनों जनप्रतिनिधियों ने इस पहल को बिहार की खेल प्रतिभाओं के लिए ऐतिहासिक करार दिया। स्टेयर्स फाउंडेशन के संस्थापक और अध्यक्ष सिद्धार्थ उपाध्याय, खेल उत्कृष्टता के मुख्य सलाहकार तथा भारतीय खेल प्राधिकरण के पूर्व उपमहानिदेशक शिव शर्मा और सुमित प्रकाश भी मंच पर मौजूद थे। इस मौके पर सुमित प्रकाश ने कहा कि बिहार में अपार खेल प्रतिभा है, जो सही अवसर और संरचना की प्रतीक्षा कर रही है। स्टेयर्स के राष्ट्रीय अनुभव और बिहार खेल बोर्ड की सामूहिक शक्ति से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि गाँव का हर बच्चा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुँच सके। सिद्धार्थ उपाध्याय ने कहा कि एक बिहार एक लक्ष्य के माध्यम से हर लड़के और लड़की तक खेल का अवसर पहुँचाया जाएगा और बिहार को राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर प्रमुख स्थान दिलाया जाएगा। शांभवी चौधरी ने इस पहल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमीनी खेलों को प्रोत्साहन देने की दृष्टि के अनुरूप बताया और कहा कि इससे 2036 ओलंपिक की तैयारी का मजबूत आधार बनेगा। वहीं श्रेयसी सिंह ने कहा कि अब बिहार के खिलाड़ी बड़े सपने देख सकेंगे और उन्हें साकार करने का स्पष्ट मार्ग मिलेगा। शिव शर्मा ने इसे राज्य और केंद्र के बीच खेल विकास का सेतु करार दिया। कार्यक्रम में बताया गया कि इसके तहत बिहार के प्रत्येक गाँव में युवा क्लब स्थापित किए जाएँगे और 15 खेलों के लिए उच्च प्रदर्शन केंद्र बनाए जाएँगे। आगामी नवंबर (या विधानसभा चुनावों के बाद) राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएँगी, जिनमें चयनित खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर एक भारत एक लक्ष्य बैनर के तहत हिस्सा लेंगे। स्टेयर्स फाउंडेशन ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल खेल तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों से भी जुड़ा होगा। इसके माध्यम से न केवल खेल प्रतिभा को निखारा जाएगा बल्कि गाँव स्तर पर सामाजिक और शैक्षिक विकास को भी गति मिलेगी।

समृद्ध रहा है पटना में कला, सांस्कृतिक गतिविधियां और साहित्य का इतिहास

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। प्राचीन पाटलिपुत्र के रूप में जाना जाने वाला शहर, भारत की सांस्कृतिक और कलात्मक विरासत का एक प्रमुख केंद्र रहा है। इसका इतिहास लगभग 2500 वर्ष पुराना है, जहाँ मौर्य और गुप्त साम्राज्यों के दौरान कला, साहित्य और संस्कृति फली-फूली। पटना की कलात्मक विरासत मौर्य काल (4वीं शताब्दी ईसा पूर्व) से शुरू होती है, जब लकड़ी की नक्काशी एक प्रमुख शिल्प थी। मगध साम्राज्य के दौरान पटना शिक्षा और ललित कलाओं का केंद्र था, जहाँ आर्यभट्ट, वात्स्यायन और चाणक्य जैसे विद्वान सक्रिय थे। गुप्त काल में यहाँ की संस्कृति में बौद्ध और जैन प्रभाव प्रमुख था। मध्यकाल में मुगल प्रभाव से पटना कलम या पटना क़लम शैली का विकास हुआ, जो 18वीं से 20वीं शताब्दी तक फली। यह मुगल लघु चित्रकला और कंपनी पेंटिंग का मिश्रण था, जिसमें बाजार दृश्य, दैनिक जीवन, त्योहार और प्रकृति को जलरंगों में चित्रित किया जाता था। यह शैली हिंदू कारीगरों द्वारा विकसित की गई और पटना को 'भारतीय फ्लोरेंस' कहा जाने लगा। अन्य कलाएँ जैसे मिथिला पेंटिंग (मधुबनी), मंजूषा कला और अंगिका कला भी बिहार की सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा रहीं, जो पटना से जुड़ी हैं। सांस्कृतिक गतिविधियाँ त्योहारों और लोक परंपराओं से जुड़ी रहीं। छठ पूजा, दुर्गा पूजा, होली और ईद जैसे उत्सव पटना की सांस्कृतिक जीवंतता को दर्शाते हैं। बिहारी व्यंजन जैसे सत्तू पराठा, लिट्टी चोखा और ठेकुआ भी सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा हैं। रंगमंच की परंपरा प्राचीन है, जो बौद्ध काल से जुड़ी है। साहित्य के क्षेत्र में पटना मगध का केंद्र रहा, जहाँ मगही या मगधी भाषा प्राचीन मगधी प्राकृत से विकसित हुई, जिसे गौतम बुद्ध ने बोला था। मौर्य दरबार में यह राजभाषा थी। 1952 में मगही परिषद की स्थापना से मगही पत्रकारिता शुरू हुई, और 'मगधी' पत्रिका प्रकाशित हुई, जो बाद में 'बिहान' बनी। ख़ुदा बख्श ओरिएंटल लाइब्रेरी और सिन्हा लाइब्रेरी जैसे संस्थान प्राचीन पांडुलिपियों के भंडार हैं, जो साहित्यिक विरासत को संरक्षित करते हैं। पटना विश्वविद्यालय और अन्य संस्थानों ने साहित्य को बढ़ावा दिया। आज पटना कला, संस्कृति और साहित्य का एक जीवंत केंद्र है, जहाँ पारंपरिक और आधुनिक तत्वों का मेल है। कला में पटना कलम शैली का पुनरुद्धार हो रहा है, हालाँकि यह लुप्तप्राय है। पटना कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स मधुबनी और पटना कलम को बढ़ावा देता है। शहर में मधुबनी आर्ट से सौंदर्यीकरण हो रहा है, जो सड़कों और भवनों को नया रूप दे रहा है। सांस्कृतिक गतिविधियाँ त्योहारों, मेलों और कार्यक्रमों से भरी हैं। गांधी मैदान राजनीतिक और सांस्कृतिक आयोजनों का केंद्र है। हाल के वर्षों में थिएटर का पुनरुत्थान हुआ है, जैसे पटलीपुत्र नाट्य महोत्सव में 34 नाटक और 11 स्ट्रीट प्ले आयोजित होते हैं। बिहार दिवस, पटना फिल्म फ़ेस्टिवल और पटना बुक फ़ेयर जैसे वार्षिक आयोजन सांस्कृतिक जीवंतता बनाए रखते हैं। 2025 में बिहार म्यूजियम बिएनाले (अगस्त से दिसंबर) एशिया भर के संग्रहालयों को एकत्र कर रहा है। साहित्य में पटना सक्रिय है। 2025 में 'उन्मेश' अंतरराष्ट्रीय साहित्य महोत्सव पटना में हो रहा है, जिसमें 550 लेखक, 100 भाषाओं से भाग ले रहे हैं, साथ में 90 सत्र और सांस्कृतिक कार्यक्रम। खुरशीद अहमद जैसे व्यक्ति पटना को सांस्कृतिक हब बना रहे हैं, जैसे अप्रैल 2025 में सूफी संगीत शाम आयोजित की गई। लाइब्रेरियाँ जैसे ख़ुदा बख्श अब भी साहित्यिक केंद्र हैं, हालाँकि सिन्हा लाइब्रेरी संरक्षण की चुनौती का सामना कर रही है। कुल मिलाकर, पटना की सांस्कृतिक विरासत प्राचीन जड़ों से मजबूत है, और वर्तमान में सरकारी प्रयासों, आयोजनों और कलाकारों से यह जीवित है। शहर की चुनौतियाँ जैसे शहरीकरण के बावजूद, यह भारत की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में उभर रहा है।

चार आइएएस और एक आइएफएस अधिकारी को नई जिम्मेदारियां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। सामान्य प्रशासन विभाग ने एक अहम प्रशासनिक फ़ेरबदल करते हुए चार आईएएस और एक आईएफएस अधिकारी का तबादला किया है। विभाग की ओर से इस संबंध में आधिकारिक अधिसूचना जारी की गई है। 2010 बैच के आईएएस कंवल तनुज, जो अब तक लघु जल संसाधन विभाग में सचिव की जिम्मेदारी संभाल रहे थे, को योजना एवं विकास विभाग का सचिव नियुक्त किया गया है। वहीं, 2013 बैच के आईएएस डॉ. जितेंद्र गुप्ता, जो बिहार राज्य योजना पार्षद में संयुक्त सचिव थे, को वित्त विभाग में संयुक्त सचिव बनाया गया है। इसके अलावा, 2023 बैच के आईएएस कृष्ण चंद्र गुप्ता को ट्रेनिंग पूरी करने के बाद गृह विभाग में विशेष कार्य पदाधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। 2022 बैच के आईएएस निशांत सिहारा, जो सामान्य प्रशासन विभाग में योगदान देने के बाद पदस्थापन की प्रतीक्षा कर रहे थे, उन्हें सामान्य प्रशासन विभाग में ही विशेष कार्य पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। इस फ़ेरबदल में एक आईएफएस अधिकारी का भी नाम शामिल है। 2007 बैच के भारतीय वन सेवा अधिकारी आलोक कुमार, जो श्रम संसाधन विभाग में विशेष सचिव के पद पर कार्यरत थे, अब पर्यावरण विभाग में अपनी सेवाएं देंगे। इस नोटिफिकेशन के साथ राज्य प्रशासन में नई कार्य विभाजन की स्थिति स्पष्ट हो गई है और अधिकारियों ने अपनी-अपनी नई जिम्मेदारी संभालनी शुरू कर दी है।

कांग्रेस और राजद ने पिछड़ा-अति पिछड़ा समाज को ठगने का काम किया : प्रेम कुमार

भाजपा ने ओबीसी समाज को केवल नारों में नहीं, बल्कि नीतियों में दर्जा दिया

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार सरकार के मंत्री और भाजपा के नेता प्रेम कुमार ने राजद और कांग्रेस पर पिछड़े और अति पिछड़े समाज को ठगने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब दोनों दल सत्ता में रहे तो इस समाज को न अधिकार देने का काम किया, न कभी सम्मान दिया। भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मंत्री प्रेम कुमार ने राजद के 'कर्पूरी अतिपिछड़ा अधिकार सम्मेलन' को लेकर कहा कि इसमें तेली, कानू, दांगी और चौरासिया जाति के लिए नो इंट्री कर दी जाती है। तेली समाज से राजद के बड़े नेता और 'बिहार तैलिक साहू समाज' के अध्यक्ष, विधायक रणविजय साहू और कानू समाज के नेता और राजद व्यावसायिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष गोपाल गुप्ता को इस कार्यक्रम से लौटा दिया गया। यही है उनका अतिपिछड़ा अधिकार मॉडल। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव आज 'जननायक' के नाम पर अतिपिछड़ा का वोट बटोरने की कोशिश कर रहे हैं और उनके पिता लालू यादव कर्पूरी बाबू को हमेशा अपमानित करते रहे। अति-पिछड़ों से लालू यादव को इतनी घृणा थी कि वो कर्पूरी बाबू को 'कपटी ठाकुर' कहते थे। राजद ने बिहार पर 15 साल शासन किया, लेकिन कर्पूरी बाबू के नाम पर एक भी ठोस काम नहीं किया जबकि एनडीए सरकार ने कर्पूरी बाबू को 'भारत रत्न' से सम्मानित किया और उनके विचारों को धरातल पर उतारते हुए पिछड़ा आयोग को संवैधानिक मान्यता दी। कर्पूरी बाबू के नाम पर एनडीए सरकार बिहार का पहला कौशल विश्वविद्यालय स्थापित कर रही है। अतिपिछड़ा कल्याण बजट में 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई। 2022 में ईबीसी आयोग का गठन किया गया। सभी जिलों में कर्पूरी ठाकुर छात्रावास की स्थापना कर अति-पिछड़ा छात्रों के लिए शिक्षा व छात्रवृत्ति की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। उन्होंने कहा पिछले 20 वर्षों से बिहार सरकार एवं पिछले 11 वर्षों से मोदी सरकार दृढ़ संकल्प के साथ पिछड़ा-अतिपिछड़ा समाज को सशक्त कर रही है। उन्होंने कहा कि लालू यादव ने बेटे तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने के एकमात्र उद्देश्य से राजनीति कर रहे हैं। लालू यादव ने पिछड़ा-अतिपिछड़ा विरोधी कांग्रेस के साथ हाथ मिलाकर बिहार के पिछड़ों के साथ गद्दारी की है। मंत्री प्रेम कुमार ने कहा कि राजद ने अपने 15 साल के शासन में बिहार में स्थानीय निकायों और पंचायत के चुनाव नहीं होने दिए और पिछड़ा, अतिपिछड़ा, दलित, आदिवासी समाज के लोगों को आरक्षण के लाभ से वंचित रखा। दूसरी ओर उन्होंने भाजपा की चर्चा करते हुए कहा कि भाजपा ने देश को पहला ओबीसी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूप में दिया। भाजपा ने आज मध्यप्रदेश और हरियाणा में ओबीसी, छत्तीसगढ़, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश में एसटी मुख्यमंत्रियों के हाथ में प्रदेश की कमान देने का काम किया है। देश के उपराष्ट्रपति ओबीसी समाज के सीपी राधाकृष्णन को भी भाजपा ने ही समर्थन दिया। प्रेस वार्ता में भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल, मीडिया सह प्रभारी अमित प्रकाश बबलु और प्रदेश प्रवक्ता डॉ. मनोज कुमार उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महासप्तमी पर्व के अवसर पर श्री श्री दुर्गा पूजा महोत्सव शिव मंदिर खाजपुरा तथा श्री श्री दुर्गा आश्रम शेखपुरा के पंडाल में जाकर मां दुर्गा का दर्शन कर पूजा अर्चना की। उन्होंने राज्य की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर समस्त बिहारवासियों को दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने खाजपुरा स्थित शिव मंदिर में पूजा अर्चना भी की। इससे पहले मुख्यमंत्री ने उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के सरकारी आवास पर जाकर मां दुर्गा की पूजा अर्चना की एवं महाआरती कार्यक्रम में शामिल हुये। इस अवसर पर जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, राज्यसभा सांसद सह जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा, विधायक संजीव चौरसिया, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, पटना प्रमण्डल के आयुक्त डॉ. चन्द्रशेखर सिंह, जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एस.एम., वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय शर्मा सहित आयोजकगण, अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

मूक बधिर महिला से दुष्कर्म, आरोपित गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फुलवारीशरीफ। गौरीचक थाना क्षेत्र के जमालपुर गांव में इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। शनिवार की देर रात गांव के ही एक युवक ने 24 वर्षीय मूक बधिर विवाहित महिला के साथ घर में घुसकर दुष्कर्म किया। आरोपी की पहचान 35 वर्षीय अवनीश तिवारी उर्फ टमाटर तिवारी के रूप में हुई है। घटना के बाद पीड़िता ने इशारे से अपने परिजनों को पूरी जानकारी दी और आरोपी की पहचान कराई।

दानापुर मंडल में स्वच्छता अभियान के अंतर्गत विभिन्न स्टेशनों पर चला सघन सफाई अभियान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। 2 अक्तूबर तक चलने वाले स्वच्छता ही सेवा (स्वच्छोत्सव) कार्यक्रम के अंतर्गत दानापुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर स्थित बेस किचन/रेस्टोरेंट/फूड स्टॉल/पैंट्री कार में स्वच्छता जागरूकता हेतु पर्यावरण एवं गृह व्यवस्था विभाग के द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाया गया। दानापुर मंडल के द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने की कड़ी में आज पटना जंक्शन, राजेंद्रनगर, पाटलिपुत्र, दानापुर एवं आरा सहित कई महत्वपूर्ण स्टेशनों पर आइआरसीटीसी बेस किचन व अन्य बेस किचन, रेस्टोरेंट, फूड स्टाल एवं पेंट्री कार की सघन सफाई अभियान के तहत सफाई करायी गयी। इस अभियान में सभी स्थानों पर डस्टबिनों की जांच की गई तथा उचित संख्या में डस्टबिन रखने हेतु निर्देशित किया गया। ताकि किचन, रेस्टोरेंट फूड स्टॉल अथवा पैंट्रीकार स्वच्छ रहे और यात्रियों को हाइजीन से संबंधित समस्या नहीं हो एवं उन्हें गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराया जा सके।

पावरग्रिड पूर्वी क्षेत्र -1 मुख्यालय, पटना में हिन्दी पखवारा के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पूर्वी क्षेत्र-1 मुख्यालय में हिन्दी पखवाड़ा 2025 के समापन समारोह का आयोजन किया गया। हिंदी पखवाड़ा प्रत्येक वर्ष हिंदी भाषा को बढ़ावा देने एवं दैनिक जीवन के साथ-साथ संगठन के काम में भी ज्यादा से ज्यादा उपयोग करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए 14 से 29 सितम्बर तक पॉवरग्रिड पूर्वी क्षेत्र-1, मुख्यालय, पटना एवं इसके अधीनस्थ बिहार एवं झारखंड के सभी उपकेन्द्रों एवं कार्यालयों में हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया। हिन्दी पखवाड़ा के दौरान हिन्दी और अहिंदी भाषी कार्मिकों के लिए अलग-अलग प्रतियोगिताएं जैसे आशुभाषण, निबंध व स्लोगन लेखन, कहानी व यात्रा वृतांत लेखन आदि एवं बच्चों हेतु कविता पाठ प्रतियोगिता एवं प्रशिक्षुओं हेतु काव्य पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गयी। पखवाड़े के समापन समारोह में प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत कर उन्हें हिन्दी में और अधिक कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया। इस अवसर पर वी पी श्रीवास्तव, मुख्य महाप्रबंधक पूर्वी क्षेत्र -1, रजत प्रसाद, महाप्रबंधक, मानव संसाधन एवं अन्य वरीय अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

आमजन की समस्याओं के प्रति संपूर्ण प्रतिबद्ध हैं : कर्णवीर सिंह यादव

बिहार विधानसभा का चुनाव आसन्न है और राजनीतिक गतिविधियां अपने चरम पर है। राजनीति से जुड़े सभी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने इस महासमर में अपनी अपनी जमीन तलाशनी शुरू कर दी है। बाढ़ से पूर्व निर्दलीय प्रत्याशी कर्णवीर सिंह यादव उर्फ लल्लू मुखिया बिहार की राजनीति के एक चर्चित नाम रहे हैं । किसी भी ध्रुवीय राजनीति से अलग वे समाज के पिछड़े तबके, जरूरतमंदों एवं शोषितों के लिए हमेशा उपलब्ध रहे हैं । नतीजतन समाज सेवा की लंबी साख के दम पर वह बाढ़ में हमेशा अपनी दमदार राजनीतिक उपस्थिति दर्ज कराते रहे हैं। अब उन्होंने नई पार्टी की संभावना तलाशते हुए राजनीति में एक लंबे एवं गंभीर सफर की तैयारी शुरू कर दी है, ऐसे में उनकी विचारधारा, कार्यकलाप एवं आगामी चुनाव में उनके प्रमुख मुद्दे व जनता के प्रति उनके वायदे क्या होंगे, यह जानना भी लाजिमी हो जाता है।

बाढ़ से पूर्व निर्दलीय प्रत्याशी कर्णवीर सिंह यादव उर्फ लल्लू मुखिया से नवबिहार टाइम्स के बाढ़ संवाददाता प्रकाश द्वारा लिए गये साक्षात्कार का मुख्य अंश-

आप तो बिजनेस में हैं, राजनीति में आने का ख्याल कैसे आया ?

बिजनेस मेरा परिवार करता है, मैं बिजनेस नहीं करता हूं। मैं सार्वजनिक जीवन व्यतीत करता हूँ और आम जनता की मदद करता हूँ। क्षेत्रीय समस्याओं से लोगों को निजात दिलाने के उद्देश्य से राजनीति की दुनिया में कदम रखा। समाज और राजनीति के बीच गाढ़ा रिश्ता है।

लोहिया जनता दल का कांसेप्ट कहां से आया ?

मैं समाजवादी विचारधारा में विश्वास करता हूँ तथा डॉ राममनोहर लोहिया के संघर्षो एवं विचारों का समर्थक हूँ। हर व्यक्ति की समाज की मुख्य धारा में भागेदारी होनी चाहिए। समान अधिकार समाजवाद की आत्मा है। मैं इसी विचारधारा से काम कर रहा हूँ।

सार्वजनिक जीवन में पहले से आपकी कोई उपलब्धि रही है?

सर्वजनिक जीवन में मैं वर्ष 2001 से नवादा ग्राम पंचायत के मुखिया के तौर पर क्षेत्र का विकास एवं भाईचारा बनाने में सफल रहा तथा अपने ग्राम पंचायत नवादा का चौमुखी विकास किया। बाढ़ विधानसभा और आसपास के क्षेत्रों में वंचित वर्ग की समस्याओं के निवारण के लिए लगातार काम कर रहा हूँ। समरस समाज और भाईचारा कायम करना मेरा मुख्य उद्देश्य है।

बिहार में अभी एक तरह से दो गठबंधनों की राजनीति चल रही है, ऐसे में आपका दल कहां टिकता है?

जैसा कि आप ने कहा बिहार में दो गठबंधनों की राजनीति चल रही है और समाजवादी होने के नाते मेरा दल जनता का विश्वास जीतकर अपना उचित स्थान हासिल करेगी। लोगों की भावनाओं से सीधा जुड़ा हूँ। मेरा गठबंधन सीधे जनता से है।

राजनीति में आपके घोषित विचार या एजेंडे क्या हैं?

राजनीति मैं खुले विचारो से करता हूँ। मेरा कोई व्यक्तिगत एजेंडा नहीं है और मेरा जो भी एजेंडा है वो बाढ़ विधानसभा की जनता की खुशहाली और तरक्की के लिए है। विकसित और एकजुट समाज ही हमारी मंजिल है।

सार्वजनिक जीवन में उतरने पर आपको किन मुश्किलों से गुजरना पड़ रहा है?

मेरा सार्वजनिक जीवन खुली किताब है जिसमें मैंने जनता से कुछ भी नहीं छिपाया है और मेरी सादगी और ईमानदारी का कुछ राजनीतिक व्यक्तियों एवं अधिकारियों ने सोची समझी रणनीति बनाकर मुझे कई झुठे मुकदमों में फंसाया है। जनता का विश्वास एवं दुआएं मेरे साथ था जिसके कारण मैं झुठे मुकदमों से न्यायालय से न्याय पाने में सफल रहा। वैसे मंजिल हासिल करने में संघर्ष तो हर व्याक्ति को करना पड़ता है।

बिहार में राजनीति के मुख्य मुद्दे बेरोजगारी, पलायन, भ्रष्टाचार, शिक्षा एवं उद्योगों का अभाव माना जाता है, आपकी पार्टी के पास इसका क्या समाधान है?

चुंकि डॉ रामनोहर लोहिया कुटीर एवं लघु उद्योगों के पक्षधर थे, उसी नीति को अपना कर बाढ़ विधानसभा एवं बिहार की जनता को रोजगार उपलब्ध कराने का प्रयत्न किया जायेगा जिससे पलायन रूके और बेरोजगारी दूर होगी। साथ भ्रष्टाचार एवं शिक्षा के संबंध में सदन से लेकर सड़क तक आवाज उठाई जायेगी। बेहतर रणनीति, समर्पण और विश्वास से समस्यामुक्त व्यवस्था का निर्माण होगा।

माना जाता है कि बिहार की राजनीति विकास के तमाम दावों के वाबजूद जातीय गोलबंदी से अलग नहीं हो पाया है, ऐसे में

आपकी पार्टी की जमीन क्या होगी?

बिहार की राजनीति से छूआ छूत मिटाना एवं जात-पात तथा धर्म से उपर उठकर सर्व समाज को विश्वास में लेना मेरी प्राथमिकता होगी। जाति नहीं व्यक्ति से जुड़कर ही विकास संभव है।

बाढ़ को जिला बनाने का मुद्दा वर्षों से लंबित है, आप इसमें क्या करेंगे?

बाढ़ को जिला बनाने के संबंध में विधानसभा में आवाज उठायेंगे क्योकि किसी भी स्थान को जिला बनाने का अधिकार सरकार का होता और सरकार सदन से चलती है। जिला बनाने को लेकर वह अपनी तरफ से पूरा प्रयास करेंगे। बाढ़ जिला बनाने से इसका विकास तेज गति से होगा और लोगों की परेशानियां भी कम होंगी।

बिहार विधान सभा चुनाव आसन्न है, लोगों के लिए अपका क्या संदेश है?

मैं अपने से बिहार एवं बाढ़ की सम्मानीत जनता को खुशहाल जीवन जीने एवं सभी का सम्मान आदरपूर्वक करने तथा गलत विचारधारा से सावधान/सर्तक रहने का संदेश देता हूँ तथा समाज में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण बनाये रखने के साथ भगवान विश्वकर्मा पूजा की हार्दिक शुभकामना देता हूँ। समरस समाज के निर्माण में हर एक व्यक्ति की विशेष भूमिका है।

बाढ़ के विकास के लिए आपके पास क्या योजनाएं हैं?

बाढ़ को जल जमाव एवं ट्रेफिक जाम तथा अन्य समस्याओं के साथ ही बाढ़ विधानसभा क्षेत्र को सुन्दर बनाने के लिए मेरे पास ठोस रणनिति है जिससे बाढ़ की जनता जब मुझे विधानसभा में भेजेगी तो उसे अमल मे लाकर बाढ़ विधानसभा को सुन्दर बनाया जायेगा। स्मार्ट सिटी बाढ़ बनाने की दिशा में काम होगा।

इस मंच से आप अपने कार्यकर्ताओं और बिहार की जनता को क्या संदेश देना चाहेंगे?

बाढ़ की किसानों को प्रर्याप्त खाद समय पर उपलब्ध कराने के लिए मैं अपना एक प्रतिनिधि सरकारी खाद बिक्रय केन्द्र पर मौजूद रखुंगा ताकि कोई गड़बड़ी न हो पाये और किसानों को प्रयाप्त मात्रा में खाद उपलब्धि हो सके। किसानों को कृषि उत्पादों की सही कीमत मिले इसके लिए बाजार समिति को बेहतर बनाया जाएगा।

बाढ़ विधानसभा क्षेत्र के लिए आपकी क्या प्राथमिकताएं हैं?

बाढ़ विधानसभा क्षेत्र में मेरे कार्यकर्ताओं द्वारा प्रत्येक घर से यह जानकारी लेगी कि सभी घरों में बिजली कनेक्शन है या नहीं, जिनका बिजली कनेक्शकन नहीं होगा उन सभी जनता को 72 घंटे मे बिजली कनेक्शन दिलाया जायेगा। बिजली की पहुँच हर घर के लिए सुनिश्चित की जाएगी। इस संबंध में उनकी समस्याओं के समाधान को लेकर उनकी हर संभव मदद की जाएगी।

पटना-नवादा सीधी ट्रेन सेवा का शुभारम्भ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। भाजपा नेता एवं नवादा सांसद विवेक ठाकुर ने कहा नवरात्रि के पावन अवसर पर पटना जंक्शन से नवादा–पटना पैसेंजर ट्रेन का शुभारम्भ किया गया। वर्षों से प्रतीक्षित इस सीधी रेल सेवा का शुभारम्भ नवादा, शेखपुरा व बरबीघा के लिए ऐतिहासिक सौगात साबित होगा। पटना जंक्शन से नवादा सांसद विवेक ठाकुर, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, सांसद रविशंकर प्रसाद, कौशलेंद्र कुमार, मंत्री नितिन नवीन ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बिहार आज रेल क्रांति का अनुभव कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बिहार को जिस गौरवपूर्ण मुकाम तक पहुंचाया है, उसके लिए पूरा बिहार हृदय से आभार प्रकट करता है। सांसद ने आगे कहा कि वंदे भारत और अमृत भारत जैसी आधुनिक ट्रेनों के परिचालन से बिहार देश के हर कोने से, विशेषकर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से, सीधे जुड़ गया है। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि बरबीघा, जो नवादा लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है, आजादी के बाद पहली बार पटना से सीधी कनेक्टिविटी प्राप्त कर रहा है। दशकों से लंबित इस परियोजना का आज शुभारम्भ होना ऐतिहासिक क्षण है। विवेक ठाकुर ने कहा इस नई ट्रेन सेवा के शुभारम्भ से क्षेत्रवासियों में हर्ष की लहर है और इसे पूरे नवादा, शेखपुरा और बरबीघा क्षेत्र के लिए विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक है। विवेक ठाकुर ने समस्त नवादा लोकसभा वासियों की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार प्रकट किया। भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल मेहता ने कहा की सांसद विवेक ठाकुर ने नवादा को विकसित नवादा के संकल्प को पूरा करने के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं इससे नवादा के लोग काफ़ी खुश है आभार प्रकट करने वालो मे जिला महामंत्री शैलेन्द्र शर्मा, अरविन्द गुप्ता, नंद किशोर चौरसिया, उपाध्यक्ष तेजस सिन्हा, मुकेश कुमार, कोषाध्यक्ष विश्वास सिंह विशु, नवादा विधानसभा संयोजक अभिजीत कुमार, युवा मोर्चा अध्यक्ष अजित शंकर, महिला मोर्चा अध्यक्ष माधुरी वर्णनवाल, मीडिया प्रभारी गुलशन कुमार, विकास सोलंकी, मंडल अध्यक्ष गरीवन महतो, शिवरानी केशरी एवं अन्य लोग शामिल हैं ।

नवादा रेलवे स्टेशन पर नवादा-पटना-नवादा डेमू पैसेंजर ट्रेन का जोरदार स्वागत

नवादा/नबिटा ब्यूरो। नवादा रेलवे स्टेशन पर सोमवार को नवादा-पटना-नवादा डेमू पैसेंजर ट्रेन का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल मेहता ने कहा कि यह नवादा के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और नवादा सांसद विवेक ठाकुर की पहल से नवादा को यह बड़ी सौगात मिली है। इस नई ट्रेन सेवा से नवादा के लोगों को सीधे राज्य की राजधानी पटना से जुड़े पर्यटन, व्यापार और रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। भाजपा नेता ने कहा कि सांसद विवेक ठाकुर नवादा को विकसित करने के लिए हर क्षेत्र में लगातार मेहनत कर रहे हैं, और इसके लिए नवादा वासियों की ओर से उन्हें आभार व्यक्त किया गया। जदयू जिला अध्यक्ष मुकेश विद्यार्थी ने भी इसे नवादा के लिए ऐतिहासिक दिन बताया और कहा कि यह डबल इंजन की सरकार की देन है। इस अवसर पर लोजपा के जिला अध्यक्ष मनोज कुमार, रालोमो के जिला अध्यक्ष राजेंद्र कुशवाहा, जिला महामंत्री अरविंद गुप्ता, नंदकिशोर चौरसिया, उपाध्यक्ष मुकेश कुमार, कोषाध्यक्ष विश्वास सिंह विशु, युवा मोर्चा अध्यक्ष अजित शंकर, महिला मोर्चा अध्यक्ष माधुरी वर्णनवाल, मीडिया प्रभारी गुलशन कुमार, और अन्य वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। उपस्थित नेताओं और जनता ने मिलकर नई ट्रेन सेवा का स्वागत किया और इसे नवादा की विकास यात्रा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

श्रवण कुमार ने दुग्ध उत्पादक किसानों के बीच बांटी 5.57 लाख की बोनस राशि

9 करोड़ से अधिक की विकास योजनाओं का शिलान्यास

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सिलाव (नालंदा)। नीरपुर जलालपुर दुग्ध उत्पादक सहयोग समिति लिमिटेड के तेरहवें बोनस वितरण समारोह का आयोजन सोमवार को धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर उन्होंने समिति के सांसद मद से 6 लाख की लागत से बनने वाले नव-निर्माणाधीन भवन का शिलान्यास किया। समारोह में 417 सदस्यों वाली समिति के 407 किसानों के बीच कुल 5 लाख 57 हजार 65 रुपये की बोनस राशि वितरित की गई। किसानों को बोनस के साथ पशु आहार और पशुओं की देखभाल संबंधी सुझाव भी दिए गए। मंत्री ने कहा कि दुग्ध उत्पादक किसान प्रदेश की तरक्की में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र में 9 करोड़ 38 लाख रुपये की लागत से बनने वाली कुल 9 विकास योजनाओं की आधारशिला भी रखी। इनमें सड़कों के निर्माण कार्य के अलावा नालंदा नगर पंचायत क्षेत्र में मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना अंतर्गत वार्ड-11 में पीसीसी सड़क निर्माण शामिल है। मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार हर क्षेत्र में विकास कर रहा है। शिक्षा, रोजगार, महिला सशक्तिकरण से लेकर पेयजल और बिजली आपूर्ति तक, सरकार ने उल्लेखनीय कार्य किया है। उन्होंने बताया कि आज प्रदेश में 1 करोड़ 13 लाख लोग वृद्धा एवं दिव्यांग पेंशन का लाभ ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि परिवार की महिला सशक्त होती है, तो न केवल वह परिवार बल्कि पूरा प्रदेश तरक्की करता है। दुग्ध उत्पादक किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर पूर्व विधान पार्षद राजू गोप, जिला परिषद सदस्य नविता सिन्हा, मुखिया कुमारी सविता सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद रहे।

आरएसएस ने स्थापना दिवस पर शस्त्र पूजन का लिया निर्णय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने स्थापना दिवस की शताब्दी वर्षगांठ पर शस्त्र पूजन तथा विजयादशमी उत्सव कार्यक्रम नवादा नगर के विभिन्न शाखों पर मनाने का निर्णय लिया गया जिसके अंतर्गत 28 सितंबर प्रातः 7:00 बजे गांधी इंटर विद्यालय केशव प्रौण व्यवसायी शाखा के द्वारा धूमधाम से शस्त्र पूजन एवं विजयादशमी उत्सव मनाया गया ।कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण से किया गया इसके बाद सामूहिक गीत श्री विनय अग्रवाल ने लिया।अमृत वचन के उपरांत कवि दयानन्द प्रसाद गुप्ता ने भारत मां के प्रति समर्पित एकल गीत के उपरान्त प्रधानाध्यापक श्री संजीव कुमार ने संबोधित करते हुए कहा कि आज बड़े ही हर्ष की बात है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शताब्दी वर्ष पूरा किया जिसने व्यक्ति निर्माण एवं राष्ट्रीय जागरण कर भारतीय संस्कृति तथा देश के रक्षक के रूप में कार्य किया।

उन्होंने शस्त्र पूजन के महत्ता को बताते हुए कहा कि बिना शक्ति के दुनिया में किसी भी देश का अस्तित्व नहीं बच सकता। विजयदशमी असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। जब दुनिया में राक्षस प्रवृत्ति बढा तब शक्ति की देवी मां दुर्गा का अवतरण हुआ। भगवान राम ने रावण का वध किया।

श्री कुमार ने कहा कि संघ के द्वारा समाज में पंच परिवर्तन पर जोर दिया जा रहा है जिसके अन्तर्गत स्वदेशी, स्वभाषा, कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण, नागरिक कर्तव्य, सामाजिक समरसता के प्रति समाज में जागरूकता लाकर देश मे अमूल परिवर्तन कर देश को आत्मनिर्भर भारत, शक्तिशाली भारत बनाने के लिए सभी को स्वयं की प्रेरणा से कार्य करना होगा। इस कार्यक्रम में सैकड़ों गणवेशधारी स्वयंसेवकों के अलावे महिला पुरुष एवं बच्चों ने भी भाग लिया। मुख्य रुप से कार्यक्रम में नालंदा विभाग सह कार्यवाही प्रदीप कुमार जिला प्रचार प्रमुख कवि दयानन्द प्रसाद गुप्ता, ध्रुव भगत, अरुण कुमार भाजपा नेता सूर्यनारायण गुप्ता, डॉ अनंत कुमार, डॉ सुनील कुमार, विजय सिंह सहित प्रमुख कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। जिला प्रचार प्रमुख कवि दयानन्द प्रसाद गुप्ता ने बताया कि प्रत्येक शाखाओं पर कार्यक्रम के बाद 2 अक्टूबर विजयदशमी के दिन प्रातः 7:00 बजे हरिश्चंद्र स्टेडियम शाखा से नगर का पूर्ण गणवेशधारी स्वयं सेवकों का पथ संचलन निकलेगा।

बाइक चोरी होने की घटना में बेहताशा वृद्धि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नारदीगंज (नवादा)। थाना क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में बाइक चोरी होने की घटना में बेहताशा वृद्धि हुई है। जिससे बाइक मालिक की परेशानी बढ़ी हुई है। पुलिस मामले के उद्भेदन में प्रयासरत है, बावजूद बदमाश पुलिस की पकड़ से बाहर है। ताजा घटना अब्दलपुर पडरिया निवासी स्व. राम किशुन यादव का पुत्र उपेन्द्र कुमार का बाइक चोरी हो गई। इस सम्बंध में अब्दलपुर पड़रिया निवासी अरुण टाइगर ने नारदीगंज थाना में आवेदन पत्र देकर बाइक खोजने की गुहार लगाई है। उन्होंने कहा पडरिया सड़क मार्ग में संत जोसफ स्कूल के निकट रविवार को तकरीबन दो बजे बाइक लगा दिया था। उक्त बाइक नीले रंग होंडा साइन (बीआर 27 के /4164) है। उसके बाद वही जगह लाइब्रेरी में चला गया। जब पांच बजे शाम में वापस लौटा तो देखा कि उक्त स्थल पर बाइक नहीं है। काफी खोजबीन की। लेकिन कही भी अता पता नहीं चल पाया है।इधर ,ठीक इसी सड़क मार्ग में राजन कुमार का बाइक भी 27 अगस्त को चोरी हो गई है। उक्त बाइक पैशन प्रो (बीआर 27 एन/2199) है। वही 27 सितम्बर 2025 को नारदीगंज बाजार चौक के निकट मार्केट में लगी बाइक को भी बदमाशों ने हाथ साफ कर दिया है। स्थानीय लोगों ने बाइक चोर की घटना को राजफाश करने की मांग जिला प्रशासन से की है।

मां की प्रतिमाओं के पट खुले, नाटकों के मंचन की तैयारी

दनियावां (पटना)/ नबिटा ब्यूरो। दनियावां बाजार, सरथुआ, शाहजहांपुर, तोप समेत प्रखंड के कई जगह सप्तमी सोमवार को अहले सुबह मां दुर्गा और मां काली की प्रतिमाओं के पट खुल गए। प्रतिमाओं के समीप श्रद्धालु नर-नारी भक्तिमय माहौल में पूजा पाठ में तल्लीन दिखे। दनियावां बाजार में आयोजन समिति के जगमोहन यादव ने बताया कि दुर्गा मंदिर के पास आकर्षक पंडाल में प्रकाश और ध्वनि की सुंदर व्यवस्था की गई है। वहीं, सरथुआ और तोप गांव में ग्रामीण कलाकारों के द्वारा अष्टमी, नवमी और विजयादशमी की रात्रि सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत नाटकों का मंचन किया जाएगा।

निर्माणाधीन टूरिस्ट-वे पर भीषण सड़क हादसा, दो की मौत, तीन गंभीर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। जिले के चण्डी थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव के समीप सोमवार को निर्माणाधीन टूरिस्ट-वे पर दो बाइक की आमने-सामने की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में एक 11 वर्षीय बालक भी शामिल है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हादसे में जान गंवाने वालों में चण्डी थाना क्षेत्र के मनियारपुर गांव निवासी रंजन कुमार का 11 वर्षीय पुत्र आयुष कुमार शामिल है। दूसरा मृतक दूसरी बाइक पर सवार एक व्यक्ति है, जिसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। वहीं, उसी बाइक पर सवार एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है, जिसे इलाज के लिए बिहारशरीफ मॉडल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक आयुष के फुफेरे भाई दीपू कुमार ने बताया कि आयुष अपने चचेरे भाइयों के साथ जगदंबा स्थान से पूजा कर घर लौट रहा था। इसी बीच मनियारपुर के पास सामने से आ रही बाइक से उसकी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि आयुष, सूरज कुमार और रविकांत कुमार गंभीर रूप से जख्मी हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने आयुष को मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि आयुष का चचेरा भाई सूरज कुछ दिन पहले ही नई बाइक खरीदा था। सोमवार को उसी बाइक की पूजा कराने के लिए वह जगदंबा स्थान गया था। पूजा के बाद लौटते वक्त यह दर्दनाक हादसा हो गया। घायल सूरज और रविकांत की हालत नाजुक बताई जा रही है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक से पास लेने के प्रयास में दोनों बाइक आमने-सामने टकरा गए। हादसे में दूसरी बाइक पर सवार व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसके साथ बैठी महिला बुरी तरह जख्मी है।दोनों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। चण्डी थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि हादसे में दो लोगों की मौत हुई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बिहारशरीफ मॉडल अस्पताल भेज दिया गया है।

पइन में डूबने से महिला की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। सरमेरा थाना क्षेत्र के बड़ी मिसियां गांव में सोमवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ। भैंस चराने गई 35 वर्षीया महिला की पानी में डूबने से मौत हो गई। मृतका की पहचान बड़ी मिसियां गांव निवासी प्रवेश पासवान की पत्नी संगीता देवी के रूप में हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि संगीता देवी रोज की तरह अपनी भैंस चराने के लिए गांव से दक्षिण स्थित छोटकी मिसियां गई थी। इसी दौरान उनकी भैंस पानी से भरे एक पइन (छोटी नहर) को पार कर दूसरी ओर चली गई। भैंस को वापस लाने के लिए संगीता देवी पानी में उतरीं, लेकिन पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चली गईं और डूब गईं। घटना स्थल पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद ग्रामीणों ने शोर मचाया और काफी मशक्कत के बाद शव को पानी से बाहर निकाला। इसके बाद तत्काल संगीता देवी को सरमेरा अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर सरमेरा थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया है।

जनता भ्रष्टाचारी, कमीशनखोर, जुमलेबाजी नेताओं को सबक सिखाने के लिए तैयार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। विधानसभा क्षेत्र से विधायक पद के भावी उम्मीदवार शिक्षाविद, समाजसेवी डॉ अनुज सिंह के द्वारा लगातार मतदाताओं के बीच जाने का काम किया जा रहा है, बीते सोमवार को नगर के कई वार्डों में जाकर जनसंपर्क अभियान चलाया। नवादा में शिक्षा-स्वास्थ्य-रोजगार एवं सुरक्षा को लेकर राजनीति के मैदान में पांव फैलाने वाले पहले नेता के रूप में जनता इन्हें पसंद कर रही हैं। अपने जनसंपर्क यात्रा की शुरुआत वार्ड संख्या 36 नरेंद्र नगर से किया जहां दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों में से अंशु सिंह, रंजू सिंह, मुकेश सिंह,

अजय सिंह के साथ-साथ सैंकड़ों की संख्या में स्थानीय नागरिकों में ढोल बजाकर एवं फूलमाला से स्वागत किया। वहां उन्होंने मतदाताओं से मिलकर विधानसभा चुनाव में समर्थन मांगा। इस दौरान मतदाताओं को संबोधित करते हुए डॉ अनुज ने कहा कि नवादा के विकास का समय आ गया है। मैं अपनी झोली भरने वाले नेताओं में से नहीं हूं राजनीतिक मेरा पेशा नहीं बल्कि विकास की राजनीति का संकल्प लेकर इस मैदान में आया हूं। पांच सालों के बाद एक मौका आपको आता है। आप अपना बहुमूल्य वोट सोच समझ कर करें। विकास का वादा करके पिछले 40 साल से जनप्रतिनिधियों ने जनता से धोखेबाजी किया है, जनता अब खुद को ठगा महसूस कर रही है। हमें धोखेबाज, भ्रष्टाचारी एवं जुमलेबाज नेताओं को सबक सिखाना है। एक बार आप सभी हमें अपनी सेवा करने का अवसर दें। वहीं स्थानीय युवाओं में वासुदेव चौधरी, सूरज कुमार, पिंटू कुमार, डॉ मुरारी कुमार, मुकेश यादव, सच्चिदानंद पांडेय ,शंभू पासवान, चंद्रिका चौधरी, गौतम पासवान, जितेंद्र चौधरी, मिथुन कुमार अपने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अंत में सभी के प्रति डॉ अनुज का धन्यवाद ज्ञापन के साथ उस दिन का यात्रा समापन किया गया।

बिजली सुरक्षा को लेकर पूजा पंडालों में चिपकाए गए निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रजौली । मुख्यालय समेत आसपास के क्षेत्रों के पूजा पंडालों में बिजली सुरक्षा को लेकर विद्युत आपूर्ति प्रमंडल रजौली के कार्यपालक अभियंता सुनील कुमार के निर्देश पर बैनर-पोस्टर चिपकाया गया है।कार्यपालक अभियंता ने बताया कि दुर्गा पूजा को लेकर विभाग द्वारा आवश्यक सभी तैयारियां कर ली गई है।इसके तहत सभी पंडाल समितियों को सुरक्षा को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया है।उन्होंने कहा कि पूजा समितियों को भारतीय विद्युत अधिनियम 1956 के तहत पंडाल की क्षैतिज दूरी 12 मीटर तथा उर्ध्वाधर दूरी 2.5 मीटर रखने को निर्देशित किया गया है।साथ ही पूजा पंडाल में क्षमता अनुसार उच्च गुणवता वाले तार का उपयोग करने,पंडाल में कटे व टूटे तार का उपयोग नहीं करना एवं कटे स्थान पर इलेक्ट्रिकल टेप का उपयोग करने,पंडाल में सजावट हेतु उपयोग में लाए जाने वाले तारों को आम आदमी के पहुंच से उपर रखने,पंडाल की सुरक्षा हेतु अग्निशामक यंत्र रखने तथा प्रदूषण रहित जेनेरेटर का इस्तेमाल करने के साथ भीड़-भाड़ वाले स्थान से दूरी पर घेरा बनाकर रखने की बात कही गई है।साथ ही सभी पूजा पंडाल समितियों को देने के साथ-साथ मेला घूमने के दौरान सभी विद्युत उपभोक्ताओं एवं आम नागरीकों से भी अनुरोध किया गया है कि विद्युत उपकरणों से स्वयं एवं अपने बच्चों को दूरी बनाकर चले। साथ ही साइबर फ्रॉड से बचने हेतु बैनर एवं इससे संबंधित बैनर पूजा पंडाल के समीप लगाया गया। साथ ही सरकार द्वारा दिए जाने वाले 125 यूनिट निःशुल्क बिजली को लेकर आवश्यक बैनर आदि लगाए गए हैं।

नवरात्रि पर बिगेस्ट डांडिया नाइट का भव्य आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। स्थानीय श्रम कल्याण केंद्र के विशाल मैदान में शनिवार की रात आर्यन्स ग्रुप के तत्वावधान में "बिगेस्ट डांडिया नाइट" का आयोजन किया गया। इस भव्य कार्यक्रम में शहर के लगभग चार हजार से अधिक लोगों ने शिरकत की और इसे अविस्मरणीय बना दिया। आयोजन स्थल पर देर रात तक संगीत, नृत्य और उल्लास का माहौल छाया रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक रीति-रिवाज के अनुसार माता की आरती से किया गया। इस अवसर पर आर्यन्स ग्रुप ने बताया कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। डांडिया नाइट केवल मनोरंजन का साधन

नहीं है, बल्कि यह हमारी परंपराओं और संस्कृति को जीवंत बनाए रखने का जरिया भी है। शहरवासियों की सहभागिता और उत्साह यह दर्शाता है कि लोग अपनी संस्कृति से जुड़े आयोजनों को कितना महत्व देते हैं। कार्यक्रम में खास आकर्षण सेलिब्रिटी एंकर चंदन मिश्रा रहे, जिन्होंने अपनी उम्दा एंकरिंग से पूरे आयोजन में जान डाल दी। वहीं कोलकाता की मशहूर डीजे पामेला ने अपने धमाकेदार म्यूजिक मिक्स से युवाओं को थिरकने पर मजबूर कर दिया। इसके अलावा दिल्ली से आई विशेष ढोल एवं डांस टीम ने जबरदस्त प्रस्तुतियां दीं, जिन पर दर्शक देर रात तक झूमते रहे। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे प्रतिभागियों ने पारंपरिक डांडिया गीतों और आधुनिक धुनों पर कदम मिलाए। हर राउंड में उत्साह और जोश देखने लायक था। छोटे-बड़े, युवा और परिवार सहित लोग देर रात तक डांडिया की थाप पर नाचते-गुनगुनाते रहे। मंच पर लाइटिंग, साउंड और डेकोरेशन ने आयोजन को और भव्य बना दिया। इतनी बड़ी भीड़ को देखते हुए आयोजन स्थल पर सुरक्षा की व्यापक व्यवस्था की गई थी। प्रवेश द्वार से लेकर पूरे मैदान में पुलिस बल और स्वयंसेवक मुस्तैद रहे। पार्किंग और भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था भी सराहनीय रही, जिससे लोगों ने बिना किसी परेशानी के आयोजन का आनंद लिया। कार्यक्रम के समापन पर आयोजकों ने सभी प्रायोजकों, कलाकारों, प्रतिभागियों और दर्शकों का आभार व्यक्त किया।

एक नजर

ट्रांसफार्मर को बदलने के लिए ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

कौआकोल/नबिटा संवाददाता। कौआकोल-पकरीबरावां मुख्य पथ पर जोगाचक हाई स्कूल मोड़ के पास ग्रामीणों ने सोमवार की सुबह बिजली व पानी की किल्लत से परेशान होकर घण्टों सड़क जाम कर दिया। ग्रामीण मीणा देवी, गीता देवी, रविन्द्र यादव,रूबी देवी आदि का आरोप था कि विगत चार दिनों से उनलोगों का ट्रांसफार्मर जला हुआ था। जिसके कारण बिजली एवं पानी की समस्या उत्पन्न हो गई। सूचना के बावजूद विभाग संवेदनशील नहीं है। जिससे मजबूर होकर सड़क पर उतरना पड़ा। हालांकि महज घण्टे-दो घण्टे बाद ही स्थानीय विधायक मोहम्मद कामरान के पहल के बाद विभाग के द्वारा जले हुए ट्रांसफार्मर को बदल दिया गया। जिससे ग्रामीण शांत होकर सड़क जाम हटा दिए।

विद्यालय से 14 बोरा एमडीएम के चावल की चोरी

कौआकोल/नबिटा संवाददाता। प्रखण्ड के देवनगढ़ पंचायत अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय भोरमबाग से अज्ञात चोरों ने कमरा का ताला खोलकर 14 बोरा एमडीएम में प्रयोग होने के लिए आया चावल की चोरी कर लिया। एवं पुराने ताला हटाकर उस कमरे में नया ताला लगा दिया। इस सम्बंध में विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक दिवाकर प्रसाद ने कौआकोल थाना में लिखित आवेदन देकर अज्ञात चोरों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करते हुए कार्रवाई की मांग किया है। थाना में दिए गए आवेदन में प्रभारी प्रधानाध्यापक दिवाकर प्रसाद ने बताया कि शनिवार को देर रात्रि अज्ञात चोरों के द्वारा विद्यालय से लगभग सात क्विंटल चावल की चोरी कर ली गई है एवं पुराने ताला के जगह पर नया ताला लगा दिया गया है।

माता की गोद भराई को लेकर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

कौआकोल/नबिटा सं। कौआकोल दुर्गामण्डप परिसर में शारदीय नवरात्रि की अष्टमी तिथि को माता दुर्गा के आठवें स्वरूप माता महागौरी की पूजा अर्चना की गयी। इस दौरान माता की प्रतिमा के दर्शन को लेकर भक्तजनों की काफी भीड़ उमड़ पड़ी। सोमवार को श्रद्धालुओं ने पूरी श्रद्धा और भक्ति से माता महागौरी की उपासना की। कौआकोल दुर्गामण्डप में स्थापित मां दुर्गा के दर्शन एवं गोदभराई के लिये सुबह से ही महिलाओं की भीड़ लगी रही। महिलाओं ने माता की गोद भरकर परिवार की सुख शांति व समृद्धि का आशीर्वाद लिया। वहीं सोमवार की देर रात्रि दुर्गामण्डप परिसर में भव्य जागरण का कार्यक्रम आयोजित हुआ। स्थानीय पण्डित के अनुसार यहां स्थापित माता दुर्गा की पूजा कामाख्या विधि से होती है। इसलिए यहां मंगलवार को ही बलि दी जाएगी। जबकि 1 अक्टूबर को विजयादशमी मनाने के साथ ही दो अक्टूबर को माता की प्रतिमा का विधिवत पूजा अर्चना के बाद विसर्जन किया जाएगा। वहीं प्रखण्ड के खड़सारी गांव सहित विभिन्न गांवों व देवी स्थलों में मंगलवार को अष्टमी, जबकि बुधवार को नवमी एवं गुरुवार को विजयादशमी मनाया जाएगा।

अनुमंडल कार्यालय के समीप सड़क दुर्घटना, बाइक सवार रेफर

रजौली/नबिटा संवाददाता। थाना क्षेत्र के अनुमंडल कार्यालय से महज थोड़ी दूर हरदिया सेक्टर-ए के समीप बीते रविवार की देर रात्रि एक बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। इस सड़क दुर्घटना में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों एवं राहगीरों की मदद से घायल बाइक सवार को इलाज हेतु अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में ड्यूटी में रहे चिकित्सक डॉ. अभिप्राय चौधरी ने बताया कि घायल बाइक सवार की पहचान भौर गांव निवासी माहो यादव के रूप में हुई है।घायल बाइक सवार गंभीर रूप से घायल था,जिसका प्राथमिक इलाज कर बेहतर इलाज हेतु नवादा सदर अस्पताल रेफर किया गया है। घायल बाइक सवार ने बताया कि वह रविवार की रात्रि रजौली बाजार से भौर अपने गांव जा रहे थे। इसी बीच अज्ञात वाहन ने उनके बाइक में जोरदार टक्कर मारकर फरार हो गया। बताते चलें कि रॉन्ग साइड में चलने के कारण बीते 19 सितंबर को एक अज्ञात टोटो ने एक स्कूटी सवार वृद्ध को टक्कर मार दी, जिसमें वृद्ध का हाथ टूट गया। वहीं बीते 21 सितंबर को दो बाइकों के आमने सामने की टक्कर में दोनों बाइक चालकों के हाथ और पैर टूट गया था। वहीं स्थानीय लोगों ने पुलिस व प्रशासन से रॉन्ग साइड में चलने वाले लोगों के विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है।

भाजपा का बिहारशरीफ विधानसभा में जीएसटी व स्वदेशी पर संवाद अभियान

बिहारशरीफ/नबिटा ब्यूरो। भाजपा ने बिहारशरीफ विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न बाजारों में जाकर दुकानदार भाइयों से मुलाक़ात की। भारत सरकार द्वारा लागू जीएसटी व्यवस्था पर किए गए सुधारों और स्वदेशी को अपनाने के संकल्प पर सभी से विस्तृत चर्चा की। दुकानदार भाइयों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हो रहे कार्यों की सराहना करते हुए देश की अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने के लिए स्वदेशी को अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि देश के व्यापारियों, दुकानदारों एवं समस्त जनता के हितों के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में जीएसटी संशोधन किया गया, इससे रोजाना उपयोग होने वाले 90 प्रतिशत वस्तुएं सस्ती हो गई है। जिसका लाभ देश भर में समाज के सभी वर्गों को मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह कदम देशवासियों को बड़ी राहत प्रदान कर रहा है, दूकानदारों, व्यवसायियों को भी अपना व्यवसाय करना अब काफी सुविधाजनक हो गया है। इतना ही नहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह भी कहा है कि आगे भी जीएसटी की दरें और कम की जा सकती है। इस अवसर पर मंत्री डॉ. सुनील कुमार, जिला अध्यक्ष राजेश कुमार, उपाध्यक्ष सुधीर कुमार, शैलेन्द्र कुमार,राजेश्वर प्रसाद सिंह, डॉ अशुतोष कुमार, अमरेश कुमार, नीरज कुमार, राजू माहुरी, प्रवीण सिंह, आइटी सेल संयोजक अमित शान, सोनू कुमार हिंदू, रीना कुमारी, विकास कुमार, मणिकांत पासवान, धीरज पाठक, अविनाश कुमार, धनंजय कुमार सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विजयादशमी को लेकर यातायात प्लान तैयार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। विजयादशमी (रावण वध) 2 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस अवसर पर शहर के गांधी मैदान में भव्य स्तर पर रावण वध कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है जिसमें शहर एवं आसपास के गांवों तथा दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से काफी संख्या में दर्शकों का भीड़ लगता है। साथ ही उक्त कार्यक्रम समाप्ति के उपरान्त भीड़ अचानक/एका-एक गांधी मैदान से बाहर निकलती है। गांधी मैदान से काफी संख्या में एक-एक भीड़ निकलने के कारण कभी-कभी भगदड़ की स्थिति भी उत्पन्न हो जाती है। ऐसे में आकस्मिक दुर्घटना होने से इनकार नहीं किया जा सकता है। उक्त तिथि को गांधी मैदान में आयोजित (रावण वध) कार्यक्रम के एक घण्टे पूर्व से समाप्ति तक इन स्थानों को चिन्हित करते हुए यातायात प्लान तैयार की गई है, जो इस प्रकार है-रावण वध कार्यक्रम 2 अक्टूबर को समय 16:00 से कार्यक्रम समाप्ति तक का यातायात प्लान, काशीनाथ मोड़ से गांधी मैदान की ओर जाने वाली सभी प्रकार के वाहनों का परिचालन पूर्णतः वर्जित रहेगा। डीएम आवास (सुधा डेयरी बूथ) से गेवाल बिगहा मोड़ की ओर जाने वाली सभी प्रकार के वाहनों का परिचालन पूर्णतः वर्जित रहेगा। जेपी झरणा से गांधी मैदान, गेवाल बिगहा मोड़ एवं काशीनाथ मोड़ की ओर जाने वाली सभी प्रकार के वाहनों का परिचालन पूर्णतः वर्जित रहेगा। समाहरणालय गोलम्बर से काशीनाथ मोड़ की ओर जाने वाली सभी प्रकार के वाहनों का परिचालन पूर्णतः वर्जित रहेगा। गेवाल बिगहा मोड़ से हरिदास सेमीनरी, महारानी पेट्रोल पम्प के पास से होते हुए काशीनाथ मोड़ की ओर जाने वाली सभी प्रकार के वाहनों का परिचालन पूर्णतः वर्जित रहेगा। गया रेलवे स्टेशन से सिकड़िया मोड़, गया रेलवे स्टेशन बाटा मोड़ स्वराजपुरी रोड नगमतिया मोड़ से दाहिने मुड़कर रेलवे अस्पताल होते हुए अपने गन्तव्य को जाएंगे। गया रेलवे स्टेशन से घुघड़ी टांड़ बाईपास की ओर जाने वाली गाड़ियां रेलवे स्टेशन बाटा मोड़ स्वराजपुरी रोड काशीनाथ मोड़ से बाएं मुड़कर समाहरणालय गोलम्बर दिग्घी तालाब मोड़ राजेन्द्र आश्रम / कोयरी बाड़ी होकर जाएंगे। यह मार्ग वन-वे रहेगा। सिकड़िया मोड़ से रेलवे स्टेशनः गया कॉलेज मोड़ डीएम आवास (सुधा डेयरी बूथ) से बाएं मुड़कर आशा सिंह मोड़ अथवा जिला अतिथि गृह मिर्जा गालीब डेल्हा पुल/रेलवे अस्पताल होते हुए जाएंगे। चांद चौरा, शहमीर तकिया मुन्नी मस्जिद की ओर से सिकड़िया मोड़ /रेलवे स्टेशन गेवाल बिगहा मोड़ जिला पदाधिकारी आवास (सुधा डेयरी बूथ) होते हुए अपने गन्तव्य को जाएंगे, जो वन-वे रहेगा। काशीनाथ मोड़ पर समाहरणालय गोलम्बर की ओर से आने वाली रोड में।काशीनाथ मोड़ से एपीआर, चर्च रोड एवं गांधी मैदान की ओर जाने वाली रोड मे, आईएमए हॉल की ओर जाने वाली रोड मोड़ पर, जेपी झरणा के पास मिर्जा गालिब कॉलेज की ओर से आने वाली रोड में, बिसार तालाब रोड मोड़ पर (बिजली आफिस के सामने)। डीएम आवास (सुधा डेयरी बूथ के बाद) गेवाल बिगहा मोड़ की ओर जाने वाली रोड में।मुन्नी मस्जिद की ओर से आने वाली मोड़ के आगे महारानी पेट्रोल पम्प की ओर जाने वाली रोड में।

जहर देने के मामले में आरोपित गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। बहेरा थाना क्षेत्र के घोड़ाघाट गांव में आशा कार्यकर्ता को जहर देकर मौत के घाट उतारने के सनसनी खेज मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। बहेरा थाना कांड संख्या 70/25 दिनांक 17.05.25 के तहत आरोपी नंदू यादव (उम्र लगभग 65 वर्ष), पिता स्व. अंजु यादव, निवासी घोड़ाघाट को गिरफ्तार कर सोमवार को कड़ी सुरक्षा के बीच न्यायालय में पेश किया गया।

बीपीई एक्ट का आरोपित गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया। गयाजी जिला के बहेरा थाना क्षेत्र से कांड संख्या 135/25 में नामजद प्राथमिक अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस मामले की पुष्टि करते हुए बहेरा थानाध्यक्ष ने कहा कि कांड संख्या 135/25 में नामजद प्राथमिक अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत मे भेज दिया गया।

दुर्गा पूजा पर अनुमण्डल पदाधिकारी एवं एएसपी के नेतृत्व में फ्लैग मार्च

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गया। शेरघाटी अनुमण्डल क्षेत्र में दुर्गा पूजा एवं दशहरा पर्व के अवसर पर शांति, सौहार्द एवं विधि-व्यवस्था बनाये रखने हेतु जिला प्रशासन की ओर से व्यापक तैयारी की गई है। अनुमण्डल पदाधिकारी शेरघाटी एवं एएसपी शेरघाटी के संयुक्त नेतृत्व में शेरघाटी क्षेत्र के मुख्य मार्गों एवं आयोजन स्थलों पर फ्लैग मार्च निकाला गया।

विद्युत योजनाओं और सौर ऊर्जा के प्रति लोगों को किया जागरूक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गया। विद्युत आपूर्ति प्रमंडल गया शहरी अंतर्गत गया शहर में सुरक्षित दुर्गा पूजा के आयोजन हेतु सभी दुर्गा पूजा पंडालों को सुरक्षित और निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु सभी पदाधिकारियों और कर्मचारियों के द्वारा सभी स्थलों का निरीक्षण कर कई स्थानों पर सरकारी विद्युत योजनाओं के प्रति जागरूकता हेतु पूजा पंडालों के समीप सेल्फी प्वाइंट और कैनोपी लगाकर उपभोक्ताओं को विद्युत योजनाओं और सौर उर्जा के प्रति जागरूक किया जा रहा है। गया शहर के सभी उपभोक्ताओं को सुरक्षित दुर्गा पूजा हेतु विद्युत आपूर्ति प्रमंडल गया शहरी की तरफ से बधाई और शुभकामनाएं।

हिन्दी पखवारा का समापन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। एसएसबी 29वीं बटालियन गयाजी के कमांडेंट मधुकर अमिताभ के दिशानिर्देश में 14 सितंबर से 29 सितंबर तक चलने वाला हिन्दी पखवाड़ा का सोमवार को समापन किया गया। हिंदी पखवाड़ा के दौरान हिन्दी एवं अहिन्दी भाषी कार्मिकों के लिए विभिन्न प्रतियोगितओं जैसे निबंध प्रतियोगिता, हिन्दी अंग्रेजी शब्दकोष प्रतियोगिता, वाद विवाद प्रतियोगिता, टिप्पणी एवं मसौदा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें वाहिनी के उक्त प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बलकार्मिकों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर कमांडेंट ने बताया कि भारत एक ऐसा देश है जहां अनेक भाषाएं और बोलियां बोली जाती है। इस सब भाषाओं में हिंदी का सबसे महत्वपूर्ण है। हिंदी न केवल हमारी मातृभाषा है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक पहचान और एकता का प्रतीक भी है। हिंदी दिवस हर साल 14 सितंबर को पूरे देश में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य हिंदी भाषा के महत्व को याद दिलाना और युवाओं में अपनी भाषा के प्रति गर्व की भावना जगाना है। इस मौके पर दिनेश कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी, क्षेत्रक मुख्यालय (वि प्र), अजय कुमार वाजपेयी, उप कमांडेंट, क्षेत्रक मुख्यालय (वि प्र) एवं 29 वीं बटालियन अधिकारीगण, अधीनस्थ अधिकारीगण एवं अन्य बलकर्मी उपस्थित रहे।

अब स्नातक को भी एक हजार रुपए प्रति माह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना (स्नातक उत्तीर्ण युवक/युवतियों के लिए) यह पोस्ट मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना (स्नातक उत्तीर्ण युवक/युवतियों के लिए) के बारे में जानकारी प्रदान करती है। यह योजना 2016 में सात निश्चय के तहत शुरू की गई थी जिसके तहत पहले से इंटर (12वीं) पास युवाओं को रोजगार खोजने के लिए भत्ता दिया जा रहा था। अब 20-25 वर्ष के आयु वर्ग के स्नातक (कला, विज्ञान और वाणिज्य संकाय से) उत्तीर्ण, जो कहीं अध्ययनरत नहीं हैं और रोजगार की तलाश में हैं, उन्हें 1000/- रुपये प्रति माह की दर से अधिकतम 2 वर्षों तक इस योजना का लाभ मिलेगा।

डॉग स्क्वाड की टीम भी नहीं पकड़ सकी चोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोंच। आंती थाना क्षेत्र के अदोपुर गांव में सोमवार को डॉग स्क्वाड की टीम ने चोरी के मामले में जांच कर चोर पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। आंती थानाध्यक्ष दीपक कुमार राव ने बताया कि बीते शुक्रवार की रात गांव के उदय यादव के घर से करीब ढाई लाख रुपये के जेवरात चोरी हो गए थे। सोमवार को ग्रामीणों ने गांव के बधार स्थित देवी स्थान के समीप एक खेत के झाड़ से कुछ सामान बरामद किया, लेकिन उसमें से कीमती गहने गायब थे। ग्रामीणों की मांग पर गया से बुलाए गए डॉग स्क्वाड ने पूरे क्षेत्र की जांच की, मगर समय बीत जाने के कारण कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लग पाया। मौके पर एएसआई दशरथ सिंह, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि ध्रुवेश

यादव, पूर्व मुखिया योगेंद्र दास, रमेश यादव समेत अन्य लोग मौजूद थे। थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले की जांच जारी है और शीघ्र ही चोरों को पकड़ लिया जाएगा।

नहर में डूबने से दो बच्चों की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टिकारी। थाना क्षेत्र के रकसिया स्थित रविदास टोला के समीप नहर में डूबने से दो बच्चों की मौत सोमवार को हो गई। जानकारी के अनुसार रविदास टोला व आसपास के बच्चे नहर में नहाने के लिए कूदे। इसी क्रम में नहर के किनारे जलकुंभी में दो बच्चे फंस गये व गहरे पानी में डूब गये। आसपास मौजूद बच्चों के हो हल्ला करने पर जुटे लोगों ने बच्चों को निकाला, लेकिन तब तक बच्चों की मौत हो चुकी थी। मृत बच्चों की पहचान रकसिया रविदास टोला के मोहित मांझी की 10 वर्षीय पुत्री शिवानी कुमारी व लालू मांझी के 8 वर्षीय पुत्र पिंटू कुमार के रूप में हुई।

एशिया कप में भारत की जीत खेल के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि : डॉ मनीष

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गया। क्रिकेट के एशिया कप फाइनल में भारतीय टीम ने अपने उत्कृष्ट खेल कौशल और टीम भावना से पाकिस्तान को मात देकर विजेता का ताज अपने नाम किया। यह जीत न केवल खेल के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का क्षण भी है। इस पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने कहा कि भारत के वीर जवानों ने जिस शौर्य और पराक्रम का परिचय देते हुए पाकिस्तान के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक की थी, उसकी वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर भारत ने एक बार फिर अपने साहस और शक्ति का अद्भुत प्रदर्शन किया। इस बार मैदान युद्ध का नहीं बल्कि खेल का था। डॉ. मिश्रा ने कहा कि यह दोहरी खुशी का अवसर है। एक ओर सर्जिकल स्ट्राइक की यादें देशवासियों को गौरवान्वित करती हैं तो दूसरी ओर भारतीय खिलाड़ियों की यह शानदार जीत हर युवा के लिए उत्साह है।

शेरघाटी में मां दुर्गा का खुला पट, उमड़ी भक्तों की भीड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शेरघाटी। सोमवार को शेरघाटी शहर में नवरात्र की भव्य शुरुआत मां दुर्गा के पट खोलने के साथ हुई। शहरभर में भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। सुबह से ही विभिन्न पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। हर कोई मां दुर्गा की अराधना कर सुख-समृद्धि की कामना करता नजर आया। शहर के ब्लॉक स्थित दुर्गा पूजा समिति ने इस वर्ष पंडाल का निर्माण प्रेम मंदिर (वृंदावन) की तर्ज पर किया है जो आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। वहीं हटिया मोहल्ला स्थित पंडाल नेपाल के कवक मंदिर की तर्ज पर तैयार

किया गया है जिसकी भव्यता और कारीगरी दर्शकों को खींच रही है। इधर, दुर्गा स्थान और चट्टी मोहल्ला में भी मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की गई है। पूजा समितियों ने विशेष सजावट और विद्युत प्रकाश व्यवस्था से माहौल को और भी मनमोहक बना दिया है।

पूजा के दौरान भक्तों की भीड़ मंदिरों और पंडालों में उमड़ पड़ी। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में मां की आरती उतारते हुए नजर आईं, वहीं युवा और बच्चे भी उल्लासपूर्वक आयोजन में शामिल हुए। जगह-जगह भक्ति गीत और मंत्रोच्चार से पूरा शहर भक्तिमय हो गया। इधर, शहर के अलग-अलग इलाकों जैसे स्टेशन रोड, गली मोहल्लों और बाजार क्षेत्रों में भी मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। पंडालों के उद्घाटन के साथ ही दुकानों और चौक-चौराहों पर रौनक बढ़ गई है। नगर प्रशासन ने भी विधि-व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस बल की तैनाती की है। ताकि श्रद्धालु सुरक्षित रूप से पूजा का आनंद ले सकें। भक्तों का कहना है कि इस वर्ष पंडालों की भव्यता और सजावट पिछले वर्षों से कहीं ज्यादा आकर्षक है। नवरात्र की शुरुआत के साथ ही पूरा शेरघाटी आस्था और भक्ति के रंग में रंगा हुआ दिखाई दे रहा है।

युवक की संदिग्ध मौत, मचा हड़कम्प

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शेरघाटी। युवक की संदिग्ध मौत के बाद मचा हड़कंप। घटना शेरघाटी थाना क्षेत्र अंतर्गत नौकाडीह सोलर प्लांट के पास सोमवार की सुबह एक युवक की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हो गई। मृतक की पहचान सलैया गांव निवासी धमन यादव के पुत्र 17 वर्षीय सत्येंद्र कुमार के रूप में हुई है। घटना की प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सत्येंद्र अपनी बाइक से कहीं जा रहा था, तभी सड़क किनारे उसकी लाश बरामद हुई। पुलिस ने मौके से बाइक भी जब्त की है। हालांकि घटना को लेकर इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही है। मृतक के परिजन एवं ग्रामीण इसे साधारण सड़क हादसा मानने से इंकार कर रहे हैं। उनका कहना है कि सत्येंद्र की मौत

एक्सीडेंट से नहीं, बल्कि साजिश के तहत धारदार हथियार से हमला कर की गई है। ग्रामीणों ने दावा किया कि युवक के शरीर पर चाकू जैसे हथियार से वार के निशान हैं। वहीं घटनास्थल पर दूर तक महुआ का फूल गिरा हुआ मिलने से भी हत्या की आशंका गहरी हो गई है। इंस्पेक्टर अजीत कुमार ने बताया कि शव की प्रारंभिक जांच में युवक के ललाट और चेहरे पर गंभीर चोटें पाई गई है जो बाइक से गिरने के कारण हो सकती है। उन्होंने कहा कि वास्तविक स्थिति पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगी। फिलहाल शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच जारी है। सत्येंद्र की रहस्यमय मौत से इलाके में सनसनी फैल गई है। ग्रामीणों के बीच आक्रोश का माहौल है और सभी की निगाहें अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी है जो इस संदिग्ध मौत की असली वजह का खुलासा करेगी।

केसपा में वर्मा के बौद्ध भिक्षुओं का भ्रमण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टिकारी। प्रखंड अंतर्गत मां तारा नगरी केसपा ग्राम में वर्मा के बौद्ध भिक्षुओं ने भ्रमण किया। उन्होंने गांव में स्थित भगवान बुद्ध की आदमकद प्रतिमा का दर्शन कर अपनी आस्था प्रकट की। प्रतिमा की भव्यता से प्रभावित होकर उन्होंने इसे मंदिर का रूप देने की इच्छा जाहिर की। उन्होंने भगवान बुद्ध की प्रतिमा को खुले आकाश में देखकर आश्चर्य प्रकट किया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने भी उत्साहपूर्वक भिक्षु का स्वागत किया। गांव के प्रो. अरुण कुमार ने उन्हें केसपा ग्राम की प्राचीनता एवं ऐतिहासिक महत्व से अवगत कराया। ग्रामीण हिमांशु शेखर ने बताया कि यह गांव हिंदू और बौद्ध धर्म की आस्था का केंद्र

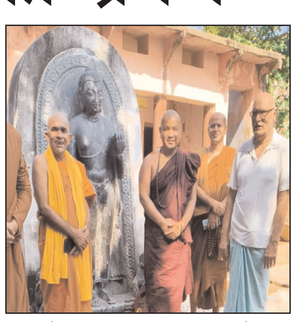

रहा है। ग्रामीणों का मानना है कि यदि इस प्रतिमा को मंदिर का स्वरूप प्रदान किया जाए तो यह धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण होगा एवं क्षेत्र के पर्यटन और सांस्कृतिक विकास में भी योगदान देगा। इस गांव में मां तारा देवी मंदिर, भगवान बुद्ध की प्रतिमा एवं गरुड़ विष्णु मंदिर को दूर-दूर से श्रद्धालु दर्शन करने आया करते हैं।

सात वर्ष बाद भी बियर बांध निर्माण न होने पर किसानों का सरकार के प्रति गहरा आक्रोश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टिकारी। टिकारी प्रखंड अंतर्गत लाव में संचालित +2 उच्च विद्यालय परिसर में रविवार को क्षेत्र के किसानों की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। सिंघापुर गांव के सामने मोरहर नदी में दसीअईन पइन के मुहाने पर प्रस्तावित लाव-पूरा बियर बांध के निर्माण को लेकर गहन चर्चा की गई। मुख्यमंत्री के घोषणा के सात वर्ष बाद भी बियर बांध निर्माण न होने पर उपस्थित किसानों ने सरकार के प्रति गहरा आक्रोश प्रकट किया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे डा. मुंद्रिका प्रसाद नायक ने कहा कि वर्ष 2018 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने समीक्षा यात्रा के दौरान गांव में आयोजित महती सभा को संबोधित करते हुए बियर बांध निर्माण की घोषणा की थी, लेकिन इसका कार्यान्वयन सात वर्ष बीत जाने के बाद भी नहीं हुआ। योजना की फाइल

आफिस दर आफिस परिक्रमा तो की, लेकिन अमलीजामा नहीं पहना। अन्य वक्ताओं ने कहा कि पिछले कुछ माह पहले जल संसाधन विभाग के इंजीनियर इन चीफ के नेतृत्व में जांच हेतु स्थल पहुंचे अधिकारियों का आना अब तक बेकार सावित हो रहा है। जांच के दौरान अधिकारियों द्वारा किसानों को दिया गया आश्वासन भी अभी तक बेकार साबित हो रहा है। वक्ताओं ने आगे कहा कि घोषणा के बाद बियर बांध निर्माण को लेकर न मुख्यमंत्री और न ही क्षेत्रीय जन प्रतिनिधियों ने अब तक सुध लिया। क्षेत्र के किसान थक हार कर पुनह लाव बियर बांध निर्माण परियोजना को अमलीजामा पहनाने के लिए आन्दोलन का शंखनाद करने को विवश है। बैठक को पूर्व पंसस नरेंद्र सिंह उर्फ गुडु शर्मा, प्रो. आलोक रंजन, लाव पंचायत के मुखिया आशुतोष कुमार, सरपंच पारस प्रसाद, पैक्स अध्यक्ष कृष्ण गोपाल सिंह उर्फ मंटू शर्मा, वीरेंद्र शर्मा, राजेश कुमार दांगी, जिला परिषद सदस्य सुरेश यादव, नीरज शर्मा, उत्तम कुमार, एवं सुधीर सिंह चंद्रवंशी आदि कई लोगों ने संबोधित किया।

जागरूकता हेतु पूजा पंडालों के समीप लगाया गया सेल्फी प्वाइंट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। विद्युत आपूर्ति प्रमंडल गया शहरी अंतर्गत गया शहर में सुरक्षित दुर्गा पूजा के आयोजन हेतु सभी दुर्गा पूजा पंडालों को सुरक्षित और निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु सभी पदाधिकारियों और कर्मचारियों के द्वारा सभी स्थलों का निरीक्षण कर कई स्थानों पर सरकारी विद्युत योजनाओं के प्रति जागरूकता हेतु पूजा पंडालों के समीप सेल्फी प्वाइंट और कैनोपी लगाकर उपभोक्ताओं को विद्युत योजनाओं और सौर उर्जा के प्रति जागरूक किया जा रहा है। गया शहर के सभी उपभोक्ताओं को सुरक्षित दुर्गा पूजा हेतु विद्युत आपूर्ति प्रमंडल गया शहरी की तरफ से बधाई और शुभकामनाएं भी दी गई।

डॉ. कर्मानन्द आर्य भाषा में विशिष्ट योगदान के लिए सम्मानित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। भारतीय भाषा विभाग, दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय गयाजी के हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक और युवा कवि डॉ. कर्मानन्द आर्य को उनके हिंदी भाषा एवं साहित्य में किए गए विशिष्ट योगदान हेतु लालबहादुर शास्त्री केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारतीय भाषा मंच, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली एवं संस्कृत शिक्षक संघ, दिल्ली प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी पखवाड़े के अवसर पर आयोजित एक विशिष्ट कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में भारत के विभिन्न भागों से आए हुए कुलपति, संस्कृत हिंदी के विद्वान, बुद्धिजीवी, चिंतक और शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के संस्कृत एवं प्राच्यविद्या विभाग के प्रमुख प्रो रामनाथ झा एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष लालबहादुर शास्त्री केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफ़ेसर मुरली मनोहर पाठक एवं संस्कृत शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. ब्रजेश गौतम थे। इस उपलब्धि पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह, कुलसचिव प्रोफेसर नरेंद्र कुमार राणा, विभाग के प्राध्यापकों, अधिकारियों कर्मचारियों एवं छात्रों ने बधाई दी है। जन संपर्क पदाधिकारीमोहम्मद मुदस्सीर आलम ने बताया कि डॉ. कर्मानन्द आर्य ने अपने लेखन से देश में विशेष ख्याति अर्जित की है। उनकी कई रचनाएं देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जा रही हैं।

ओजस्विनी एवं राष्ट्रीय महिला परिषद ने किया मातृशक्ति आराधना एवं डांडिया नृत्य का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गया जी। युवतियों की समृद्धि, सुरक्षा, स्वास्थ्य और स्वावलंबन के हितार्थ कार्यरत अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद की महिला शाखा ओजस्विनी एवं राष्ट्रीय महिला परिषद के संयुक्त तत्वावधान में महापर्व नवरात्रि के सुअवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी महासप्तमी के दिन मातृशक्ति आराधना एवं डांडिया नृत्य समारोह का आयोजन ओजस्विनी की गया जिलाध्यक्ष डॉ (प्रो) रश्मि प्रियदर्शनी एवं राष्ट्रीय महिला परिषद की संरक्षक रजनी त्यागी के नेतृत्व में किया गया। विष्णुपद मंदिर के निकट अवस्थित नेपाली आश्रम में समारोह का शुभारंभ देवी नवदुर्गा के छायाचित्र पर पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। मंत्रोच्चारण एवं शस्त्र पूजन के उपरांत सम्मिलित रूप से देवी की आराधना व आरती की। आयोजन स्थल अंबे तू है जगदंबे काली, जय दुर्गे खप्पर वाली, तेरे ही गुण गाये भारती, ओ मैया हम सब उतारें तेरी आरती भजन की पावन धुन से गूंज उठा। दीप प्रज्ज्वलन के उपरांत जिलामंत्री अमीषा भारती, महामंत्री शिल्पा साहनी, अनुराधा कुमारी, बरखा देवी, प्रिया कुमारी, शीतल कुमारी एवं अन्य सदस्यों ने ओ शेरो वाली बिगड़े बना दे सबके काम, अयि गिरि नन्दिनी नन्दिती मेदिनि, विश्व विनोदिनी नन्दिनुते, ढोलीरा जैसे भक्ति भाव से भरे गीतों पर डांडिया नृत्य किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद के जिलाध्यक्ष शिव लाल टइया तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में अहिप के विभाग महामंत्री राम बारीक की उपस्थिति रही। दोनों अतिथियों ने अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद की ओर से सभी बहनों को नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ रश्मि ने कहा कि नवरात्रि हमें नारीशक्ति के विविध कल्याणकारी रूपों के प्रति सम्मान भाव रखने की प्रेरणा देती है। महिलाओं के लिए उचित है कि वे स्वयं को नकारात्मक भावों से दूर रखें। अपने भीतर निहित नवदुर्गा की शक्तियों को जानें, पहचानें और समय आने पर उन क्षमताओं को उपयोग में लायें।

तपोवन परिसर में वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के गया वन प्रमण्डल अंतर्गत अतरी वन प्रक्षेत्र द्वारा सेवा पर्व -एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सोमवार को डॉ. भीमराव अम्बेडकर आवासीय विद्यालय, तपोवन परिसर में वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण एवं आसपास के क्षेत्र में कुल 200 पौधे लगाए गए। वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं स्थानीय ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को पौधों की सुरक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के दौरान वन प्रक्षेत्र कर्मियों ने विद्यार्थियों और स्थानीय नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि वृक्ष जीवन और पर्यावरण संरक्षण के मूल आधार हैं। उन्होंने सभी से अपील की कि लगाए गए प्रत्येक पौधे को सुरक्षित रखने तथा उसका नियमित रूप से संरक्षण करने का संकल्प लें। विद्यालय परिवार ने भी आश्वस्त किया कि लगाए गए पौधों की उचित देखभाल की जाएगी और छात्रों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का भाव जागृत किया जाएगा।

श्रमदान एवं स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टिकारी(गयाजी)। दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय में स्वच्छता ही सेवा 2025 पखवाड़े के अंतर्गत राष्ट्रव्यापी स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम एक दिन, एक घंटा, एक साथ का आयोजन सोमवार को उत्साहपूर्वक किया गया। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह के संरक्षण में विश्वविद्यालय परिसर के बाहर कुलसचिव प्रो. नरेंद्र कुमार राणा के साथ छात्रों, शिक्षकों एवं अधिकारियों ने सामूहिक रूप से श्रमदान करते हुए सफाई कार्य किया और स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सिंह स्वयं साइकिल से स्थल पर पहुंचे और विद्यार्थियों के साथ मिलकर सफाई अभियान में भाग लिया। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का कार्य नहीं है, बल्कि यह हमारी जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। हमें अपने व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ-साथ विश्वविद्यालय, घर और आसपास के पर्यावरण की सफाई का ध्यान रखना चाहिए। इस अभियान के माध्यम से हम सभी को सामूहिक प्रयासों की शक्ति का अनुभव होता है। जन सम्पर्क पदाधिकारी मोहम्मद मुदस्सीर आलम ने बताया कि स्वच्छता ही सेवा 2025 के नोडल पदाधिकारी डॉ. प्रशांत की देखरेख में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग, शारीरिक शिक्षा विभाग एवं छात्रावास के लगभग 100 विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की। विद्यार्थियों ने परिसर के बाहर श्रमदान कर साफ-सफाई करते हुए स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। ज्ञात हो कि देशभर में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर (गांधी जयंती) तक 15 दिवसीय स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान चलाया जा रहा है।यह अभियान करोड़ों नागरिकों को जोड़ते हुए सामूहिक सफाई कार्य और जन-जागरूकता फैलाने का एक ऐतिहासिक प्रयास है।

पटना का इतिहास

प्राचीन पटना (पूर्वनाम- पाटलिग्राम या पाटलिपुत्र) सोन और गंगा नदी के संगम पर स्थित था। सोन नदी आज से दो हजार वर्ष पूर्व अगमकुँआ से आगे गंगा में मिलती थी। पाटलिग्राम में गुलाब (पाटली का फूल) काफी मात्रा में उपजाया जाता था। गुलाब के फूल से तरह-तरह के इत्र, दवा आदि बनाकर उनका व्यापार किया जाता था इसलिए इसका नाम पाटलिग्राम हो गया। लोककथाओं के अनुसार, राजा पत्रक को पटना का जनक कहा जाता है। उसने अपनी रानी पाटलि के लिये जादू से इस नगर का निर्माण किया। इसी कारण नगर का नाम पाटलिग्राम पड़ा। पाटलिपुत्र नाम भी इसी के कारण पड़ा। संस्कृत में पुत्र का अर्थ बेटा तथा ग्राम का अर्थ गाँव होता है। पुरातात्विक अनुसंधानों के अनुसार पटना का लिखित इतिहास 490 ईसा पूर्व से होता है जब हर्यक वंश के महान शासक अजातशत्रु ने अपनी राजधानी राजगृह या राजगीर से बदलकर यहाँ स्थापित की। यह स्थान वैशाली के लिच्छवियों से संघर्ष में उपयुक्त होने के कारण राजगृह की अपेक्षा सामरिक दृष्टि से अधिक महत्वपूर्ण था क्योंकि यह युद्ध अनेक माह तक चलने वाला एक भयावह युद्ध था। उसने गंगा के किनारे सामरिक रूप से महत्वपूर्ण यह स्थान चुना और अपना दुर्ग स्थापित कर लिया। उस समय से इस नगर का इतिहास लगातार बदलता रहा है। 2500 वर्षों से अधिक पुराना शहर होने का गौरव दुनिया के बहुत कम नगरों को हासिल है। बौद्ध धर्म के प्रवर्तक गौतम बुद्ध अपने अन्तिम दिनों में यहाँ से होकर गुजरे थे। उनकी यह भविष्यवाणी थी कि नगर का भविष्य उज्ज्वल होगा, बाढ़ या आग के कारण नगर को खतरा बना रहेगा। आगे चल कर के महान नन्द शासकों के काल में इसका और भी विकास हुआ एवं उनके बाद आने वाले शासकों यथामौर्य साम्राज्य के उत्कर्ष के बाद पाटलिपुत्र भारतीय उपमहाद्वीप में सत्ता का केन्द्र बन गया। चन्द्रगुप्त मौर्य का साम्राज्य बंगाल की खाड़ी से अफ़गानिस्तान तक फैल गया था। मौर्य काल के आरंभ में पाटलिपुत्र के अधिकांश राजमहल लकड़ियों से बने थे, पर सम्राट अशोक ने नगर को शिलाओं की संरचना में तब्दील किया। चीन के फाहियान ने, जो कि सन् 399-414 तक भारत यात्रा पर था, अपने यात्रा-वृतांत में यहाँ के शैल संरचनाओं का जीवन्त वर्णन किया है। मेगास्थनीज़, जो कि एक यूनानी इतिहासकार और चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में यूनानी शासक सिल्यूकस के एक राजदूत के नाते आया था, ने पाटलिपुत्र नगर का प्रथम लिखित विवरण दिया है उसने अपनी पुस्तक में इस शहर के विषय मे एवं यहां के लोगों के बारे में भी विशद विवरण दिया है जो आज भी भारतीय इतिहास के छात्रों के लिए सन्दर्भ के रूप में काम आता है। शीघ्र ही पाटलीपुत्र ज्ञान का भी एक केन्द्र बन गया। बाद में, ज्ञान की खोज में कई चीनी यात्री यहाँ आए और उन्होंने भी यहां के बारे में अपने यात्रा-वृतांतों में बहुत कुछ लिखा है। मौर्यों के पश्चात कण्व एवं शुंगो सहीत अनेक शासक आये लेकिन इस नगर का महत्व कम नहीं हुआ। इसके पश्चात नगर पर गुप्त वंश सहित कई राजवंशों का राज रहा। इन राजाओं ने यहीं से भारतीय उपमहाद्वीप पर शासन किया। गुप्त वंश के शासनकाल को प्राचीन भारत का स्वर्ण युग कहा जाता है। पर लगातार होने वाले हुणों के आक्रमण एवं गुप्त साम्राज्य के पतन के बाद इस नगर को वह गौरव नहीं मिल पाया जो एक समय मौर्य वंश या गुप्त वंश के समय प्राप्त था। गुप्त साम्राज्य के पतन के बाद पटना का भविष्य काफी अनिश्चित रहा। 12वीं सदी में बख्तियार खिलजी ने बिहार पर अपना अधिपत्य जमा लिया और कई आध्यात्मिक प्रतिष्ठानों को ध्वस्त कर डाला। इस समय के बाद पटना देश का सांस्कृतिक और राजनीतिक केन्द्र नहीं रहा। मुगलकाल में दिल्ली के सत्ताधारियों ने अपना नियंत्रण यहाँ बनाए रखा। इस काल में सबसे उत्कृष्ट समय तब आया जब शेरशाह सूरी ने नगर को पुनर्जीवित करने की कोशिश की। उसने गंगा के तीर पर एक किला बनाने की सोची। उसका बनाया कोई दुर्ग तो अभी नहीं है, पर अफ़ग़ान शैली में बना एक मस्जिद अभी भी है। मुगल बादशाह अकबर की सेना 1574 ईसवी में अफ़गान सरगना दाउद ख़ान को कुचलने पटना आया। अकबर के राज्य सचिव एवं आइने-अकबरी के लेखक अबुल फ़जल ने इस जगह को कागज, पत्थर तथा शीशे का सम्पन्न औद्योगिक केन्द्र के रूप में वर्णित किया है। पटना राइस के नाम से यूरोप में प्रसिद्ध चावल के विभिन्न नस्लों की गुणवत्ता का उल्लेख भी इन विवरणों में मिलता है। मुगल बादशाह औरंगजेब ने अपने प्रिय पोते मुहम्मद अज़ीम के अनुरोध पर 1704 में, शहर का नाम अजीमाबाद कर दिया, पर इस कालखंड में नाम के अतिरिक्त पटना में कुछ विशेष बदलाव नहीं आया। अज़ीम उस समय पटना का सूबेदार था। मुगल साम्राज्य के पतन के साथ ही पटना बंगाल के नबाबों के शासनाधीन हो गया जिन्होंने इस क्षेत्र पर भारी कर लगाया पर इसे वाणिज्यिक केन्द्र बने रहने की छूट दी। 17वीं शताब्दी में पटना अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का केन्द्र बन गया। अंग्रेज़ों ने 1620 में रेशम तथा कैलिको के व्यापार के लिये यहाँ फैक्ट्री खोली। जल्द ही यह सॉल्ट पीटर के व्यापार का केन्द्र बन गया जिसके कारण फ्रेंच और डच लोग से प्रतिस्पर्धा तेज हुई। बक्सर के निर्णायक युद्ध के बाद नगर इस्ट इंडिया कंपनी के अधीन चला गया और वाणिज्य का केन्द्र बना रहा।

ईसवी सन 1912 में बंगाल विभाजन के बाद, पटना उड़ीसा तथा बिहार की राजधानी बना। आई एफ़ मुन्निंग ने पटना के प्रशासनिक भवनों का निर्माण किया। संग्रहालय, उच्च न्यायालय, विधानसभा भवन इत्यादि बनाने का श्रेय उन्हीं को जाता है।

देश में ऐतिहासिक शहर

पाटलीपुत्र या पटना

पटना भारत में बिहार प्रान्त की राजधानी है। पटना का प्राचीन नाम पाटलिपुत्र था। आधुनिक पटना दुनिया के गिने-चुने उन विशेष प्रचीन नगरों में से एक है जो अति प्राचीन काल से आज तक आबाद है। अपने आप में इस शहर का ऐतिहासिक महत्व है। ईसा पूर्व मेगास्थनीज(350 ईपू-290 ईपू) ने अपने भारत भ्रमण के पश्चात लिखी अपनी पुस्तक इंडिका में इस नगर का उल्लेख किया है। पलिबोथ्रा (पाटलिपुत्र) जो गंगा और अरेन्नोवास (सोनभद्र-हिरण्यवाह) के संगम पर बसा था। उस पुस्तक के आकलनों के हिसाब से प्राचीन पटना (पलिबोथा) 9 मील (14.5 कि.मी.) लम्बा तथा 1.75 मील (2.8 कि.मी.) चौड़ा था। पटना बिहार राज्य की राजधानी है और गंगा नदी के दक्षिणी किनारे पर अवस्थित है। जहां पर गंगा घाघरा, सोन और गंडक जैसी सहायक नदियों से मिलती है। यहां पर पावन गंगा नदी का स्वरुप नदी के जैसा न होकर सागर जैसा विराट दिखता है- अनन्त और अथाह! मन को प्रसन्न कर देनेवाली एक विशाल प्रवाह! सोलह लाख (2011 की जनगणना के मुताबिक 1,683,200) से भी अधिक आबादी वालायह शहर, लगभग 15 कि.मी. लम्बा और 7 किमी चौड़ा है। प्राचीन बौद्ध और जैन तीर्थस्थल वैशाली, राजगीर या राजगृह, नालन्दा, बोधगया और पावापुरी पटना शहर के आस पास ही अवस्थित हैं। पटना सिक्खों के लिये एक अत्यंत ही पवित्र स्थल है। सिक्खों के 10वें तथा अंतिम गुरु गुरू गोबिंद सिंह का जन्म पटना में हीं हुआ था। प्रति वर्ष देश-विदेश से लाखों सिक्ख श्रद्धालु पटना में हरमंदिर साहब के दर्शन करने आते हैं तथा मत्था टेकते हैं। पटना एवं इसके आसपास के प्राचीन भग्नावशेष/खंडहर नगर के ऐतिहासिक गौरव के मौन गवाह हैं तथा नगर की प्राचीन गरिमा को आज भी प्रदर्शित करते हैं। एतिहासिक और प्रशासनिक महत्व के अतिरिक्त, पटना शिक्षा और चिकित्सा का भी एक प्रमुख केंद्र है। दीवालों से घिरा नगर का पुराना क्षेत्र, जिसे पटना सिटी के नाम से जाना जाता है, एक प्रमुख वाणिज्यिक केन्द्र है।

दर्शनीय स्थल

अगम कुआँ

मौर्य वंश के शासक सम्राट अशोक के काल का एक कुआँ गुलज़ारबाग स्टेशन के पास स्थित है। पास ही स्थित एक मन्दिर स्थानीय लोगों के शादी-विवाह का महत्वपूर्ण स्थल है।

कुम्रहार

चंद्रगुप्त मौर्य, बिन्दुसार तथा अशोक कालीन पाटलिपुत्र के भग्नावशेष को देखने के लिए यह सबसे अच्छी जगह है। कुम्रहार परिसर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा संरक्षित तथा संचालित है और सोमवार को छोड़ सप्ताह के हर दिन 10 बजे से 5 बजे तक खुला रहता है।

बेगू हज्जाम की मस्जिद सन् 1489 में बंगाल के शासक अलाउद्दीन शाह द्वारा निर्मित

पत्थर की मस्जिद

जहाँगीर के पुत्र शाह परवेज़ द्वारा 1621 में निर्मित यह छोटी सी मस्जिद अशोक राजपथ पर सुलतानगंज में स्थित है।

शेरशाह की मस्जिद अफगान शैली में बनी यह मस्जिद बिहार के महान शासक शेरशाह सूरी द्वारा 1540-1545 के बीच बनवाई गयी थी। पटना में बनी यह सबसे बड़ी मस्जिद है।

पादरी की हवेली

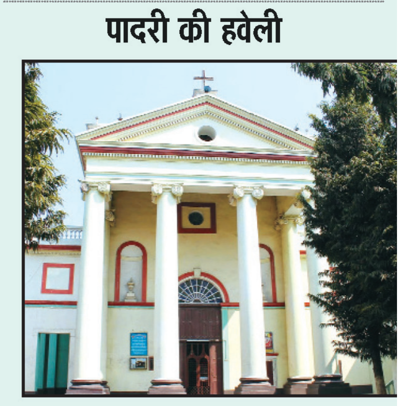

सन 1772 में निर्मित बिहार का प्राचीनतम चर्च बंगाल के नवाब मीर कासिम तथा ब्रिटिस ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच की कड़वाहटों का गवाह है।।

ख़ुदाबख़्श लाईब्रेरी अशोक राजपथ पर स्थित यह राष्ट्रीय पुस्तकालय 1891 में स्थापित हुआ था। यहाँ कुछ अतिदुर्लभ मुगल कालीन पांडुलपियां हैं।

क़िला हाउस (जालान हाउस) दीवान बहादुर राधाकृष्ण जालान द्वारा शेरशाह के किले के अवशेष पर निर्मित इस भवन में हीरे जवाहरात तथा चीनी वस्तुओं का एक निजी संग्रहालय है।

हरमंदिर साहेब

तख्त श्रीहरमंदिर पटना सिखों के दसमें और अंतिम गुरु गोविन्द सिंह की जन्मस्थली है। नवम गुरु श्री तेगबहादुर के पटना में रहने के दौरान गुरु गोविन्दसिंह ने अपने बचपन के कुछ वर्ष पटना सिटी में बिताए थे। बालक गोविन्दराय के बचपन का पंगुरा (पालना), लोहे के चार तीर, तलवार, पादुका तथा हुकुमनामा यहाँ गुरुद्वारे में सुरक्षित है। यह स्थल सिक्खों के लिए अति पवित्र है।

महावीर मन्दिर संकटमोचन रामभक्त हनुमान मन्दिर पटना जंक्शन के ठीक बाहर बना है। न्यू मार्किट में बने मस्जिद के साथ खड़ा यह मन्दिर हिंदु-मुस्लिम एकता का प्रतीक है। गांधी मैदान वर्तमान शहर के मध्यभाग में स्थित यह विशाल मैदान पटना का दिल है। जनसभाओं, सम्मेलनों तथा राजनीतिक रैलियों के अतिरिक्त यह मैदान पुस्तक मेला तथा दैनिक व्यायाम का भी केन्द्र है। इसके चारों ओर अति महत्वपूर्ण सरकारी इमारतें और प्रशासनिक तथा मनोरंजन केंद्र बने हैं। गोलघर 1770 ईस्वी में इस क्षेत्र में आए भयंकर अकाल के बाद अनाज भंडारण के लिए बनाया गया यह गोलाकार ईमारत अपनी खास आकृति के लिए प्रसिद्ध है। 1786 ईस्वी में जॉन गार्स्टिन द्वारा निर्माण के बाद से गोलघर पटना शहर क प्रतीक चिह्न बन गया। दो तरफ बनी सीढ़ियों से ऊपर जाकर पास ही बहनेवाली गंगा और इसके परिवेश का शानदार अवलोकन संभव है।

पटना गंगा के दक्षिणी तट पर स्थित

पटना गंगा के दक्षिणी तट पर स्थित है। गंगा नदी नगर के साथ एक लम्बी तट रेखा बनाती है। पटना का विस्तार उत्तर-दक्षिण की अपेक्षा पूर्व-पश्चिम में बहुत अधिक है। नगर तीन ओर से गंगा, सोन नदी और पुनपुन नदी नदियों से घिरा है। नगर से ठीक उत्तर हाजीपुर के पास गंडक नदी भी गंगा में आ मिलती है। हाल के दिनों में पटना शहर का विस्तार पश्चिम की ओर अधिक हुआ है और यह दानापुर से जा मिला है।महात्मा गांधी सेतु जो कि पटना से हाजीपुर को जोड़ने को लिये गंगा नदी पर उत्तर-दक्षिण की दिशा में बना एक पुल है, दुनिया का सबसे लम्बा सड़क पुल है। दो लेन वाले इस प्रबलित कंक्रीट पुल की लम्बाई 5575 मीटर है।

विधान सभा

गाँधी संग्रहालय गोलघर के सामने बनी बाँकीपुर बालिका उच्च विद्यालय के बगल में महात्मा गाँधी की स्मृतियों से जुड़ी चीजों का नायाब संग्रह देखा जा सकता है। हाल में इसी परिसर में नवस्थापित चाणक्य विधि विश्वविद्यालय का अध्ययन केंद्र भी अवलोकन योग्य है। श्रीकृष्ण विज्ञान केंद्र गाँधी मैदान के पश्चिम भाग में बना विज्ञान परिसर स्कूली शिक्षा में लगे बालकों के लिए ज्ञानवर्धक केंद्र है। पटना संग्रहालय जादूघर के नाम से भी जानेवाले इस म्यूज़ियम में प्राचीन पटना के हिन्दू तथा बौद्ध धर्म की कई निशानियां हैं। लगभग 30 करोड़ वर्ष पुराने पेड़ के तने का फॉसिल यहाँ का विशेष धरोहर है।

सदाक़त आश्रम - देशरत्न राजेन्द्र प्रसाद की कर्मभूमि।

संजय गांधी जैविक उद्यान - राज्यपाल के सरकारी निवास राजभवन के पीछे स्थित जैविक उद्यान शहर का फेफड़ा है। विज्ञानप्रेमियों के लिए यह जन्तु तथा वानस्पतिक गवेषणा का केंद्र है। व्यायाम करनेवालों तथा पिकनिक के लिए यह् पसंदीदा स्थल है।

महावीर मंदिर से पटना शहर का दृश्य: दरभंगा हाउस इसे नवलखा भवन भी कहते हैं। इसका निर्माण दरभंगा के महाराज कामेश्वर सिंह ने करवाया था। गंगा के तट पर अवस्थित इस प्रासाद में पटना विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विभागों का कार्यालय है।

जनसंख्या

पटना की जनसंख्या वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार 16,83,200 है, जो 2001 में 13,76,950 थी। जबकि पटना महानगर की जनसंख्या 2,046,652 है। जनसंख्या का घनत्व 1132 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर तथा स्त्री पुरूष अनुपात है - 882 स्त्री प्रति 1,000 पुरूष। साक्षरता की दर पुरूषों में 87.71त्न तथा स्त्रियों में 81.33 है

जनजीवन एवं महिलाओं की दशा

पटना का मुख्य जनजीवन अंग तथा मिथिला प्रदेशों से काफी प्रभावित है। यह संस्कृति बंगाल से मिलती जुलती है। स्त्रियों का परिवार में सम्मान होता है तथा पारिवारिक निर्णयों में उनकी बात भी सुनी जाती है। यद्यपि स्त्रियां अभी तक घर के कमाऊ सदस्यों में नहीं हैं पर उनकी दशा उत्तर भारत के अन्य क्षेत्रों से अच्छी है। भ्रूण हत्या की खबरें शायद ही सुनी जाती है लेकिन कही कहीं स्त्रियों का शोषण भी होता है। शिक्षा के मामले में स्त्रियों की तुलना में पुरूषों को तरजीह मिलती है।

पर्व-त्योहार

दीवाली, दुर्गापूजा, होली, ईद, क्रिसमस, छठ आदि लोकप्रियतम पर्वो में से है। छठ पर्व पटना ही नही वरन् सारे बिहार का एक प्रमुख पर्व है जो कि सूर्य देव की अराधना के लिए किया जाता है।

इसके अतिरिक्त इन पकवानों का प्रचलन भी काफी है

पुआ - मैदा, दूध, घी, चीनी मधु इत्यादि से बनाया जाता है।

पिट्ठा - चावल के चूर्ण को पिसे हुए चने के साथ या खोवे के साथ तैयार किया जाता है।

तिलकुट - जिसे बौद्ध ग्रंथों में पलाला नाम से वर्णित किया गया है, तिल तथा चीनी गुड़ बनाया जाता है।

चिवड़ा या च्यूरा - चावल को कूट कर या दबा कर पतले तथा चौड़ा कर बनाया जाता है। इसे प्राय: दही या अन्य चाजो के साथ ही परोसा जाता है।

मखाना - (पानी में उगने वाली फली) इसकी खीर काफी पसन्द की जाती है।

सत्तू - भूने हुए चने को पीसने से तैयार किया गया सत्तू, दिनभर की थकान को सहने के लिए सुबह में कई लोगों द्वारा प्रयोग किया जाता है। इसको रोटी के अन्दर भर कर भी प्रयोग किया जाता है जिसे स्थानीय लोग मकुनी रोटी कहते हैं।

लिट्टी-चोखा - लिट्टी जो आंटे के अन्दर सत्तू तथा मसाले डालकर आग पर सेंकने से बनता है, को चोखे के साथ परोसा जाता है। चोखा उबले आलू या बैंगन को गूंथने से तैयार होता है।

कैसे पड़ा पटना शहर का नाम

पटना नाम पटनदेवी (एक हिन्दू देवी) से प्रचलित हुआ है। एक अन्य मत के अनुसार यह नाम संस्कृत के पत्तन से आया है जिसका अर्थ बन्दरगाह होता है। मौर्यकाल के यूनानी इतिहासकार मेगास्थनिज ने इस शहर को पालिबोथरा तथा चीनीयात्री फाहियान ने पालिनफू के नाम से संबोधित किया है। यह ऐतिहासिक नगर पिछली दो सहस्त्राब्दियों में कई नाम पा चुका है - पाटलिग्राम, पाटलिपुत्र, पुष्पपुर, कुसुमपुर, अजीमाबाद और पटना। ऐसा समझा जाता है कि वर्तमान नाम शेरशाह सूरी के समय से प्रचलित हुआ।

यातायात

सड़क परिवहन राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 31 तथा 19 नगर से होकर गुजरता है। राज्य की राजधानी होने से पटना बिहार के सभी प्रमुख शहरों से सड़क मार्ग द्वारा जुड़ा है। बिहार के सभी जिला मुख्यालय तथा झारखंड के कुछ शहरों के लिए नियमित बस-सेवा यहाँ से उपलब्ध है। गंगा नदी पर बने महात्मा गांधी सेतु के द्वारा पटना हाजीपुर से जुड़ा है।

रेल परिवहन

भारतीय रेल के नक्शे पर पटना एक महत्वपूर्ण जंक्शन है। भारतीय रेल द्वारा राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के अतिरिक्त यहाँ से मुम्बई, चेन्नई, कोलकाता, अहमदाबाद, जम्मू, अमृतसर, गुवाहाटी तथा अन्य महत्वपूर्ण शहरों के लिए सीधी ट्रेनें उपलब्ध है। पटना देश के अन्य सभी महत्वपूर्ण शहरों से रेलमार्ग द्वारा जुड़ा है। पटना से जाने वाले रेलवे मार्ग हैं- पटना-मोकामा, पटना-मुगलसराय तथा पटना-गया। यह पूर्व रेलवे के दिल्ली-हावड़ा मुख्य मार्ग पर स्थित है।

स्थानीय परिवहन - पटना शहर का सार्वजनिक यातायात मुख्यतः सिटी बसों, ऑटोरिक्शा और साइकिल रिक्शा पर आश्रित है। लगभग 30 किलोमीटर लंबे और 5 किलोमीटर चौड़े राज्य की राजधानी के यातायात की ज़रुरतें मुख्यरूप से ऑटोरिक्शा (जिसे टेम्पो भी कहा जाता है) ही पूरा करती हैं। स्थानीय भ्रमण हेतु टैक्सी सेवा उपलब्ध है, जो निजी मालिकों द्वारा संचालित मंहगा साधन है। नगर बस सेवा कुछ इलाको के लिए उपलब्ध है पर उनकी सेवा और समयसारणी भरोसे के लायक नहीं है। नगर का मुख्य मार्ग अशोक राजपथ टेम्पो, साइकिल-रिक्शा तथा निजी दोपहिया और चौपहिया वाहनों के कारण हमेशा जाम का शिकार रहता है।

आर्थिक स्थिति

प्राचीन काल में व्यापार का केन्द्र रहे इस शहर में अब निर्यात करने लायक कम उपादान ही बनते हैं, हंलांकि बिहार के अन्य हिस्सों में पटना के पूर्वी पुराने भाग (पटना सिटी) निर्मित माल की मांग होने के कारण कुछ उद्योग धंधे फल फूल रहे हैं। वास्तव मे ब्रिटिश काल मे इस क्षेत्र मे पनपने वाले पारंपरिक उद्योगों का ह्रास हो गया एवं इस प्रदेश को सरकार के द्वारा अनुमन्य फसल ही उगानी पड़ती थी इसका बहुत ही प्रतिकूल प्रभाव इस प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर पड़ा7 आगे चल कर के इस प्रदेश मे होने वाले अनेक विद्रोहों के कारण भी इस प्रदेश की तरफ से सरकारी ध्यान हटता गया एवं इस प्रकार यह क्षेत्र अत्यंत ही पिछड़ता चला गया।

शिक्षा

अनुग्रह नारायण सिँह कालेज पटना का नामी कालेज है। इसने शिक्षा के क्षेत्र मेँ बिहार का नाम विदेशोँ तक मशहुर किया। यह लेख भी देखें - खुदाबक़्श लाइब्रेरी साठ और सत्तर के दशक में अपने गौरवपूर्ण शैक्षणिक दिनों के बाद स्कूली शिक्षा ही अब स्तर की है। प्रायः बिहार बोर्ड तथा सीबीएसई के स्कूल हैं। हाल में ही बिहार कॉलेज ऑफ़ इंज़ीनियरिंग कोएनआईटी का दर्जा मिला है। पटना यूनिवर्सिटी, मगध विश्वविद्यालय तथा नालन्दा ओपेन यूनिवर्सिटी वे तीन विश्वविद्यालय है जिनके शिक्षण संस्थान नगर में स्थित है।हाल ही में पटना में प्रबंधन, सूचना तकनीक, जनसंचार एवं वाणिज्य की पढाई हेतु कैटलिस्ट प्रबंधन एवं आधुनिक वैश्विक उत्कृष्टता संस्थान अर्थात सिमेज कॉलेज की स्थापना की गयी है, जो उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नित नए मानदंड स्थापित कर रहा है।

नवरात्रि में डांडिया उत्सव का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। रविवार को नवरात्रि के छठी पूजा के दिन शहर के मुंगेरीगंज में डांडिया उत्सव का आयोजन किया गया। चित्रांश महिला मंच और डांस बीट अकेडमी के द्वारा आयोजित इस डांडिया उत्सव में शहर के खास और आम लोग शामिल हुए। इन दिनों नवरात्र में डांडिया खेलने का प्रचलन बढ़ा है। खासकर महिलाओं और युवतियों में इस डांडिया उत्सव को लेकर खासा उत्साह देखा गया। दो घंटे के इस कार्यक्रम में लगातार लोग डांडिया के साथ झूमते नाचते रहे।इस कार्यक्रम में शहर की कई जानी मानी हस्ती भी शामिल हुई। जिनमें पूर्व मेयर उपेंद्र प्रसाद सिंह, पूर्व विधायक अमिता भूषण, उपमेयर अनीता राय, सेंट्रल कोआपरेटिव बैंक के डिप्टी चौयरमेन कमल सिंह, पूर्व मेयर आलोक कुमार अग्रवाल, आर्यभट्ट के निदेशक अशोक कुमार सिंह अमर, संगीता किशोरी मिश्रा, शिक्षिका मीनाक्षी सिंह, चिकित्सक व डेंटिस्ट आशीष सुमन और ड. रजनी वर्णवाल सहित अन्य लोग शामिल थे। कार्यक्रम का उद्घाटन माँ दुर्गा की स्तुति और दीप प्रज्वलन से की गई। जहाँ आयोजक मण्डल की महिला सदस्य व गणमान्य द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। उसके बाद डांस बीट अकेडमी के बच्चों के द्वारा माँ दुर्गा के भजन पर नृत्य प्रस्तुति की गई। मौके पर पूर्व मेयर ने कहा की इस बेहतरीन कार्यक्रम के लिए माँ शक्ति का आशीर्वाद और शुभकामना दी है। वहीं पूर्व विधायक अमिता भूषण ने भी खुद डांडिया खेला। उन्होंने कहा की ऐसे आयोजन से समाज में आपसी सौहार्द बढ़ता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में चित्रांश महिला मंच की पूनम शेखर, समीर शेखर, किरण वर्मा, संजीत श्रीवास्तव के अलावा सारिका भास्कर, भास्कर सिन्हा, अमन वर्मा, आदि उपस्थित थे। सारिका भैरवी भास्कर, प्रीति स्वराज, मीनाक्षी सिंह, रजनी सिन्हा, प्रीति सिन्हा, मोना सिन्हा, नीलू कुमारी, नीलू सिन्हा, सुमन कुमारी, शुभ्रा सिन्हा, अमोद सिन्हा, सुशील सिन्हा व अन्य उपस्थित थे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने निकाला पथ संचलन

भगवानपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भगवानपुर प्रखंड ईकाई के द्वारा रविवार को अपने शताब्दी वर्ष के अवसर पर खंड कार्यवाहक विरेन्द्र पंडित के नेतृत्व में पथ संचरण निकाला। जो प्रखंड बाजार स्थित ब्रह्म स्थान चौती दुर्गा मंदिर के प्रांगण से निकल कर भगवानपुर बाजार होते हुए दहिया गांव तक गया फिर वहां से वापस होकर मेंहदौली गांव तक गया। फिर वहां से वापस लौट कर पुनः ब्रह्म स्थान चौती दुर्गा मंदिर प्रांगण पहुंचा। जहां बौद्धिक चर्चाएं की गई। जिसमें संघ के शताब्दी वर्ष मनाते हुए उसके इतिहास से लेकर वर्तमान तक उसकी सेवाओं की बौधिक चर्चा की गई। बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जो शून्य से आरंभ होकर इन सौ वर्षों में 75 हजार शाखाएं तक पहुंची है। इस बीच सेवा के क्षेत्र में सेवा भारती,विद्या के क्षेत्र में विद्या भारती, वनवासी के क्षेत्र में वनवासी कल्याण आश्रम, विश्व हिंदू परिषद, बंजर दल सहित दर्जनों आनुषंगिक संगठन की स्थापना कर समाज की सेवा में अपनी महती भूमिका निभाई। जिससे देश दुनियां में विकास का प्रचम लहरा रहा है। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने संघ के कार्यकर्ताओं द्वारा अपने देश हित में निःस्वार्थ भाव से समर्पण को दर्शाते हुए आगे भी सेवा समर्पण का संकल्प लिया।उक्त अवसर पर बौद्धिक कर्ता के रूप में तेघड़ा नगर के बौद्धिक प्रमुख अरविंद झा, जिला के शारीरिक प्रमुख मुकेश कुमार, शशिभूषण कुमार, अरविंद चौधरी, अवकाश प्राप्त शिक्षक सह संघ के पुराने कार्यकर्ता हरिश्चंद्र महतो सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एक नजर

संदेश के धर्मपुर में होगा देवी जागरण

संदेश/भोजपुर (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। संदेश थाना क्षेत्र में मां दुर्गा का पूजा भव्य तरीके से आयोजित किया जा रहा है। पट खुलते ही चारो तरफ भक्तिगीत से सराबोर हो गया है। वही धर्मपुर गांव में मां दुर्गा पूजा समिति ने राहुल कुमार की अध्यक्षता में भव्य दुर्गा मूर्ति पूजा का आयोजन किया जा रहा है। सोमवार को शरद नवरात्रि के दिन मां का सातवां रूप कालरात्रि एवं अष्टमी तिथि के दिन महागौरी मां दुर्गा की जा रही है। पूजा समिति के संचालक राजीव कुमार सिंह ने बताया कि आज सातवां दिन हमारे पूजा पंडाल में देवी जागरण है। अष्टमी के दिन दुगोला महामुकाबला में दो टीम आ रही है। जिसमें तेरे नाम बनाम सुजीत स्नेही एवं नवमी, दशमी के दिन नाटक का मंचन किया जायेगा।

संदेश थाना में शांति समिति की बैठक

संदेश/भोजपुर (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। संदेश थाना परिसर में दुर्गा पूजा के लेकर शांति समिति की बैठक सोमवार को हुआ। जिसकी अध्यक्षता थानाध्यक्ष संजीव कुमार ने किया। इस बैठक में थाना क्षेत्र के विभिन्न पंचायत के प्रतिनिधि एवं प्रबुद्ध लोग शामिल हुए। जिसमें अंचलाधिकारी अरुण कुमार सिंह, प्रखंड विकाश पदाधिकारी चंदन कुमार भी उपस्थित थे। बैठक के दौरान थानाध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि दुर्गा पूजा थाना क्षेत्र में 19 जगहों पर हो रहा है। किसी भी पंडाल में एवं मूर्ति विसर्जन के दौरान गड़बड़ियां पाई गई। उसके ऊपर विधिशमत प्रशानिक करवाई की जाएगी।

महिला की संदिग्ध मौत

भगवानपुर (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। थाना क्षेत्र के कीरतपुर पंचायत के बड़ी आकहा गांव स्थित वार्ड संख्या 2 से पुलिस ने एक शव को बरामद किया है,जिसकी मौत संदेहात्मक है। मृतिका की पहचान उक्त गांव निवासी धीरज महतो की लगभग 32 वर्षीया पत्नी प्रियंका कुमारी के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही भगवानपुर की पुलिस घटनास्थल पर गई तथा शव को कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण हेतु बेगूसराय भेज दिया है। उक्त मामले में गांव में जितनी मुंह उतनी बातें हो रही है। कोई कहता है कि इसे जहर देकर मारा गया है तो कोई कहता है कि इसे पीट पीट कर मार डाला गया है लेकिन सच्चाई क्या है वह तो पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगा। फिलहाल मृतिका की सास घटना के बाद से फरार बताया जा रहा है। घटना बीती रात की बताई जा रही है। मृतिका को चार छोटे छोटे बच्चे हैं जिसमें दो पुत्र व दो पुत्रियां है।

भूमि विवाद में जमकर मारपीट

गढहरा (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। थाना क्षेत्र के राजवाड़ा पंचायत निवासी शत्रुघ्न सिंह ने थाना में आवेदन देकर प्राथमिक की दर्ज कराई है। घटना के संबंध में शत्रुघ्न सिंह ने बताया कि सीओ के आदेश से अंचल अमीन के द्वारा मेरे निजी जमीन की नापी चल रही थी। जिसमें जमीन के सभी चौहद्दीदार उपस्थित थे। उसी समय राजीव कुमार अपने सगे संबंधी एवं दोस्तों के साथ एक राय बनाकर घटना स्थल पर पहुंचे। पहुंचते ही मेरा नाम लेकर मुझे गंदी-गंदी गाली देने लगे। मैं जब विरोध जताया तो मेरे साथ मारपीट करने लगे। जिसमें मैं, मेरा पुत्र, भतीजा यह सभी घायल हो गया। मैंने इस संबंध में थाना को सूचना देकर कार्यवाही हेतु आवेदन दिया है ।इधर इस संबंध में गढहरा थानाध्यक्ष गौतम कुमार से बातचीत करने पर बताया कि उक्त जमीन पर दो पक्षों में मारपीट हुई है। जिसमें दोनों पक्ष द्वारा आवेदन दिया गया है। प्राथमिक की दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

हथियार के साथ युवक गिरफ्तार

बलिया (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। शनिवार की शाम पुलिस ने एक देसी कट्टा एवं पांच जिंदा कारतूस के साथ एक अपराधी को गिरफ्तार किया गया है। जिसके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर रविवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष विकास कुमार राय ने बताया कि वाहन चेकिंग के दौरान गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति नगर परिषद क्षेत्र के जानीपुर नवटोलिया में हथियार लिये हुये है। जो किसी अपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहा है। जिस सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुये पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल के द्वारा सूचना अनुसार जानीपुर नवटोलिया गांव पहुंचा। जहां पुलिस की गाड़ी देखकर तीन लोग भागने लगे। जिसे पुलिस टीम के द्वारा खदेड़ कर पकड़ा गया। पूछताछ के क्रम में छोटी बलिया निवासी मो कोरैश के पुत्र मो बिलाल के रूप में पहचान की गयी। जिसकी विधिवत तलाशी लेने पर उसके पास से एक अवैध देसी कट्टा एवं पांच जिंदा कारतूस के साथ दो मोबाइल भी बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि अन्य दो युवक से पूछताछ के बाद निरुद्ध किया गया।

विधानसभा चुनाव को लेकर बूथ सशक्तिकरण और जनसंपर्क अभियान पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर दरभंगा लोकसभा क्षेत्र के पार्टी पदाधिकारी की बैठक दरभंगा पूर्वी के जिलाध्यक्ष विनय पासवान की अध्यक्षता मे संपन्न हुई। बैठक को मुख्य रुप से दरभंगा लोकसभा के प्रभारी सह उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री उपेंद्र तिवारी ने सम्बोधित किया। बैठक में विधानसभावार संगठन की मजबूती, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रियता और प्रवासी कार्यकर्ताओं की भूमिका पर विशेष चर्चा हुई। बैठक को संबोधित करते हुए उपेंद्र तिवारी ने कहा कि प्रवासी कार्यकर्ताओं ने हर चुनाव में भाजपा व एनडीए को मजबूती दी है और इस बार भी उनकी सक्रिय भागीदारी से पार्टी को ऐतिहासिक सफलता मिलेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सुशासन को घर-घर तक पहुँचाएँ। उन्होंने कहा की घर-घर जनसंपर्क अभियान चलाकर केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुँचाया जाएगा। सोशल मीडिया अभियान के ज़रिए युवाओं तक प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की योजनाएँ पहुँचाई जाएँगी। युवा और महिला कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी से संगठन को नई ऊर्जा दी जाएगी। बूथ स्तर पर संगठन को और सशक्त बनाने के लिए कार्ययोजना बनाई जाएगी। बैठक में उपस्थित सभी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि आगामी विधानसभा चुनाव में दरभंगा सहित पूरे बिहार में एनडीए की प्रचंड जीत सुनिश्चित की जाएगी। बैठक का संचालन दरभंगा पश्चिमी जिला अध्यक्ष प्रो0 आदित्य नारायण मन्ना जबकि धन्यवाद ज्ञापन जिला के महामंत्री संतोष पोद्दार ने किया। इस अवसर पर बिहार सरकार के मंत्री संजय सरावगी, मंत्री हरि सहनी, दरभंगा सांसद गोपाल जी ठाकुर, राज्यसभा सांसद धर्मशीला गुप्ता, पूर्व विधायक अमरनाथ गामी, पूर्व जिला अध्यक्ष जीवछ सहनी सहित जिला के पदाधिकारी, विधानसभा प्रभारी, विधानसभा संयोजक, विभिन्न मोर्चों के अध्यक्ष एवं प्रकोष्ठों के संयोजक उपस्थित थे।

बड़हरा पुलिस ने 15 लाख की विदेशी शराब समेत दो नावों को पकड़ा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

आरा। भोजपुर जिले के बड़हरा पुलिस ने दुर्गा पूजा के पहले एकवना गंगा नदी से 1293.6 लीटर विदेशी शराब पकड़ा है। शराब की बड़ी खेप दुर्गा पूजा, दिवाली में बेचने के लिए जलमार्ग के सुरक्षित रास्ते से मंगाया गया था। पुलिस ने उनके मंसूबे पर पानी फ़ेर दिया। पकड़े गये शराब की किम्मत करीब 15 लाख से अधिक की आंकी जा रही है। पुलिस ने शराब तस्करी में शामिल लोहे व लकड़ी का बना दो नाव और मोटर जब्त किया है। जिसपर शराब लदा हुआ था। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि उतर प्रदेश से जलमार्ग द्वारा बड़हरा थाना क्षेत्र से होकर दूसरे जिला में जाने वाला है। पुलिस ने नाव के टोह में सूचना के बाद गंगा नदी किनारे प्राइवेट नाव से गश्ती बढ़ा दिया। रविवार देर शाम एकवना गांव के समीप तीमुहान पर झलास के बीच में एक नाव छुपा हुआ देखा गया। जब पुलिस पहुची शराब से भरी नाव थी। तस्कर फरार थे। पुलिस ने नाव को पकड़कर सुरक्षित जगह पर लाया। जब शराब की गिनती करने लगी। उसमे विभिन्न ब्रांडो का कार्टन था। जिसमें आफ्टर डार्क ब्लू 180 एमएल के 768 पीस टेट्रापैक, 8 पीएम के 5712 पीस टेट्रापैक, आरएस 750 एमएल के 71 बोतल, आरएस 375 एमएल के 46 बोतल विदेशी शराब था। पुलिस ने दो नाव और शराब को जब्त कर दिया। एफआईआर दर्ज कर तस्कर की तलाश में जुट गई है। सह प्रभारी थानाध्यक्ष बबलु कुमार ने बताया कि शराब की खेप उतर प्रदेश से लाया गया था। प्राइवेट नाव के सहयोग से पकड़ा गया।

उड़ान स्कूल में गांधी जयंती पर पौधारोपण : बेगूसराय नगर। शहर के उड़ान इंटरनेशनल स्कूल में महात्मा गांधी की जयंती पर भारत सरकार के स्वच्छता ही सेवा के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के सदस्यगण शिक्षकगण, छात्र-छात्राएँ और कर्मचारीगण पूरे उत्साह और जिम्मेदारी के साथ सम्मिलित हुए।कार्यक्रम की शुरुआत एक दिन, एक घंटा, एक सेवा के संकल्प के साथ हुई।

महिलाओं को मिली 10 हजार की सहायता राशि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ाया गया है। इसी कड़ी में शिवाजीनगर प्रखंड के शंकरपुर पंचायत स्थित नवकाटोल मेघुलिया गांव में एक भव्य धन्यवाद ज्ञापन समारोह का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार सृजन योजना' से लाभान्वित महिलाओं को सम्मानित करना और सरकार की इस पहल के लिए प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को धन्यवाद देना रहा महिलाओं को मिला आर्थिक सहारा समारोह में लाभार्थी महिलाओं को 10 हजार रुपये की सहायता राशि वितरित की गई। इस राशि से महिलाएं छोटे स्तर पर व्यवसाय, सिलाई-कढ़ाई, पशुपालन और अन्य स्वरोजगार शुरू कर सकेंगी। कई लाभार्थी महिलाओं ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह राशि उनके जीवन में नई दिशा और बदलाव लाएगी कार्यक्रम में नेताओं का संबोध मुख्य अतिथि रोसड़ा विधायक बीरेन्द्र कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। यह योजना न सिर्फ आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम है बल्कि महिलाओं को समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष संतोष कुमार बबली ने की, जबकि संचालन आईटी सेल सह मीडिया संयोजक नवीन कुमार सिंह ने किया। उपस्थित गणमान्य इस अवसर पर महिला मोर्चा अध्यक्ष नीलम कुमारी, युवा महामंत्री शिवशंकर सिन्हा, गंगा प्रसाद मंडल, पवन कुमार सिंह, विकास कुमार, नितेंद्र कुमार, रमन कुमार, चंदन, संगीता कुमारी, कमली देवी, राधा देवी, शिवदुलारी देवी, सीताराम, शंभु समेत बड़ी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता एवं ग्रामीण जनता मौजूद रहे महिलाओं ने जताया आभार सहायता राशि पाकर महिलाओं ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस राशि से वे अब अपने पैरों पर खड़ी हो सकेंगी और परिवार की आय में योगदान देकर समाज में अपनी पहचान बना सकेंगी इस कार्यक्रम ने ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं में आत्मविश्वास और उत्साह का संचार किया तथा यह संदेश दिया कि सरकार की योजनाएं अब सीधे तौर पर अंतिम पायदान तक पहुंच रही हैं।

पेज 1 का शेष

बिहार में एक लाख करोड़...

श्री वैष्णव ने कहा कि 28 किलोमीटर लंबा पटना रेल-सह-सड़क पुल, 15 किलोमीटर लंबा मुंगेर रेल-सह-सड़क पुल और लंबे समय से प्रतीक्षित कोसी पुल का निर्माण पूरा हो चुका है। रेल मंत्री ने कहा कि पटना रेल-सह-सड़क पुल, मुंगेर रेल-सह-सड़क पुल, कोसी पुल, दनियावां-बिहारशरीफ नई लाइन, चांदन-बांका नई लाइन, रामपुरहाट-मंदारहिल नई लाइन, महाराजगंज-मसरख नई लाइन, राजगीर-तिलैया और नटेसर-इस्लामपुर नई लाइन, मानसी-सहरसा-पूर्णिया आमान परिवर्तन, जयनगर-नरकटियागंज आमान परिवर्तन, कप्तानगंज-छपरा आमान परिवर्तन, सकरी-निर्मली एवं सहरसा-फारबिसगंज आमान परिवर्तन, मानसी-सहरसा-सहरसा-पूर्णिया एवं बनमनखी-बिहारीगंज आमान परिवर्तन, साहिबगंज-पीरपैंती दोहरीकरण, महेशखुट-थानाबिहपुर दोहरीकरण, हाजीपुर-रामदयालु नगर दोहरीकरण, पीरपैंती-भागलपुर दोहरीकरण, बख्तियारपुर-बाढ़ दोहरीकरण, किउल-गया दोहरीकरण, हाजीपुर-बछवाड़ा दोहरीकरण एवं दरभंगा बाईपास वर्ष 2014 से पूर्णतः चालू है। इसके अतिरिक्त, अररिया-गलगलिया (ठाकुरगंज) नई लाइन का काम पूरा हो चुका है और इसका शीघ्र ही उद्घाटन किया जाएगा। इसके अलवा सकरी-हसनपुर, खगड़िया-कुशेश्वरस्थान, कुरसेला-बिहारीगंज, तिलैया-कोडरमा, हाजीपुर-सुगौली, सीतामढी-शिवहर, छपरा-मुजफ्फरपुर, अररिया-सुपौल, विक्रमशिला-कटरिया (गंगा पुल सहित), झाझा-बटिया, पीरपैंती-जसीडीह, छितौतिनी-तुमकुई रोड, जलालगरनी-किशनगंज, जोगबनी-विराटनगर, औरंगाबाद टर्मिनल-अनुग्रह नारायण रोड, जयनगर-बिजलपुरा, धनबाद-सोननगर आदि नई लाइनों का क्रियान्वयन तथा समस्तीपुर-दरभंगा, सुगौली-वाल्मीकिनगर, मुजफ्फरपुर-सुगौली, नरकटियागंज-दरभंगा-सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर, छपरा-बलिया, कटिहार-कुमेदपुर, बरौनी-बछवारा (तीसरी और चौथी लाइन), सोननगर-अंडाल (तीसरी और चौथी लाइन), पुनारख-बक्तियारपुर (तीसरी और चौथी लाइन)आदि का तीसरी/चौथी लाइन का दोहरीकरण कार्य जारी है। केंद्रीय मंत्री श्री वैष्णव ने कहा कि कई अन्य परियोजनाओं पर काम चल रहा है और अतिरिक्त परियोजनाओं की योजना बनाई जा रही है। वर्तमान में, बिहार में 13 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें यानी 26 सेवाएं चल रही हैं, जो 25 जिलों के 42 स्टॉप को कवर करती हैं। इसके अलावा, वंदे भारत सेवा की 10 जोड़ी ट्रेनें (20 सेवाएं) 28 जिलों को कवर करती हैं। राज्य में नमो भारत रैपिड रेल सेवाएं भी चल रही हैं। बिहार से चलने वाली ये नई ट्रेनें राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में यात्रा को और अधिक सुविधाजनक बनाएंगी और आर्थिक एवं सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देंगी। इन ट्रेनों का उद्देश्य न केवल बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करना है, बल्कि यात्रियों को सुरक्षित, तेज और आरामदायक यात्रा भी प्रदान करना है।

विकास कार्यों को ...

औषधि भंडार गृह एवं स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण से संबंधित 1121 करोड़ रुपये की लागत की 281 योजनाओं का शिलान्यास व कार्यारंभ एवं 272 करोड़ की लागत की 144 योजनाओं का उद्घाटन किया गया। इसके अलावा पर्यटन विभाग के अंतर्गत 497 करोड़ की लागत से पर्यटन के विकास से संबंधित 17 विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास किया गया। इसके साथ ही, लघु जल संसाधन विभाग के तहत मुख्यमंत्री निजी नलकूप योजना के 13,716 लाभार्थियों के खाते में 81 करोड़ 29 लाख रुपये का डीबीटी के माध्यम से अंतरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के शिलान्यास, कार्यारंभ एवं उद्घाटन कार्य के लिए सभी संबद्ध विभाग को बधाई देता हूं। इन योजनाओं के शुरू होने से राज्य में विकास कार्यों को नयी गति और दिशा मिलेगी। इसका प्रत्यक्ष लाभ लोगों को मिलेगा, जिससे उनका जीवन-स्तर और बेहतर होगा।

पड़रिया में शिशिर हीरो शो-रूम का उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

आरा। भोजपुर जिले के बड़हरा प्रखंड मुख्यालय के समीप पड़रिया में शिशिर राज हीरो शो-रुम सरैंया का नया ब्रांच सोमवार को खुला। उद्घाटन एमएलसी राधाचरण साह उर्फ सेठ जी ने की। उद्घाटन के बाद ग्राहकों ने 9 बाइक खरीदा जिसमें एचएफ डिलक्स 2, स्प्लेंडर 4 और ग्लैमर 3 शामिल है। इस दौरान एमएलसी जीवन कुमार, एमएलसी राधाचरण साह ने ग्राहकों को बाइक का चाभी, चांदी का सिक्सा और हेलमेट देकर उत्साहवर्धन किया। हीरो का यह ब्रांच बड़हरा थाना से 200 मीटर उत्तर में खुला है। ग्राहकों की सुविधा के लिए लोन मेला काउंटर भी लगा था। नये जीएसटी टैक्स के अनुसार प्रोपराइटर द्वारा पहले से कम दाम पर बाइक ग्राहकों को उपलब्ध कराया गया। जहां विभिन्न मॉडल के बाइक उपलब्ध है। ग्राहकों की अच्छी भीड़ देखने को मिला। शो-रुम द्वारा दशहरा, दीपावली, भैया दूज, गोवर्धन पूजा और धनतेरस पर विशेष ऑफर देने का ऐलान किया है। बड़हरा व कोईलवर क्षेत्र के लिए हीरो बाइक खरीदने में आसानी होगी। सरैया के शो-रूम में भी विशेष ऑफर हैं। इस मौके पर एमएलसी राधाचरण साह ने कहा कि व्यवसाय कुशल व्यवहार पर निर्भर करता है। इस मौके पर भाई बरमेश्वर, महेंद्र सिंह, हाकीम प्रसाद, शत्रुघ्न प्रसाद, कमलेश सिंह, विजय सिंह, सत्येंद्र सिंह, संजीव सिंह, संजय सिंह, रविंद्र राय उर्फ पंडित समेत तीन दर्जन से अधिक लोग थे।

सांसद गोपाल जी ठाकुर बने प्रदेश चुनाव अभियान समिति के सदस्य

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

दरभंगा। बिहार प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल द्वारा दरभंगा के सांसद डॉक्टर गोपाल जी ठाकुर, मधुबनी के सांसद डॉक्टर अशोक यादव, राज्यसभा की सांसद डॉक्टर धर्मशिला गुप्ता एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र चौपाल जी को प्रदेश चुनाव अभियान समिति का सदस्य बनने पर जिला भाजपा के कार्यकर्ताओं ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उक्त जानकारी देते हुए जिला अध्यक्ष आदित्य नारायण मन्ना ने बताया कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर बिहार प्रदेश भाजपा द्वारा गठित चुनाव अभियान समिति में दरभंगा एवं मिथिला क्षेत्र के सम्मानित जनप्रतिनिधियों को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा की जिला भाजपा, दरभंगा परिवार इनके इस मनोनयन पर हर्ष व्यक्त करते हुए प्रदेश नेतृत्व को धन्यवाद ज्ञापित करता है तथा आशा करता है कि इनके अनुभव और मार्गदर्शन से आगामी विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को ऐतिहासिक सफलता प्राप्त होगी। इस अवसर पर जिला महामंत्री संतोष पोद्दार,विजय चौधरी सुजीत मल्लिक, जिला उपाध्यक्ष राजेश रंजन, अभयानंद झा राजू तिवारी, सोनी पूर्व, संगीता शाह, विकास चौधरी, श्रवण कुमार मिश्रा, सुनील चौधरी, जिला मंत्री राहुल पासवान, बालेंदु झा, मीरा मेहता, पिंटू महासेठ, जिला मीडिया प्रभारी मुकुंद चौधरी सहित अनेकों कार्यकर्ताओं ने बधाई दी।

अनुदान के बदले वेतनमान देकर समस्या का हो निदान

दरभंगा (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के सीनेट सदस्य डॉ राम सुभग चौधरी ने वित्तरहित महाविद्यालय के समस्या के निदान हेतु मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा है कि वित्तरहित महाविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मी को अनुदान देने के पहल नीतीश कुमार द्वारा ही किया गया था जिसके फलस्वरूप वित्तरहित महाविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मी को राहत मिली। इसके पूर्व एवं अभी तक पूर्ण वेतन के अभाव में अनेकों शिक्षक एवं कर्मी अपनी दयनीय स्थिति के कारण काल के गाल में समा गए। मुख्यमंत्री के द्वारा बिहार में अनेकों विभाग में वेतन आदि पद में किए गए एवं किए जा रहे सुधार के बाद वित्तरहित महाविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मी में आशा का संचार हुआ है।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने किया भोग प्रसाद ग्रहण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। गर्दनीबाग ठाकुरबारी में सोमवार को नवरात्र के दौरान माहासप्तमी के दिन विधिवत पूजा संपन्न हुई। भक्तों एवं गणमान्य व्यक्तियों के बीच भोग प्रसाद का वितरण किया गया। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री भिखू भाई दलसानिया, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष एवं गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी प्रबंध न्यास समिति के अध्यक्ष प्रो रणबीर नंदन सहित सैकड़ो की संख्या में लोगों ने भोग प्रसाद ग्रहण किया। इससे पूर्व भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री भिखू भाई दलसानिया ने पूरे विधि विधान से मां दुर्गा की आरती एवं पूजा अर्चना की और सोमवार के दिन ठाकुरबाड़ी स्थित शिव शक्ति मंदिर में रुद्राभिषेक किया। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश के संगठन महामंत्री भिखू भाई दलसानिया ने बिहार के समृद्धि एवं विकास की माता से कामना की और बिहार को अपराध मुक्त एवं भ्रष्टाचार मुक्त बनाने का भाजपा का संकल्प दोहराया। इस मौके पर बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष एवं गर्दनीबाग ठाकुरबारी प्रबंध न्यास समिति के अध्यक्ष डॉ रणवीर नंदन ने गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी के तरफ से आगत अतिथियों का माता का चुनरी देकर स्वागत किया। इस मौके उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री भिखू भाई दलसानिया एवं बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष प्रो रणबीर नंदन ने मां दुर्गा दरवार में वस्त्र, अर्पण कर आरती एवं पुष्पांजलि सम्पन्न किया। इस मौके पर ठाकुरबाड़ी के पुजारी के अलावा, अभिषेक सिन्हा, अमन सिन्हा, राजू चंद्रवंशी, विक्की निषाद सहित सैकड़ो की संख्या में लोगों ने माता का भोग प्रसाद ग्रहण कर पूजा अर्चना की।

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के कुलपति को अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. दिनेश चंद्र राय को प्रतिष्ठित 'अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार 2025' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान दिया गया। यह सम्मेलन 'अंतर्राष्ट्रीय सूचना का अधिकार दिवस पर सूचना के अधिकार से संबंधित एकमात्र संस्थान आरटीआई इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वार 'डिजिटल युग में पर्यावरणीय सूचना तक पहुंच सुनिश्चित करना' विषय पर आयोजित किया गया था। कुलपति प्रो. राय को यह पुरस्कार वरिष्ठ पत्रकार और संपादक, पद्मभूषण रामबहादुर राय के हाथों प्रदान किया गया। यह पुरस्कार उच्च शिक्षा में उनके असाधारण योगदान, उनके शैक्षणिक और अनुसंधान कार्यों के साथ-साथ उनके प्रशासनिक नेतृत्व के लिए दिया गया है, जिसने बिहार विश्वविद्यालय में सकारात्मक बदलाव लाए हैं। पुरस्कार ग्रहण करने के बाद, प्रो. दिनेश चंद्र राय ने कहा कि, डिजिटल युग में सूचना तक पहुंच सुनिश्चित करना न केवल एक संवैधानिक अधिकार है, बल्कि यह एक सामाजिक जिम्मेदारी भी है। आज के समय में, जब पर्यावरण संबंधी चुनौतियाँ बढ़ती जा रही हैं, तो यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि हम लोगों को सही और पारदर्शी जानकारी उपलब्ध कराएं। प्रो. राय ने आरटीआई इंस्टीट्यूट के इस महत्वपूर्ण विषय पर सम्मेलन आयोजित करने की पहल की सराहना की।

संक्षिप्त समाचार

दशहारा पूजा को लेकर शहर में निकला फ्लैग मार्च, शांति बनाये रखने की अपील

बनकटवा (पूर्वी चंपारण) नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। दशहारा पूजा को शांति पूर्वक सम्पन्न कराने के लिए प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है. एक तरफ गांव में रविवार शाम फ्लैग मार्च निकाला गया, जीतना थाना अध्यक्ष सुधीर कुमार ने बताया कि फ्लैग मार्च जीतना थाना से निकल बनकटवा, झझरा, बीजबनी, कोइरगावा होते हुए जीतना थाना तक आई, उन्होंने आमलोगों से अपील की कि दशहारा त्योहार आपसी सौहार्द व शांति पूर्वक ढंग से मनाये. यह मां दुर्गा के आराधना का त्योहार है. प्रशासन द्वारा यातायात से लेकर शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए कुछ प्लान जारी किया है. उसपर हरसंभव अमल करना है. उन्होंने पुजा समितियों से कहा कि पंडाल में सीसीटीवी कैमरा अवश्य लगाये. समिति के वोलेंटियर को भी सुरक्षा की जिम्मेवारी दे. पुलिस के साथ समिति के वोलेंटियर भी सुरक्षा में रहने चाहिए. पंडला में आने-जाने का मार्ग सुगम बनाये. ताकि श्रद्धालुओं को कोई परेशानी नहीं हो. अग्निशामक यत्र भी पंडाल में लगाना अनिवार्य है।

शराब के साथ एक तस्कर सहित दो पियक्कड़ गिरफ्तार

बनकटवा (पूर्वी चंपारण)/ नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जितना पुलिस ने सोमवार को अलग अलग जगहों से एकासी लीटर नेपाली शराब के साथ एक तस्कर सहित दो पियक्कड़ को गिरफ्तार किया है।जितना थाना अध्यक्ष सुधीर कुमार ने बताया कि घोड़ासहन थाना क्षेत्र के निमोईया गांव निवासी बलिंदर पासवान पिता जीतन पासवान,जितना थाना क्षेत्र के बनकटवा गांव निवासी रामबाबू राम पिता रामाधार राम, अजूब मियां पिता वकील मियां को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

नवरात्र के सातवें रोज माता का पट खुला

आदापुर (पूर्वी चम्पारण) /नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शारदीय नवरात्र के सातवें दिन मां भगवती के आसन्न को लाने के लिए पुजा समिति के सदस्यों पारम्परिक तौर तरीके से डोली निकाली गई, मां भवानी की सजी पालकी को श्याम पुर बाजार के विभिन्न चौंक चौराहों से गुजरते हुए उक्त स्थल पर पहुंचा गया, जहां बाजे गाजे,ढोल तासे की मनमोहक मां की भजन, भक्त जनों की जयकारा से अभिभूत हुए,उदघोष से भक्तिमय वातावरण बना रहा,बेल पूजन के बाद मंत्रोच्चार होकर मां के दरबार पहुंचा वहां भी पंडित रामनिवास पाठक ने विधिवत रूप से पूजा अर्चना कर माता की पट खोला गया, समिति के द्वारा पूजा पंडालों को विधिवत रूप से सजाया गया है जो देखने लायक है,इस अवसर पर पूजा समिति के शनि कुमार पटेल,बीर बहादुर प्रसाद,मोनू कुमार,विकी कुमार, विवेक ठाकुर, दिनेश पडित, सहित अन्य भक्त गण उपस्थित थे।

पास्को एक्ट के आरोपित को दिल्ली पुलिस ने किया गिरफ्तार

नरकटियागंज/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। दिल्ली पुलिस ने शिकारपूर थाना क्षेत्र के दुर्गवलिया गांव में छापेमारी कर पास्को एक्ट के एक आरोपित को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार आरोपित की पहचान दुर्गवलिया गांव निवासी नीतीश पटेल के रूप में हुई है।प्रभारी थानाध्यक्ष मिथलेश कुमार ने बताया कि दिल्ली पुलिस आरोपित को पकड़ने आयी थी।दिल्ली पुलिस को सहयोग कर आरोपित को गिरफ्तार किया गया है।उन्होने बताया कि आरोपित पर नाबालिग अपहरण का आरोप है।उंन्होने बताया कि गिरफ्तार आरोपित युवक को दिल्ली पुलिस के हवाले कर दिया गया है।न्यायालय में पेशी के बाद दिल्ली पुलिस उसे साथ ले गयी है।

पुलिस से दुर्व्यवहार का आरोपित धराया, जेल

नरकटियागंज/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शिकारपुर पुलिस ने थाना क्षेत्र के फुलवरिया गांव में छापेमारी कर पुलिस से दुर्व्यवहार मामले के एक आरोपित को गिरफ्तार किया है।धराए आरोपित की पहचान जहरुन गद्दी के रूप में हुई है।प्रभारी थानाध्यक्ष मिथलेश कुमार ने बताया कि विते अप्रैल माह में पचमवा चौक पर ट्रैक्टर से कुचलकर एक स्कूली छात्र की मौत हुई थी।ग्रामीणों ने ट्रैक्टर चालक व उसके खलासी को बंधक बना लिया था।उन्हें पुलिस जब छुड़ाने पहुंची तब पुलिस से दुर्व्यवहार किया गया मामले में जहरुन गद्दी को आरोपित किया गया है।रविवार को गुप्त सूचना पर उसे गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपित को सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पट खुलते ही उमड़ा श्रद्धालूओं का जनसैलाब

बेतिया/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शारदीय नवरात्र के सप्तमी को मां दुर्गा के पट खुलते ही सोमवार को विभिन्न मंदिरों व पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। नगर के बेलबाग बंगाली कॉलोनी, बानुछापर, पावर हाउस चौक, कोतवाली चौक, घसियारपट्टी रामलीला मैदान, कालीबाग, हॉस्पिटल रोड, गैस लाल चौक स्थित लहेरिया भवानी, पुरानी गुदरी स्थित भुडली भवानी, राजदेवड़ी स्थित भवानी मंडप, हॉस्पिटल रोड स्थित बांग्ला स्कूल दुगार्बाड़ी में लोगों की भीड़ लगी रही। वहीं नगर के दुर्गा बाग मंदिर, मां काली धाम मंदिर, हरिवाटिका चौक दुर्गा मंदिर, लाल बाजार स्थित बेतिया राज जोड़ा शिवालय मंदिर, राज देवड़ी स्थित बेतिया राज भवानी मंडप, तीन लालटेन व द्वारदेवी चौक स्थित द्वारदेवी स्थानों पर श्रद्धालुओं की भीड़ सुबह से ही लगनी आरंभ हो गइ। नवरात्र के दौरान मंदिरों व पंडालों के समीप लगने वाले मेलों में बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा है।

जदयू नेता ई रमेश प्रसाद लोगों से हुए रूबरू

मैनाटांड/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। प्रखंड क्षेत्र में भ्रमण कर जदयू के वरीय नेता इंजीनियर रमेश प्रसाद लोगों के समस्याओं से रूबरू हुए। इस दौरान जदयू नेता ई रमेश प्रसाद ने लोगों की समस्याओं को सून समाधान करने की भी बात कही। वही जदयू नेता श्री प्रसाद प्रखंड क्षेत्र के धूमाटांड जसौली भंगहा इनरवा झझरी आदि भिन्न भिन्न गांवो में जाकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विकास कार्यों की उपलब्धियों को बताया। उन्होंने मुख्यमंत्री के कार्यकाल का सराहना करते हुए कहा आज महिला सशक्तिकरण जीविका दीदियों को रोजगार के लिए 10,000 रुपये की रोजगार हेतु आर्थिक सहायता,वृद्धा पेंशन 400 से बढाकर 1100 रूपए और 125 यूनिट मुफ्त बिजली जैसी कई सरकारी योजनाओं के बारे में भी बताया।

गाजा बाजा के साथ निकली मां की डोली यात्रा

मैनाटांड/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शेरों वाली मइया की जय, मां दुर्गे की जय, महिषासुर मर्दनी की जय आदि जयघोष के साथ सोमवार को मैनाटांड़ गूंज उठा। मैनाटांड स्थित दुर्गा मंदिर से माता दुर्गा की बेलपत्र पूजन के लिए

गाजा बाजा के साथ भव्य डोली यात्रा निकाली गई। डोली यात्रा में शामिल सैकड़ों भक्त शामिल थे। बेलपत्र पूजन के बाद डोली वापस मंदिर में पहुंची जहां वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विधिवत ढंग से शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा के सातवें स्वरूप माता काल रात्रि की पूजा अर्चना की गई। भारी संख्या में महिला व पुरुष देवी दर्शन को मंदिरों में पहुंच रहे हैं। इधर मैनाटांड मेला चौक स्थित माता के दर्शन के लिए गुरुवार को भक्तों की भारी भीड़ सुबह से ही देवी स्थानों पर जुटेगी।

सफाई कर्मी और फल विक्रेता से विवाद, मामला पहुंचा थाना

नरकटियागंज/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। नगर के पोखरा चौक पर शुक्रवार को नगर परिषद के सफाई कर्मियो द्वारा सफाई करने के दौरान एक फल विक्रेता से विवाद हो गया। इस दौरान फल विक्रेता ने एक सफाई कर्मी को मारपीट कर जख्मी कर दिया। घायल सफाई कर्मी की पहचान विनोद राउत के रूप में हुई है। घटना के बाद अन्य सफाई कर्मी गोलबंद हो गए। और शिकारपूर थाना पहुचकर आवेदन दिया है। विनोद राउत ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि सफाई के दौरान फल विक्रेता करण साह का छाता झाडू से गिर गया । इसी बात को करण साह गाली-गलौज करने लगा। मना करने पर छाते में लगा लोहे की रॉड से हमला कर दिया। जिससे उनका सिर फट गया। आनन फानन में उसे अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसका उपचार किया गया।

संजय जायसवाल ने सबूतों के साथ पीके के आरोपों को किया खारिज

सबूतों को मीडिया के समक्ष रखा

बेतिया/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। लोकसभा के मुख्य सचेतक व पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व प. चंपारण के सांसद डॉ संजय जायसवाल ने सोमवार को यहां आयोजित प्रेस वार्ता में सबूतों के साथ पीके के लगाये आरोपों को खारिज कर दिया। डॉ. जायसवाल ने कहा कि प्रशांत किशोर ने बेतिया नगर निगम के डीजल चोरी और छावनी आरओबी एलाइनमेंट बदलने के आरोप लगाए, जो निराधार हैं। उन्होंने सूचना के अधिकार से प्राप्त दस्तावेज दिखाते हुए कहा कि आरओबी एलाइनमेंट में बदलाव का कोई सबूत नहीं है। उन्होंने पीके से सार्वजनिक माफी मांगने की मांग करते हुए मानहानि का मुकदमा दर्ज कराने की चेतावनी दी है। सुबे की मंत्री रेणु देवी, पूर्व मंत्री नारायण प्रसाद और विधायक उमाकांत सिंह की मौजूदगी में सांसद ने कहा कि जिस पत्र के आधार पर मुझ पर पेट्रोल-डीजल के मामले में भ्रष्टाचार के जो आरोप लगाये हैं वह और भी हास्यास्पद है। हकीकत में बेतिया महापौर ने 8 बिन्दुओं पर नगर विकास मंत्रालय से जांच करने की मांग की थी, जिसके आलोक में अवर सचिव मनोज कुमार द्वारा जांच किया गया। मजे की बात यह है कि पेट्रोल-डीजल का मामला इन 8 बिन्दुओं में कहीं है ही नहीं। जांच अधिकारी ने जवाब में खुद से एक अन्य भाग बना कर निगम द्वारा 15 गाडियों के फ्यूल डीजल के एवज में में सरोज एंड संस को बिना जीएसटी बिल के भुगतान करने की बात को उठाया है। सारा बखेड़ा इसी बात को लेकर खड़ा किया गया है। पत्र दिखाते हुए डॉ जायसवाल ने कहा कि सामान्य ज्ञान रखने वाला कोई आम आदमी भी जानता है कि भारत में पेट्रोल-डीजल पर जीएसटी नहीं लगता है। फिर इसमें जीएसटी बिल की बात ही बेमानी है। बेतिया मेयर का नगर विभाग के अवर सचिव मनोज कुमार के जीएसटी के आरोप का 5 बार सशक्त समिती में उठाना यह बताता है कि बेतिया मेयर विगत 2 वर्षों से सिर्फ इसलिये साजीश कर रही थी कि उनके रिश्तेदार के यहाँ से डीजल सप्लाई हो । प्रशांत किशोर को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि बिना किसी घोटाले के बावजूद मुझ पर ऐसे आरोप लगा कर प्रशांत किशोर ने मानसिक क्षुद्रता का परिचय दिया है। मेरी मांग है कि इस तरह के झूठे आरोप लगाने के लिए पीके सार्वजनिक रूप से मुझ से माफी मांग लें, नहीं तो क्रिमिनल केस के बाद अब मैं उन पर 132.24 करोड़ का मानहानि का मुकदमा भी करूंगा। इसके अलावा मुझे विश्वास है कि पेट्रोल पंप द्वारा भी सशक्त स्थायी कमिटी पर 100 करोड़ की मानहानि का मुकदमा होगा।

महापौर ने पार्षदों के साथ वार्ड 35 में संयुक्त रूप से झूला पार्क का किया उद्घाटन

मोतिहारी/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या 35 सदर अस्पताल के पीछे स्थित मंदिर परिसर के समीप बच्चों के मनोरंजन हेतु नगर निगम मोतिहारी द्वारा स्थापित आधुनिक झूला पार्क का उद्घाटन महापौर प्रीति कुमारी , निगम पार्षद रीता झा एवं निगम पार्षद प्रतिनिधि आनंद झा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। साथ ही वहाँ उपस्थित लोगों के साथ पूजा - अर्चना कर, मोतिहारी नगरवासियों की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना किए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय मुहल्लेवासी उपस्थित रहे और नगर निगम की इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान नगर निगम द्वारा शहर में चल रहे विकास कार्यों - जैसे सड़क निर्माण, शहर का सौंदर्यीकरण, जल निकासी व्यवस्था में सुधार और स्वच्छता अभियान , स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था, शौचालय निर्माण की जानकारी साझा की गई। साथ ही यह भी आश्वासन दिया गया कि आगामी समय में प्रस्तावित योजनाओं को चरणबद्ध ढंग से लागू कर मोतिहारी को एक स्वच्छ, सुंदर, सुरक्षित और समृद्ध शहर के रूप में विकसित किया जाएगा।

मां दुर्गा की भव्य डोली यात्रा से गूंजा मझौलिया, खुला मां का पट, उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

मझौलिया/नरकटियागंज/ साठी/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर सोमवार को मझौलिया प्रखंड क्षेत्र के बखरिया, सरिसवा, सेनुरिया, मझौलिया बाजार एवं मझौलिया गांव से माँ दुर्गा की भव्य डोली यात्रा निकाली गई। सुबह से ही श्रद्धालु माता के जयकारों के साथ उमंग और आस्था में सराबोर होकर यात्रा में शामिल हुए। गाजे-बाजे और ढोल-नगाड़ों की थाप से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। यात्रा के दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं ने फूल-मालाओं और प्रसाद से माता की डोली का स्वागत किया।डोली यात्रा उपरांत विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की गई और फिर माँ दुर्गा की प्रतिमा के पट खोले गए। पट खुलते ही भक्तों का उत्साह अपने चरम पर पहुँच गया और पूरा पंडाल ष्जय माता दीष के जयकारों से गूंज उठा। माँ के दर्शन को लेकर श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों के चेहरे पर माँ के दर्शन का उल्लास और भक्ति की छटा स्पष्ट झलक रही थी।इस भव्य आयोजन में स्थानीय पूजा समितियों की सक्रिय भूमिका रही। मझौलिया बाजार समिति से सचिव अनिल कुमार सिंह, गोलू श्रीवास्तव, विकास कुमार, विक्की कुमार, पप्पू सिंह, प्रदीप कुमार और संजय श्रीवास्तव ने कार्यक्रम का संचालन किया। वहीं बखरिया में अध्यक्ष बृजेश मिश्रा, मुखिया पति एकबाली राम और निक्कू पटेल मौजूद रहे। सेनुरिया में मुखिया ज्योति श्रीवास्तव, सुमन सिंह, निर्भय यादव और मिथलेश सिंह ने श्रद्धालुओं के साथ डोली यात्रा में भाग लिया।पूरे प्रखंड क्षेत्र में डोली यात्रा ने भक्ति, आस्था और सामाजिक एकता का अद्भुत संदेश दिया। माँ दुर्गा के जयकारों से गूंजता मझौलिया नवरात्र के उत्साह और आनंद से सराबोर दिखाई दिया। नरकटियागंज प्रतिनिधि के अनुसार सोमवार की सुबह नगर समेत ग्रामीण क्षेत्रों से श्रद्धालुओं ने माता की डोली यात्रा निकाली। इस दौरान नगर के सब्जी मंडी, देवी स्थान, मारवाड़ी मुहल्ल सहित विभिन्न पूजा पंडालों से माता को लाने के लिए डोली यात्रा निकाली गई। बाजे गाजे के साथ माता रानी की डोली शिकारपुर थाना परिसर पहुंचा जहां आचार्यो द्वारा विधिवत बेल वृक्ष का पूजन किया गया। साठी प्रतिनिधि के अनुसार मां जोगेश्वरी की भव्य डोली यात्रा, भक्तिमय रहा माहौलसाठी में मां जोगेश्वरी दुर्गा पूजा समिति द्वारा सोमवार को मां की भव्य डोली यात्रा निकाली गई, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। मां के जयकारों से गूंजती यात्रा मां जोगेश्वरी मंदिर से शुरू होकर सेमरी राम जानकी मंदिर पहुंची, जहां पंडित शिवम तिवारी ने बेल पूजन कराया। इसके बाद यात्रा साठी बाजार होते हुए वापस मंदिर पहुंची। इस दौरान थाना अध्यक्ष राजन कुमार, सहायक थाना अध्यक्ष अनुरूद कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।यात्रा में भाजपा नेत्री रेणु देवी, राजन मिश्रा, पवन वर्मा, जिला पार्षद कलीम गफ्फार, पैक्स अध्यक्ष संजय राव सहित पूजा कमेटी के अध्यक्ष विनोद मिश्रा, कोषाध्यक्ष धीरज कुमार व अन्य सदस्य शामिल रहे।

बापूधाम महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा

मोतिहारी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। 02 अक्टूबर से 04 अक्टूबर तक आयोजित किए जा रहे बापूधाम महोत्सव-2025 की तैयारियों की समीक्षा जिलाधिकारी के निर्देश पर नगर आयुक्त सौरभ सुमन यादव के द्वारा समाहरणालय स्थित जिलाधिकारी प्रकोष्ठ में की गई। समीक्षा में अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा, उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार,सदर अनुमंडल पदाधिकारी सुश्री श्वेता भारती, सहायक समाहर्ता सुश्री प्रिया रानी, पुलिस उपाधीक्षक दिलीप कुमार, जिला भू अर्जन पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, वरीय उप समाहर्ता अमरेश कुमार,सुश्री मंगला कुमारी,सुश्री निधि कुमारी,जिला जनसंपर्क पदाधिकारी एवं जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी उपस्थित थे। बापूधाम महोत्सव के लिए गांधी मैदान में भव्य मंच सहित बड़े पंडाल के निर्माण कराया जा रहा है। महोत्सव में ख्याति प्राप्त कलाकारों के आने से बड़ी संख्या में भीड़ को देखते हुए गांधी मैदान में बैरिकेडिंग कराने तथा पार्किंग स्थल चिन्हित करने का निर्देश दिया गया। बापूधाम महोत्सव का शुभारंभ 02 अक्टूबर को 10:00 बजे पूर्वाहन में स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी सम्मान समारोह के साथ की जाएगी, जिसका आयोजन गांधी स्मारक मोतिहारी में किया जाएगा। 02 अक्टूबर को ही 3:00 बजे अपराह्न सांसद खेल महोत्सव समापन समारोह का आयोजन गांधी मैदान मोतिहारी में किया जाएगा। 02अक्टूबर को ही अपराह्न 7:00 बजे से गांधी स्मारक मोतिहारी में स्थानीय कलाकारों का सम्मान समारोह रखा गया है। महोत्सव के दौरान 3 अक्टूबर 2025 को संध्या 5:00 बजे स्थानीय कलाकार गांधी मैदान में अपनी प्रस्तुति देंगे। उसके पश्चात अपराह्न 7:00 बजे से ख्याति प्राप्त भजन सम्राट अनूप जलोटा की प्रस्तुति कराई जाएगी। 04 अक्टूबर को गांधी मैदान में अपराह्न 5:00 बजे स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुति से कार्यक्रम की शुरूआत होगी। अपराह्न 7:00 बजे प्रसिद्ध बॉलीवुड गायक अंकित तिवारी की प्रस्तुति होगी उसके पश्चात महोत्सव का समापन होगा। नगर आयुक्त सौरभ सुमन यादव, अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा,उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार एवं अनुमंडल पदाधिकारी सुश्री श्वेता भारती के द्वारा कार्यक्रम स्थल गांधी मैदान का निरीक्षण किया गया।

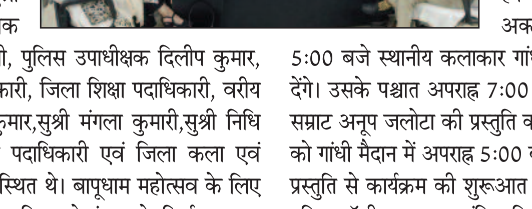

लिपिक-परिचारी नियुक्ति में 69 आवेदन अनुशंसा योग्य

बेतिया/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिलाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में अनुकंपा के आधार पर विद्यालय लिपिक एवं विद्यालय परिचारी की नियुक्ति संबंधी बैठक आयोजित की गई।जिला कार्यक्रम पदाधिकरी, शिक्षा विभाग, कुमार अनुभव ने बताया कि विद्यालय लिपिक पद के लिए लम्बित-122 आवेदन के विरूद्ध 66 आवेदन अनुशंसा योग्य पाये गये तथा विद्यालय परिचारी के लिए लम्बित 13 आवेदनों के विरूद्ध विद्यालय परिचारी के लिए 03 आवेदन अनुशंसा योग्य पाया गया, लिपिक पद के लिए 02 आवेदनों को अस्वीकृत करने का समिति द्वारा निर्णय लिया गया। विद्यालय लिपिक के लिए प्राप्त आवेदन जाँचोपरांत कुल 54 आवेदन लम्बित त्रुटि तथा 02 आवेदन अस्वीकृत श्रेणी में तथा विद्यालय परिचारी के लिए कुल 10 आवेदन लम्बित त्रुटि श्रेणी में रखा गया।

अमृत भारत स्टेशन एकमा में अमृत भारत एक्सप्रेस का ठहराव न होने से यात्रियों में नाराजगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

एकमा/छपरा (सारण)। छपरा से आनंद विहार (टर्मिनल) के लिए साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस को रेलवे प्रशासन ने हरी झंडी दे दी है। यह ट्रेन सोमवार से छपरा जंक्शन से चलेगी। ट्रेन के संचालन की तिथि तय कर दी गई है, साथ ही इसका टाइम टेबल और ठहराव वाले स्टेशनों की सूची भी जारी की गई। लेकिन इस सूची में एकमा रेलवे स्टेशन को शामिल नहीं किया गया है, जिससे स्थानीय यात्रियों, छात्रों, व्यापारियों व समाजसेवियों में गहरी नाराजगी देखने को मिल रही है। गौरतलब है कि महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने लोकसभा में बीते दिनों इस रेलखंड से होकर अमृत भारत ट्रेन चलाने की मांग रखी थी। छपरा-सिवान रेलखंड से होकर अमृत भारत एक्सप्रेस का परिचालन शुरू होने के बावजूद, समय सारणी और ठहराव की सूची में सांसद के संसदीय क्षेत्र के किसी भी रेलवे स्टेशन को ठहराव नहीं दिया गया है। छपरा जंक्शन से चलने वाली इस ट्रेन का सीधा सिवान जंक्शन पर ठहराव तय किया गया है, जबकि एकमा रेलवे स्टेशन को अमृत भारत रेलवे स्टेशन योजना के तहत चयनित किया गया है। इसके बाद स्टेशन पर सौंदर्यीकरण, यात्री सुविधाओं और आधारभूत संरचना के विकास का कार्य जारी है। रेलवे के महाप्रबंधक, मंडल रेल प्रबंधक और स्थानीय सांसद भी इस स्टेशन का लगातार निरीक्षण कर चुके हैं। स्थानीय छात्र, युवा व व्यवसायी इसे योजना और नामकरण की सार्थकता पर सवाल उठाने वाला मामला मान रहे हैं। छात्रों का कहना है कि यह ट्रेन दिल्ली और लखनऊ जाने के लिए काफी मददगार हो सकती थी, लेकिन ठहराव न मिलने से उन्हें छपरा या सीवान तक जाना पड़ेगा। वहीं, स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि यदि ट्रेन का ठहराव एकमा में होता तो न केवल यात्रियों की सुविधा बढ़ती बल्कि स्थानीय बाजार और व्यापार को भी सीधा लाभ मिलता। एकमा क्षेत्र के लोगों का कहना है कि वार्षिक राजस्व के मामले में एकमा रेलवे स्टेशन से थावे जंक्शन रेलवे स्टेशन का वार्षिक राजस्व कम होने के बावजूद थावे जंक्शन पर इस ट्रेन का ठहराव दिया गया है। जबकि एकमा रेलवे स्टेशन को इससे वंचित रखा गया है। इस संबंध में माकपा नेता अरुण कुमार, राष्ट्रीय एथलीट विकास सिंह राठौर, समाजसेवी योगेंद्र शर्मा, युवा समाजसेवी रवि कुमार गुप्ता, पत्रकार के. के. सिंह सेंगर, शिक्षाविद प्रो अजीत कुमार सिंह, डॉ सत्यदेव प्रसाद यादव, शिक्षक अनिल कुमार सिंह, नोनिया समाज के नेता रवि कुमार महतो, जन सुराज नेता विकास सिंह, देवकुमार सिंह, मुन्ना भवानी, पूर्व मुखिया ओमप्रकाश सिंह, विभूति नारायण तिवारी, भूपेंद्र प्रसाद सिंह आदि ने भी केंद्रीय रेल मंत्री, सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल सहित रेलवे प्रशासन से अपील की है कि अमृत भारत एक्सप्रेस का ठहराव अविलंब एकमा रेलवे स्टेशन पर जोड़ा जाए। उन्होंने चेताया कि यदि ठहराव नहीं जोड़ा गया तो यह कदम जनता की भावना के साथ खिलवाड़ माना जाएगा और रेलवे के प्रति असंतोष और गहरा होगा।

जिस संसदीय क्षेत्र से होकर लोकसभा में सांसद ने अमृत भारत ट्रेन चलाने की मांग की थी, उनके ही किसी भी रेलवे स्टेशन पर ठहराव नहीं दिया गया

महापौर ने भ्रष्टाचार के आरोपों पर दी सफाई, जांच की मांग

बेतिया/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। नगर निगम की महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने पूर्व आउटसोर्सिंग सफाई एजेंसी पाथेय के एमडी द्वारा लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों को खारिज करते हुए किसी भी उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने अपने आठ वर्षो के सार्वजनिक जीवन को पूरी तरह पारदर्शी और निर्भीक बताया। महापौर ने कहा कि उन्होंने ही पाथेय एजेंसी के भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ी और उसे नगर निगम से हटवाया, साथ ही इसके लगभग तीन करोड़ रुपये के भुगतान को भी रोका। इस मामले में पाथेय ने पटना हाईकोर्ट में मुकदमा दायर किया है, जो लंबित है। महापौर ने अपने ड्राइवर दारा सिंह पर पैसे लेने के आरोपों की भी जांच की बात कही और उसे अपने पद से हटा दिया।

कल्याणपुर थाना अंतर्गत नारायणपुर पुलिस ओ.पी. का हुआ उद्घाटन

मोतिहारी/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। केसरिया विधायक शालिनी मिश्रा, जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के द्वारा संयुक्त रूप से नारायणपुर पुलिस ओ.पी. का फीता काटकर उद्घाटन किया गया। मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना अंतर्गत कल्याणपुर प्रखंड के पिपरा खेम पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या 6 में नारायणपुर पुलिस भवन का जीर्णोद्धार संपन्न किया गया जिसके उपरांत आज दिनांक 29.09.2025 को इस पुलिस भवन का उद्घाटन किया गया है। नारायणपुर पुलिस ओ पी के कार्यरत हो जाने से इस क्षेत्र में पुलिसिंग के कार्य में काफी सहूलियत प्राप्त होगी । इस अवसर पर विधायक श्रीमती शालिनी मिश्रा, जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने उद्घाटन के अवसर पर क्षेत्र की बड़ी संख्या मेंउपस्थिति लोगों को संबोधित किया एवं कहा कि लोगों को अपनी शिकायतें दर्ज कराने के लिए अब दूर नहीं जाना पड़ेगा। ओ पी पर ही शिकायतें दर्ज होगी एवं उसका समाधान किया जाएगा। इस अवसर पर एसडीपीओ चकिया संतोष कुमार,थाना अध्यक्ष कल्याणपुर, सर्किल इंस्पेक्टर तथा नवनिर्मित नारायणपुर ओपी थानाध्यक्ष सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

चिकित्सकों के साथ लोगों को सहानुभूति और समझदारी से व्यवहार करना चाहिए

मोतिहारी (पूर्वी चम्पारण) नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चिकित्सा क्षेत्र में चिकित्सक समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उनके साथ सहानुभूति और समझदारी के साथ व्यवहार करना चाहिए। चिकित्सकों के साथ किसी भी समस्या का समाधान करने के लिए वार्ता करनी चाहिए और उनकी समस्याओं को समझने का प्रयास करना चाहिए। चिकित्सकों के प्रति दुर्व्यवहार और हिंसा का विरोध करना चाहिए। उनके अधिकारों की रक्षा एवं सम्मान करनी चाहिए, जिससे वे निर्भीक हो मरीजों का सही से इलाज कर सके। उक्त बाते आईएमए के प्रदेश अध्यक्ष डॉ आशुतोष शरण ने आईएमए हॉल मोतिहारी में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि जीवन का मूल्य बहुत ही महत्वपूर्ण है, और हमें इसका सम्मान करना चाहिए। चिकित्सकों के साथ सहयोग और समझदारी के साथ व्यवहार करने से हम समाज में एक सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। रहमानिया हॉस्पिटल के निदेशक डॉक्टर तबरेज अजीज एक अच्छे सर्जन के साथ साथ बेहतर यूरोलोजिस्ट भी हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों का सम्मान करना और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना समाज की जिम्मेदारी है। वही रहमनिया हॉस्पिटल के निदेशक डॉ तबरेज अजीज ने कहा कि उनके अस्पताल में एक मरीज का उसके पथरी का ऑपरेशन किया गया था, उसके बाद उसे आई सी यू में भेजा गया, फिर मरीज को थोड़ी समस्या उतपन्न होने पर उसे उनके देख रेख में सीनियर चिकित्सकों के द्वारा दुबारा ऑपरेशन किया गया, किन्तु वह मरीज कुछ घंटो बाद कम्प्लीकेशन के कारण नहीं बच सका ' जिसके बाद मरीज के परिजनों को बताया गया, इसी भी मरीज के परिजनों के साथ रात्रि को असामाजिक तत्वों ने हॉस्पिटल में जमकर हंगामा किया और चिकित्सकों व स्टाफ के साथ मारपीट की। आईसीयू को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया, जिससे आईसीयू की सेवा ब्लॉक हो गई' उन्होंने कहा कि चिकित्सकों के साथ हुआ यह व्यवहार एक क्रिमिनल एक्ट की तरह हुआ है, जिसमें लगभग 50 लाख की नुकसान पहुंची है। सूचना पर पुलिस बल के आने के बाद मामले को नियंत्रित किया गया और उन्होंने आम जनता, समाज के लोगों से अपील करते हुए कहा कि इस तरह के मामलों में वार्ता करने के बाद ही सब कुछ बेहतर होगा' उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए समाज को एकजुट होकर चिकित्सकों के साथ भी उनकी हौसला अफजाई करनी चाहिए' उन्होंने कहा कि चिकित्सकों का काम बहुत जिम्मेदारी का होता है और वे अपने मरीजों की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं।उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने और ऐसे मामलों में वार्ता के माध्यम से समाधान निकालने की अपील की। मौके पर आईएमए अध्यक्ष डॉ टीपी सिंह, डॉ नीरज कुमार, डॉ अजय वर्मा, डॉ अतुल कुमार, डॉ संतोष कुमार सिंह, डॉक्टर परवेज अजीज, डॉक्टर पुष्कर कुमार सिंह, डॉ गौतम भारद्वाज,डॉ विभु पराशर सहित अनेक चिकत्सक मौजूद थे।

नदियों की स्वच्छता और संरक्षण को लेकर विशेष आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। जिला पदाधिकारी सह अध्यक्ष, जिला गंगा समिति, जहानाबाद अलंकृता पांडेय के निर्देश पर जिला गंगा समिति एवं नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत नगर पंचायत मखदुमपुर स्थित कृष्णा वंशी यमुने घाट पर रविवार को विशेष स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत श्रमदान से हुई, जिसमें घाट परिसर एवं आसपास की सड़कों की सफाई कर गंदगी हटाई गई। इसके बाद जिला परियोजना पदाधिकारी नमामि गंगे अमित कुमार ने उपस्थित लोगों को स्वच्छता शपथ दिलाई। सभी ने संकल्प लिया कि गंगा और उसकी सहायक नदियों को स्वच्छ रखने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे तथा प्लास्टिक व अन्य अपशिष्ट सामग्री का निस्तारण जिम्मेदारी से करेंगे। जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से नुक्कड़ नाटक का आयोजन हुआ, जिसमें कलाकारों ने रोचक अंदाज में नदियों की स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वहीं, स्थानीय युवाओं की

भागीदारी से जागरूकता रैली भी निकाली गई। प्रतिभागियों ने नारे लगाकर आमजन को स्वच्छता अपनाने और गंगा सहित सहायक नदियों के संरक्षण के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर नगर पंचायत मखदुमपुर के कार्यपालक पदाधिकारी अनु राय, वार्ड पार्षद रितेश कुमार उर्फ चुन्नू शर्मा एवं नीरज कुमार ने सक्रिय योगदान दिया। सभी ने लोगों से स्वच्छता अभियान से जुड़ने और नदियों को प्रदूषण मुक्त बनाने में सहयोग करने की अपील की। समिति के सदस्यों और नगर पंचायत प्रतिनिधियों ने मखदुमपुर स्थित पूजा पंडालों का भी दौरा कर श्रद्धालुओं व पूजा समिति के सदस्यों को स्वच्छता बनाए रखने और कचरे का उचित निस्तारण करने का संदेश दिया। जिला परियोजना पदाधिकारी अमित कुमार ने कहा— “स्वच्छता ही सेवा है। गंगा और उसकी सहायक नदियां हमारी जीवनरेखा हैं। इनका संरक्षण और स्वच्छता केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। जब तक सभी लोग अपनी जिम्मेदारी नहीं समझेंगे, तब तक गंगा को निर्मल और अविरल बनाने का लक्ष्य अधूरा रहेगा।” उन्होंने जहानाबादवासियों को प्रेरित करते हुए नारा दिया— **“नहीं रुकेंगे, स्वच्छ करेंगे हम सब जहानाबादवासी।”**

भगवान और भक्त को जोड़ने का माध्यम है भागवत कथा : कृष्णप्रपन्नाचार्य

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। शहर के श्रीकृष्ण नगर में आयोजित भागवत कथा में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। संध्या समय स्वामी रंग रामानुजाचार्य के परम शिष्य कथावाचक श्रीकृष्ण प्रपन्नाचार्य के मुखारविंद से भागवत कथा सप्ताह के छठे दिन भक्तों ने कथा सुनी। कथावाचक ने कहा कि सत्संग मानवीय मूल्यों का मापने के पैमाना है। श्रीमदभागवत कथा भगवान और भक्त को जोड़ने का माध्यम है। भागवत साक्षात ईश्वर का रूप है। अपनी संस्कृति की रक्षा के लिए संस्कृत का ज्ञान आवश्यक है। अंग्रेजी का ज्ञान जरूरी है, लेकिन संस्कृत का ज्ञान भारतीयता की

रक्षा के लिए सबको प्राप्त करना चाहिए। ज्ञान और वैराग्य को जगाने के प्रयास के प्रसंग पर बताया कि वर्तमान परिवेश में लोग समस्याओं का समाधान न मिलने पर डिप्रेशन में चले जाते हैं। ईश्वर के नाम का जाप करने से सभी समस्याओं का समाधान अवश्य ही निकलता है। भागवत कथा हमें सभी परिस्थितियों में राह दिखाता है। यह ज्ञान, वैराग्य व भक्ति की त्रिवेणी है। हजारों की संख्या में श्रद्धालु नर-नारी भगवत कथा का मंत्रमुग्ध हो रसपान किया। प्रवचन के पश्चात लोगों ने भजन संगीत का आनंद उठाया। यज्ञ समिति के सदस्यों ने बताया कि आज से 2 अक्टूबर तक हरिनाम संकीर्तन होगा। 3 अक्टूबर को विशाल शोभायात्रा के साथ जलाहरन कर श्री महाविष्णु यज्ञ का शुभारंभ होगा जो विविध विद्वान विदुषियों के प्रवचन, रासलीला होते हुए 07 अक्टूबर के विशाल भंडारा के साथ संपन्न होगा।

पट खुलते ही माता के पंडाल में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। जिले में विभिन्न प्रखंडों सहित शहर के अलग-अलग हिस्सों में माता दुर्गा के पंडाल के पट खुलते ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। दुर्गा पूजा को लेकर श्रद्धा और उल्लास का वातावरण सभी पूजा पंडालों में देखने को मिल रहा है। इस बार युवाओं और महिलाओं में दुर्गा पूजा को लेकर खासा उत्साह का वातावरण देखा जा रहा है। स्थानीय शहर के अलग-अलग भागों में भव्य और विशाल आकृति में पूजा पंडाल का निर्माण कराकर माता दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की गई है। पंडाल के सजावट के साथ-साथ इस बार सुरक्षा और साफसफाई पर पूजा समिति के सदस्यों का विशेष ध्यान है। जिला प्रशासन की ओर से दुर्गापूजा पंडालों में पर्यावरण अनुकूलता और स्वच्छता को लेकर तीन उत्कृष्ट पूजा पंडालों के संचालकों को पुरस्कृत किया जायेगा। हुलासगंज बाजार स्थित बड़ी दुर्गा मंदिर और प्रांगकुशनगर के प्रांगण में काफी आकर्षक ढंग से दुर्गा प्रतिमा को सजाया गया है। यहां पर भव्य

और विशाल प्रतिमा बनाया गया है। घोसी बाजार स्थित शिव मंदिर के प्रांगण में स्थापित दुर्गा मंदिर में भी श्रद्धालुओं की काफी भीड़ देखी गई। रतनी प्रखंड के शकुराबाद बाजार, अमैन, गुलाबगंज सहित कई अन्य जगह पर दुर्गा प्रतिमा स्थापित किया गया है जहां पर पट खुलने के साथ ही लोगों ने माता दुर्गा के दर्शन किया। मखदुमपुर बाजार मेरी कई जगहों पर दुर्गा प्रतिमा बैठाया गया है जहां पर आकर्षक पंडाल बनाने के साथ सजावट भी आकर्षक ढंग से किया गया है। शहर के अरवल मोड़, ठाकुरवाड़ी मोहल्ला, हॉस्पिटल मोड़, उंटा प्राचीन देवी, स्टेशन के पास काको मोड़ के अतिरिक्त शहर के कई अन्य हिस्सों में दुर्गा पंडाल में पट्ट खुलते ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी।

पत्नी की पिटाई कर रहे शराबी पति को पुलिस ने दबोचा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रफीगंज (औरंगाबाद)। शराबबंदी कानून का सख्त असर अब घर-परिवार तक दिखने लगा है। इसका ताजा उदाहरण नाइकी गांव में देखने को मिला, जहां शराब के नशे में पत्नी की पिटाई कर रहे एक युवक को उसकी ही पत्नी ने पुलिस बुलाकर गिरफ्तार करवा दिया। मामले की जानकारी के अनुसार नाइकी गांव निवासी राजू मेहता नशे की हालत में घर पहुंचा और पत्नी से विवाद करते हुए उसकी पिटाई शुरू कर दी। खुद को बचाने के लिए पीड़िता ने तत्परता दिखाते हुए 112 पर पुलिस को कॉल कर घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर लिया। थाने में ब्रेक एनालाइजर मशीन से जांच करने पर पुष्टि हुई कि आरोपी ने शराब का सेवन किया है। इसके बाद पुलिस ने राजू मेहता को कानूनी कार्रवाई हेतु औरंगाबाद न्यायालय भेज दिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष शंभु कुमार ने बताया कि आरोपी नशे की हालत में पत्नी की पिटाई कर रहा था। पत्नी की सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया और न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया।

जन सुराज की ओर से बिहार बदलाव सभा आयोजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। जहानाबाद विधानसभा क्षेत्र के रतनी फरीदपुर प्रखंड के मुरहारा स्कूल के समीप जन सुराज पार्टी के तत्वावधान में आयोजित बिहार बदलाव सभा में पार्टी नेता व जहानाबाद से पार्टी के संभावित उम्मीदवार डॉ. अभिराम शर्मा ने कहा कि इस बार छठ के बाद लोगों का दूसरे प्रदेशों में पलायन रुक जायेगा। उन्हें रोजी-रोजगार के लिए दूसरे राज्यों के शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध होगा। डॉ. शर्मा ने सभा को संबोधित करते हुए आगे कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में जन सुराज पार्टी केवल सत्ता हासिल करने के लिए नहीं उतरेगी, बल्कि पार्टी सूबे में व्यवस्था परिवर्तन करना चाहती है। बिहार से पलायन को रोकना है, यहां की शिक्षा व्यवस्था में आमूल-चूल सुधार लाना है, भ्रष्टाचार को भगाना है, लाखों लोगों के लिए रोजगार का सृजन करना है। ऐसा बिना व्यवस्था में बदलाव किए संभव नहीं है। डॉ. शर्मा ने बिहार में पिछले चार दशकों से चले आ रहे राजनीतिक

हालात की चर्चा की और प्रदेश की दुर्दशा के लिए सरकारों को जिम्मेवार ठहराया। उन्होंने कहा कि सत्ता पर काबिज नेताओं में केवल अपने परिवारजनों का भला किया, राज्य का नहीं। इन नेताओं ने बिहार को रसातल में पहुंचा दिया। इस बार के चुनाव में प्रदेश की जनता ऐसा सबक सिखाएगी जिसे ये राजनेता दशकों तक भूल नहीं पाएंगे। ऐसे लोगों ने बिहार को चारागाह समझ रखा है। इनलोगों ने लूट मचा रखी है। इस मौके पर लोगों के बीच परिवार लाभ कार्ड का वितरण किया गया और उन्हें बताया गया कि जन सुराज की सत्ता आने पर कार्डधारी हर परिवार को बीस हजार रुपए तक का लाभ मिलेगा। साठ वर्ष से ऊपर हर महिला पुरुष को दो-दो हजार रुपए पेंशन दी जाएगी। खेती को मनरेगा से जोड़कर लाभकारी बनाया जायेगा। खाने वाली खेती की जगह कमाने वाली खेती शुरू कराई जाएगी। सभा का संचालन राकेश कुमार ने किए। इस मौके पर ललिता देवी, पूनम देवी, लालती देवी, जीतेश कुमार, अमरेश कुमार, नंद किशोर जी, निखिल कुमार, तूफानी ठाकुर, साधू जी, विजय शर्मा, संजीव कुमार, मंटू सिंह, जमींदार मांझी, बालकिशुन सिंह, देवेंद्र शर्मा, विनोद शर्मा, लोहड़ी मिस्त्री, शशि वर्मा, विकास कुमार को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुरहारा पंचायत के उत्तरापट्टी, देवनन्दन बिगहा, सुरही, हरना खास, गोपालपुर और बलवा पर गांव के लोग उपस्थित रहे।

महिला रोजगार योजना की राशि से ऋण वसूली पर रोक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। जहानाबाद की जिला पदाधिकारी अलंकृता पांडेय की अध्यक्षता में जिले में कार्यरत सभी माइक्रो फाइनेंस बैंकों एवं शाखा प्रबंधकों के साथ समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिले में मौजूद सात माइक्रो फाइनेंस बैंकों के अधिकारीगण शामिल हुए। बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना अंतर्गत दिनांक 26.09.2025 को बिहार सरकार द्वारा जिले की महिलाओं के बैंक खातों में 10,000/- की राशि अंतरण की गई है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को रोजगार सृजन एवं व्यवसाय विस्तार हेतु सहयोग प्रदान करना है।जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि इस राशि का उपयोग किसी भी प्रकार से बैंक अथवा माइक्रो फाइनेंस संस्थाओं द्वारा ऋण वसूली में नहीं किया जाएगा। यह योजना की मूल भावना के विपरीत है। इस संदर्भ में बिहार ग्रामीण बैंक के महाप्रबंधक

द्वारा भी सभी शाखाओं को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जा चुके हैं।

बैठक में जिला पदाधिकारी ने सभी बैंकों को निर्देश दिया कि अगले दो माह तक जीविका दीदियों के व्यवसाय की स्थिति सुधरने तक जबरन ऋण वसूली की कार्रवाई नहीं की जाएगी। साथ ही यह भी निर्देश दिया गया कि सभी शाखा प्रबंधक अपने सीएसपी को सख्ती से निर्देशित करें कि लाभुक महिलाओं से निकासी के समय किसी प्रकार की धोखाधड़ी अथवा अतिरिक्त राशि की मांग न की जाए। यदि सीएसपी से संबंधित कोई शिकायत प्राप्त होती है तो उस पर उच्च स्तर पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

एक नजर

शराब बरामद, धंधेबाज फरार

हसपुरा (औरंगाबाद)। थानाक्षेत्र के कोईलवां गांव टोले करणविगहा से 38 लीटर देशी महुआ का शराब हसपुरा पुलिस ने बरामद किया है। इसकी जानकारी थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि जानकारी मिली कि करणविगहा में रामु चौधरी एवं राहुल चौधरी शराब का धंधा कर रहा है। पुलिस दलबल के साथ उसके घर पहुंची तो धंधेबाज को भनक मिलते अंधेरा का फायदा उठा कर भाग निकला। पुलिस ने जब सूचना के निशानदेही पर उसके घर की तलाशी ली तो 38 लीटर महुआ का देशी शराब बरामद हुआ। उन्होंने बताया कि दोनों धंधेबाज के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए धंधेबाज को गिरफ्तारी में जुट गई है।

दुर्गा पूजा को लेकर चलाया गया वाहन जांच अभियान

हसपुरा (औरंगाबाद)। थानाक्षेत्र के अहियापुर मोड़ के समीप सोमवार को सुबह हसपुरा पुलिस ने दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने को लेकर बाइक व टेम्पो, चार चक्का वाहन की सघन जांच अभियान चलाया। चेकिंग अभियान का नेतृत्व एसआई सुगंध कुमार

दल बल के साथ कर रहे थे। वाहन चेकिंग के दौरान चालकों को ट्रैफिक व परिवहन विभाग के नियमवाली को एसआई सुगंध कुमार ने विस्तार से जानकारी देते हुए कहा वाहन चलाते समय हर हाल में शीट बेल्ट अवश्य लगाएं। वहीं बाइक चालक कहा कि हेलमेट अनिवार्य रूप से लगाएं। इससे आपका जीवन सुरक्षित रहेगा। हालांकि चेकिंग के दौरान वाहन व बाइक-टेम्पो का कागजात के साथ-साथ डिक्की को भी पुलिस द्वारा चेकिंग किया गया। एसआई सुगंध कुमार ने बताया कि जिला पुलिस कप्तान के निर्देशानुसार प्रतिदिन थानाक्षेत्र के किसी भी रूट में चेकिंग अभियान चलाया जाता है। इस चेकिंग के दौरान परिवहन नियम पालन नहीं करने वालो से पांच हजार रुपए का जुर्माना वसूला गया। थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने कहा कि थानाक्षेत्र के सभी रूटों में सघंन चेकिंग अभियान बराबर चलाया जाता है। बगैर कागजात के पकड़े जाने पर उन्हें जुर्माना लगाया जा रहा है।

दुर्गा पूजा को लेकर निकाला गया फ्लैग मार्च

रफीगंज (औरंगाबाद)। दुर्गा पूजा को लेकर थानाध्यक्ष शम्भू कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल के साथ थाना परिसर से फ्लैग मार्च शुरू किया गया जो मुख्य बाजार, सब्जी मंडी, मुरली चौक, लोहार गली होते हुए महराजगंज मोड़ न्यू एरिया, नजरुल मिया मोड़ कलाली मोड़ कासमा बस स्टैंड होते हुए बस स्टैंड से थाना परिसर में सम्पन्न हुआ। थानाध्यक्ष ने कहा

कि दुर्गा पूजा को लेकर फ्लैग मार्च निकाला गया। पूजा पर पुलिस बल के जवान चप्पे चप्पे पर रहेंगे। वहीं ग्रामीण क्षेत्र में अभी से ही पुलिस गश्ती तेज कर दी गयी है। असामाजिक तत्वों पर पुलिस द्वारा कैमरा के माध्यम से पैनी नजर रखी जाएगी। अफवाहों से दूर रहें। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने पर उपद्रवियों को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसमे भारी संख्या सशस्त्र पुलिस बल मौजूद रहे। इसमे एसआई मिथलेश कुमार, आकाश कुमार, बसपाई जी, संजय पासवान शामिल हुए।

फरार आरोपित के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हसपुरा (औरंगाबाद)। हसपुरा थाना पुलिस और बिहटा रेल थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में सोमवार को हरदेयाल विगहा गांव निवासी अजय कुमार सिंह के घर पर इश्तेहार चिपकाया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इससे पूर्व आरोपित को डुगडुगी पिटवाकर न्यायालय में हाजिर होने की चेतावनी दी गई थी। लेकिन उपस्थित न होने पर कोर्ट के आदेश के आलोक में उसके घर पर इश्तेहार चिपकाने की कार्रवाई की गई। बिहटा रेल थाना के एसआई विमल कुमार ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आरपीएफ डीएनआर 3066/23 के तहत रेल अधिनियम की धारा 145, 146, 147, 153 और 174 में मामला दर्ज है। न्यायालय के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यदि आरोपी न्यायालय में शीघ्र प्रस्तुत नहीं होता है तो आगे कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

दुर्गा पूजा को लेकर किया फ्लैग मार्च

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। दुर्गा पूजा को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। त्यौहार में शांति व्यवस्था कायम रहे, इसके लिए प्रशासन सजग है। इसी के मद्देनजर जिले के विभिन्न थाना की पुलिस द्वारा सोमवार को फ्लैग मार्च निकाला गया और शांति का संदेश दिया गया। जम्होर थानाध्यक्ष राज किशोर प्रसाद ने बताया कि दुर्गा पूजा शांति और सौहार्द पूर्ण तरीके से संपन्न कराएं जाने को लेकर पुलिस प्रशासन कटिबद्ध है। प्रशासन हर हाल में शांतिपूर्ण तरीके से पर्व संपन्न करायेंगे। पर्व के दौरान शांति व्यवस्था में खलल डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि थाना क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर फ्लैग मार्च निकाल शांति का संदेश दिया गया। वहीं टंडवा थानाध्यक्ष अजय बहादुर सिंह ने कहा कि कोई भी असामाजिक तत्व अगर शहर की शांति और सौहार्द को बिगाड़ने की कोशिश करेगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने

भरोसा दिलाया कि पूजा पंडालों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में लगातार गश्त की जा रही है। लोगों में सुरक्षा का संदेश दी जा रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि अफवाहों पर ध्यान न दें और एकजुट होकर त्योहार मनाएं।

प्रीतमपुर में चतरा सांसद कालीचरण सिंह का जोरदार स्वागत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। सासाराम से लौटने के क्रम में रविवार को चतरा के सांसद कालीचरण सिंह का बारुण प्रखंड के प्रीतमपुर गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया। यह स्वागत कार्यक्रम अमित कुमार के आवास पर आयोजित किया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने सांसद के प्रति आभार जताते हुए एनएच-139 के चौड़ीकरण और अनुग्रह नारायण रोड स्टेशन पर वंदे भारत एक्सप्रेस के ठहराव की मांग रखी। सांसद श्री सिंह ने कहा कि राजग सरकार ‘सबका साथ, सबका विकास’ की नीति पर काम कर रही है और विकास को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने ग्रामीणों से आगामी चुनाव में

राजग को प्रचंड बहुमत से विजय दिलाने की अपील की। सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत लगातार तरक्की की नई ऊंचाइयां छू रहा है। बिहार की जनता ने पहले ही दोनों राजकुमारों को नकार दिया है। अब राज्य में माफियाओं और सत्ता-पोषित अपराधियों का नहीं बल्कि कानून का राज स्थापित हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार ने सभी वर्गों के लिए कार्य किया है और अब जनता को इस कार्य का इनाम देने का समय आ गया है। इस मौके पर श्रीकृष्ण सिंह स्मृति ट्रस्ट के नीलमणि कुमार, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुनील शर्मा, मंटू शर्मा, राकेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

एससी-एसटी सहित अन्य मामले में 30 गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर पिछले 24 घंटों में कई कार्रवाई किया है। अलग-अलग मामलों में 30 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अम्बरीश राहुल के नेतृत्व में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में की गई जिसमें आवश्यक कार्रवाई के उपरांत 13 अभियुक्तों को जेल भेज दिया गया। एससी-एसटी एक्ट मामले में 1, हत्या के प्रयास में 7, शराब के शीर्ष कांडों में 3 एवं अन्य शीर्ष कांड में 19 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में 1150 वाहनों की जांच की गई जिसमें 58000 रूपये जुर्माना वसूला गया है। 182 लीटर देसी शराब एवं 2 बाइक बरामद किया गया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में की गई। पुलिस अधीक्षक कि माने तो चुनाव के मद्देनजर मादक प्रदार्थों की खरीद फरोख्त यथा अन्य अपराधों पर रोक थाम को लेकर जिले में लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस जद में जो भी पकड़े जाएंगे, उनकी विरुद्ध न सिर्फ कार्रवाई की जायेगी बल्कि उनकी संपत्ति भी जब्त की जायेगी।

शक्ति रूपेण संस्थिताः बड़ी दुर्गा मंदिर, हुलासगंज में उमड़ रही श्रद्धालुओं की आस्था

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हुलासगंज (जहानाबाद)। जहानाबाद जिले के हुलासगंज प्रखंड स्थित बड़ी दुर्गा मंदिर में इन दिनों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। प्रतिदिन यहां ग्रामीण क्षेत्रों और बाजार से बड़ी संख्या में भक्त पहुंचकर माता रानी से अपनी मनोकामनाएं पूरी होने की प्रार्थना करते हैं। महिलाएं भजन-कीर्तन कर वातावरण को भक्तिमय बना देती हैं। मान्यता है कि सच्चे मन से की गई पूजा-अर्चना से माता दुर्गा भक्तों की हर मनोकामना पूर्ण करती हैं।

मंदिर का इतिहास

बड़ी दुर्गा मंदिर का निर्माण वर्ष 1919 में तत्कालीन हुलासगंज थानाध्यक्ष द्वारा कराया गया था। मंदिर में राजस्थान से लाई गई संगमरमर पत्थर की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई थी।

वास्तुकला और आयोजन

मंदिर की वास्तुकला नवीन शैली की है। कुछ वर्ष पूर्व स्थानीय लोगों के सहयोग से मंदिर का जीर्णोद्धार कराया गया। दुर्गा पूजा के अवसर

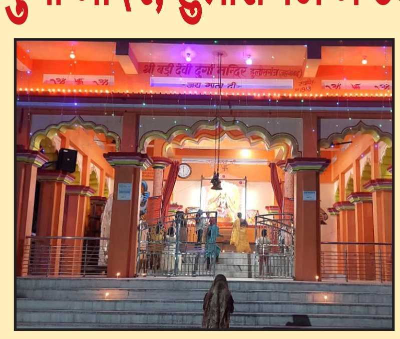

पर यहां मिट्टी से बनी माता दुर्गा की प्रतिमा के साथ भगवान गणेश, कार्तिकेय और माता लक्ष्मी की प्रतिमाएं भी स्थापित की जाती हैं। पूजा के समय यहां भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है और विशाल मेले का आयोजन होता है।

कैसे पहुंचे मंदिर

बड़ी दुर्गा मंदिर हुलासगंज थाना परिसर के समीप स्थित है। इस्लामपुर रेलवे स्टेशन से इसकी दूरी लगभग 9 किलोमीटर तथा जहानाबाद जिला

मुख्यालय से लगभग 24 किलोमीटर है। यह स्थान गया–इस्लामपुर राज्य पथ संख्या-5 पर स्थित है।

पुजारी की मान्यता

मंदिर के पुजारी पंडित सदानंद नंदन का कहना है कि सप्तमी की रात्रि में ग्रामवासी विशेष निशा पूजा करते हैं, जिससे जीवन के समस्त विघ्न-बाधाओं का नाश होता है। उन्होंने बताया कि माता की आराधना करने वाला कोई भी भक्त खाली हाथ नहीं लौटता।

डांडिया दीवाने के बैनर तले भव्य डांडिया महोत्सव का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। शहर के आरबीआर स्कूल परिसर में डांडिया दीवाने समिति की ओर से सोमवार की रात भव्य डांडिया महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन समिति अध्यक्ष डॉ. शिशिर विश्वास एवं अन्य पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। समिति अध्यक्ष शुभम सिंह ने बताया कि महोत्सव का आयोजन मूल रूप से आरबीआर के खेल मैदान में होना था, लेकिन मौसम को देखते हुए इसे विद्यालय प्रांगण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में करीब 100 परिवारों के लगभग 500 सदस्य शामिल हुए, जबकि कुल उपस्थिति एक हजार से अधिक रही। महोत्सव में रफीगंज बाजार एवं आसपास के गांवों से लोग पास लेकर पहुंचे और पारंपरिक परिधान में डांडिया

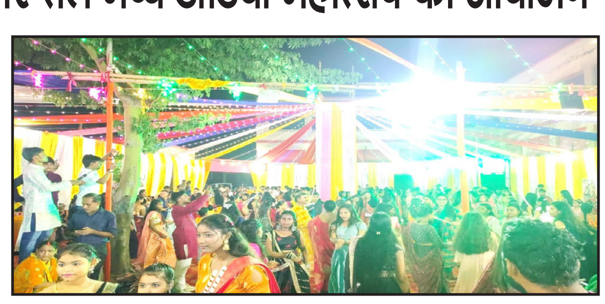

नृत्य का आनंद उठाया। महिलाओं ने साड़ी और सूट तो पुरुषों ने धोती-कुर्ता और कुर्ता-पायजामा पहनकर अपनी संस्कृति का प्रदर्शन किया। समिति की ओर से स्पष्ट किया गया कि पारंपरिक ड्रेस कोड इसलिए अनिवार्य रखा गया ताकि नई पीढ़ी अपनी संस्कृति और परंपरा से जुड़ी रहे। कार्यक्रम में प्रशासनिक सहयोग भी सराहनीय रहा। मौके पर सर्किल इंस्पेक्टर रामजी प्रसाद, थानाध्यक्ष शंभू कुमार, एसआई कुशो कुमार, ध्रुव कुमार, सुनील कुमार वर्मा और संतोष कुमार साहू मौजूद रहे। इसके अलावा समिति सदस्य सुमित शौंडिक, रोहित कुमार, हार्दिक सिंह, आलोक चौरसिया, अनूप कश्यप, राहुल कुमार, सनी कुमार, अंशु कुमार, अमन शौंडिक, विक्की कश्यप, अंकित कुमार, अभिषेक कुमार उर्फ छोटू, करण कुमार, प्रांशु सिंह सहित एनसीसी कैडेट्स ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

तेज रफ्तार पिकअप वैन ने बाइक को मारी टक्कर

जहानाबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जहानाबाद जिले में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को एनएच-22 बायपास पर शहबाजपुर के पास एक भयंकर सड़क हादसा हुआ, जब तेज रफ्तार पिकअप वैन ने सड़क किनारे खड़ी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप वैन अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान जहानाबाद के कसई गांव निवासी आकाश कुमार और शिवम् कुमार के रूप में हुई। दोनों युवक एक ही बाइक से जा रहे थे और रास्ते में शौच के लिए बाइक को किनारे रोका था। इसी दौरान पिकअप वैन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर के कारण बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों युवक सड़क पर लहूलुहान होकर गिर पड़े।

स्थानीय लोगों की तत्परता से बची जान

हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद एक युवक की हालत नाजुक बताते हुए उसे पटना रेफर कर दिया। समय पर मदद मिलने से दोनों की जान फिलहाल सुरक्षित बताई जा रही है, लेकिन उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद पिकअप वैन का चालक मौके से फरार हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चालक ने वाहन को संभालने की कोशिश की, लेकिन तेज रफ्तार के कारण संतुलन बिगड़ गया। पुलिस ने पिकअप वैन और बाइक को अपने कब्जे में लेकर पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

तेज रफ्तार और नियमों की अनदेखी से बढ़ रहे हादसे

एनएच-22 बायपास बनने से आवाजाही तो आसान हुई है, लेकिन तेज रफ्तार, ओवरटेक की होड़ और सड़क किनारे अनावश्यक वाहन खड़ा करने की प्रवृत्ति ने इसे दुर्घटनाओं का अड्डा बना दिया है। ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि वाहन चालकों की छोटी सी लापरवाही न केवल उनकी बल्कि दूसरों की जान के लिए भी खतरा बन सकती है। पुलिस प्रशासन ने जनता से अपील की है कि सड़क पर हमेशा ट्रैफिक नियमों का पालन करें, गति सीमा का ध्यान रखें और सड़क किनारे अनावश्यक रूप से वाहन न खड़ा करें। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि सड़क पर लगे साइन बोर्ड और संकेत यात्रियों की सुरक्षा के लिए लगाए गए हैं और उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

नीतीश सरकार की योजनाओं का असर, हर क्षेत्र में हो रहा विकास : डॉ. निर्मल

शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और पेयजल के क्षेत्र में दिख रहा बड़ा बदलाव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

डिहरी ऑन-सोन। जनता दल (यू) के वरिष्ठ नेता डॉ. निर्मल कुशवाहा ने कहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में सासाराम विधानसभा क्षेत्र सहित पूरे बिहार में विकास कार्यों ने नई ऊंचाइयां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अब गांव-गांव और हर वर्ग तक पहुंच चुका है। डॉ. कुशवाहा ने बताया कि 'हर घर नल का जल' योजना के तहत सासाराम विधानसभा क्षेत्र के 85% से अधिक घरों तक शुद्ध पेयजल पहुंचाया जा चुका है। वहीं 'हर घर बिजली' योजना से 98% घरों में रोशनी पहुंची है। पक्की गली-नाली निर्माण से गांवों की तस्वीर बदल गई है और स्वच्छता की दिशा में बड़ा कदम उठा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में भी व्यापक सुधार हुआ है। 30 से अधिक स्कूलों का नवीनीकरण कराया गया है जिससे बच्चों को पढ़ाई का बेहतर माहौल मिला है। छात्र-छात्राओं को साइकिल, पोशाक और छात्रवृत्ति योजनाओं से सीधा लाभ हो रहा है। इसके परिणामस्वरूप बालिका शिक्षा में उपस्थिति 92% तक पहुंच गई है। डा कुशवाहा ने सासाराम विधानसभा क्षेत्र के तिलौथू प्रखंड के बसडीहा, उचैला, रेड़ियां, नयका गांव सहित कई गांव में जाकर जन संवाद कर मुख्यमंत्री के विकास कार्यों की चर्चा की। स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की चर्चा करते हुए डॉ. कुशवाहा ने कहा कि सासाराम सदर अस्पताल व अनुमंडलीय अस्पतालों को आधुनिक उपकरणों और अतिरिक्त डॉक्टरों से सुसज्जित किया गया है। मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत गरीब मरीजों को मुफ्त दवा और इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। बुनियादी ढांचे की बात करते हुए उन्होंने कहा कि सासाराम-बिक्रमगंज, सासाराम-कोचस और सासाराम-डिहरी मार्ग का चौड़ीकरण कर दिया गया है। ग्रामीण इलाकों में भी पक्की सड़कें बनाई गई है जिससे व्यापार और आवागमन दोनों आसान हुए हैं। उन्होंने किसानों और युवाओं पर सरकार की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि कृषि रोडमैप से किसानों को आधुनिक उपकरण और वैज्ञानिक पद्धति की जानकारी मिल रही है। वहीं कुशल युवा कार्यक्रम के तहत हजारों युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। चुनावी माहौल की ओर इशारा करते हुए डॉ. कुशवाहा ने कहा कि जनता साफ कह रही है – 'विकास दिख रहा है'। यही भरोसा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जदयू को लगातार मजबूती दे रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में भी बिहार और सासाराम निरंतर प्रगति की राह पर अग्रसर रहेगा। इस मौके पर जदयू नेता गुड्डू पटेल, मुन्ना कुशवाहा, संतोष सिंह कुशवाहा, विकास सिंह, विंध्याचल पासवान, शिवलाल पासवान, के के सिंह सहित कई अन्य उपस्थित थे।

तिलौथू के रेड़िया ग्राम पहुंचे डा निर्मल कुशवाहा

मृतक के परिजनों से मिलकर दी सांत्वना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

डिहरी ऑन-सोन। सासाराम विधानसभा क्षेत्र के तिलौथू थाना क्षेत्र में सोमवार की अहले सुबह बड़ा सड़क हादसा हो गया। ट्रक और ऑटो की भीषण भिड़ंत में रेवड़ियां ग्राम के तीन लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। दुःखद खबर सुनते ही जदयू के वरिष्ठ नेता डॉ निर्मल कुशवाहा ने रेडिया ग्राम पहुंचे और परिजनों से मिल कर सांत्वना दी। इस दर्दनाक हादसे के बाद मृतक के गांव और परिजनों में कोहराम मच गया। दशहरा की खुशियां मातम में बदल गई। डाक्टर कुशवाहा के साथ स्थानीय लोग मौजूद रहे।

सीएम ने किया वन स्टाप सेन्टर भवन का उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भभुआ। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कैमूर जिले के दुमदुम गांव में लाखों रुपए की लागत से नव निर्मित वन स्टाप सेन्टर का उद्घाटन किया। वन स्टाप सेन्टर के नए भवन में पीड़ित महिलाओं के लिए पांच बेड के कमरे का निर्माण भी किया गया है। महिला हेल्पलाइन की परियोजना प्रबंधक विनिता गुप्ता ने बताया कि वन स्टाप सेन्टर में महिलाओं के घरेलू हिंसा, दहेज प्रथा, दहेज के लिए प्रताड़ना, बाल विवाह आदि मामलों की सुनवाई व निष्पादन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पहले वन स्टाप सेन्टर कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित एक भवन में चल रहा था।

बिहार की नंबर वन गार्गी पाठशाला का सम्मान सासाराम की नूतन पाण्डेय को मिला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

सासाराम। पटना के बी.डी. पब्लिक स्कूल में गार्गी अध्याय द्वारा नवरात्रि सांस्कृतिक संध्या 2025 का भव्य आयोजन लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान के बैनर तले संपन्न हुआ। इस अवसर पर नौ देवियों का सम्मान किया गया। साथ ही गार्गी अध्याय सासाराम रोहतास की जिला मुख्य समन्वयक नूतन पाण्डेय को बिहार का नंबर वन गार्गी पाठशाला के सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्होंने सासाराम अमरा तालाब स्थित गार्गी पाठशाला में सर्वाधिक शिक्षा से वंचित बच्चों को इस पाठशाला से जोड़ने एवं नियमित रूप से कक्षा संचालन सुनिश्चित करने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। गार्गी पाठशाला से जुड़ी महिलायें आज पूरे बिहार में शिक्षा की अलख जगा रही है। इस अभियान से जुड़कर 20,000 से अधिक बच्चे निःशुल्क शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। अब तक 14 जिले में 27 निःशुल्क शिक्षा केंद्र जिसमें 10 जिला में चलने वाले 22 केन्द्र महिलाओं द्वारा संचालित किये जा रहे हैं। इस नवरात्रि में भागलपुर जिले के नौगछिया में एक पाठशाला का शुभारंभ होने जा रहा है। गार्गी

पाठशाला ने केवल शिक्षा की लौ नहीं जलाई है, बल्कि समाज में आशा और प्रेरणा का वातावरण भी बनाया है। लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान के मुख्य संरक्षक आई.पी.एस अधिकारी विकास वैभव ने कहा कि नूतन पाण्डेय ने शिक्षा के क्षेत्र में जिस निष्ठा और समर्पण से कार्य किया है, वह वास्तव में अनुकरणीय है। उन्होंने जिन बच्चों को शिक्षा से जोड़ा, वह आने वाले समय में समाज के लिए प्रेरणा बनेगा। गार्गी अध्याय की मुख्य समन्वयक डा. प्रीति बाला ने अपने विचार रखते हुए कहा कि गार्गी पाठशाला केवल शिक्षा का केंद्र नहीं है, बल्कि यह उन बच्चों के सपनों को साकार करने का माध्यम है जो अब तक शिक्षा से वंचित थे। नूतन पाण्डेय का योगदान गार्गी अध्याय की असली शक्ति है।

डीडीयू मंडल के 13,761 रेलकर्मियों को मिला बोनस

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

डिहरी ऑन-सोन। रेल मंत्रालय द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 के लिए उत्पादकता लिंक्ड बोनस को भारत सरकार ने 24 सितम्बर 2025 को अनुमोदित किया। इस निर्णय के तहत पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल के कुल 13,761 पात्र अराजपत्रिक रेलकर्मियों को चौबीस करोड़ चालीस लाख पच्चीस हजार दो सौ चार रुपये का बोनस प्रदान किया गया है। बोनस का निर्धारण 78 आधार दिवसों के आधार पर किया गया जिससे प्रत्येक पात्र कर्मचारी को अधिकतम 7,000 प्रति माह की सीमा के आधार पर भुगतान सुनिश्चित हुआ। औसतन प्रति कर्मचारी 17,951 की राशि प्राप्त हुई जो उनके समर्पण और कार्यकुशलता की सराहना का प्रतीक है। विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि डीडीयू मंडल के कार्मिक एवं वित्त विभागों द्वारा की गई त्वरित और समन्वित व्यवस्था के चलते, आधिकारिक परिपत्र जारी होने के मात्र 24 घंटे के भीतर सभी पात्र कर्मचारियों के खातों में बोनस राशि का भुगतान सफलतापूर्वक संपन्न कर दिया गया।

पंडालों का पट खुलते ही दर्शन के लिए उमड़ी भीड़

दरिहट मनोकामना पूर्ण मंदिर में आज लगेगा 56 भोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अकोढ़ीगोला। नवरात्र के सप्तमी के दिन सोमवार को क्षेत्र के सभी पंडालों में मां का प्रतिमा स्थापित कर पट खोला गया। पंडालों का पट खुलते ही माता के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। स्व. अजित कुमार सिंह मेमोरियल क्लब दुर्गा पूजा समिति मझिआंव में नवरात्र के सप्तमी तिथि को मां दुर्गा के पंडाल का पट खुला। माता की पहले दर्शन के लिए भक्त घंटों इंतजार करते रहे। पट खुलते ही माता का जयकारों से पूरा पंडाल गूंज उठा। पूरा माहौल भक्तिमय माता के जयकारा से गूंज रहा था। वही पूजा पंडाल का उद्घघाटन मुखिया अनिल कुमार ने फीता काटकर किया। मौके पर कमिटी अध्यक्ष यश प्रताप सिंह, पैक्स अध्यक्ष नीरज कुमार, बिजय कुमार, सुनील कुमार साह, तेज कुमार साह, अरविंद कुमार साह, शैलेन्द्र सिंह, भीम साह, ललित सिंह, कामता यादव, ढुनमुन सिंह, प्रियरंजन सिंह, उपेंद्र यादव, सुशील यादव आदि मौजूद थे। वहीं दूसरी ओर दरिहट स्थित मनोकामना पूर्ण मंदिर में स्थापित मां दुर्गा का श्रृंगार कर पट खोला गया जहां मां का दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। वहीं कमिटी के सदस्यों ने बताया कि प्रत्येक वर्ष मां का वृहद तरीके से श्रृंगार किया जाता है। इसके बाद पट खोला जाता है। वही अष्टमी के दिन माता रानी के 108 नामों से दीप प्रज्वलित करते हुए 56 प्रकार का भोग लगाई जाती है। वहीं नवमी के दिन भव्य तरीके से हवन पूजन व हजारों कन्याओं का चरण पूजन किया जाता है। इस बार भण्डारे का भी आयोजन किया जा रहा है।

रेलवन ऐप यात्रियों की सभी आवश्यक सेवाओं के लिए एक वन-स्टॉप सॉल्यूशन

ऐप से कहीं से भी किसी भी समय ले सकते हैं रेलवे टिकट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

डिहरी ऑन-सोन। भारतीय रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु विकसित की गई आधुनिक तकनीक आधारित सेवाएं–रेलवन ऐप एवं एटीवीएम–डीडीयू मंडल में सफलतापूर्वक संचालित हो रही हैं। ये सेवाएं निरंतर उपलब्ध हैं और विशेष रूप से दुर्गापूजा, दशहरा, दीपावली, छठ एवं कार्तिक पूर्णिमा जैसे त्योहारी मौसम में यात्रियों को भारी भीड़ के बीच भी सुविधाजनक यात्रा का लाभ प्रदान कर रही हैं। पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल के अंतर्गत पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, गया, डिहरी ऑन सोन, सासाराम, अनुग्रह नारायण रोड एवं भभुआ रोड सहित सभी स्टेशनों के यात्री रेलवन ऐप का लाभ उठा सकते हैं। भारतीय रेल का नवीनतम रेलवन सुपर ऐप यात्रियों को एक ही मंच पर सभी प्रमुख डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराता है। यह ऐप पुराने रेलकनेक्ट और यूटीएस ऐप को एकीकृत करता है और एंड्रॉयड व आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है। इसके अलावा डीडीयू मंडल के 6 प्रमुख स्टेशनों पर कुल 22 स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीन लगाए गए हैं। इन मशीनों से यात्री स्मार्ट कार्ड या यूपीआई के माध्यम से अनारक्षित एवं प्लेटफॉर्म टिकट खरीद सकते हैं। टिकटिंग प्रक्रिया को आसान बनाने हेतु स्टेशनों पर फैसिलिटेटर भी तैनात किए गए हैं। इन मोबाइल टिकटिंग सुविधाओं के माध्यम से यात्री अपने स्मार्टफोन से सीधे टिकट खरीद सकते हैं।

श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अकोढ़ीगोला। पति का सेवा ही परमात्मा का सेवा है। स्त्री को अपने पति के सिवा किसी भी पुरुष को किसी भी तरह की साथ घूमना फिरना उठना बैठना यहां तक की पति के सिवा और किसी को गुरु बनाने का विधि अधिकार नहीं है। सती पति के लिए पिता का त्याग कर शरीर का भी त्याग कर देती है। उक्त बातें राष्ट्रीय कथावाचक ब्रज किशोर चंद्र शास्त्री जी महाराज ने डिहरी प्रखंड के दहाउर गांव में चल रहे नौ दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के दौरान कही। उन्होंने कहा कि अजामिल अपने पुत्र का नाम नारायण रखकर उतर गया पुत्र का नाम नारायण राम कृष्णा हनुमान या शास्त्र सम्मत नाम रखना चाहिए नाम का हमारे जीवन में बहुत बड़ा प्रभाव होता है। पश्चिमी सभ्यता के अनुसार और गूगल से अपने मन के अनुसार नाम का चुनाव करके नाम रखना बहुत अच्छा नहीं कहा जाएगा।

मां मुंडेश्वरी धाम में देश-विदेश से श्रद्धालुओं का जमावड़ा

सिर्फ अक्षत पुष्प मारने से ही बकरा हो जाता है मूर्छित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भभुआ। मां मुंडेश्वरी धाम नवरात्रि के अवसर पर लाखों श्रद्धालुओं के दर्शन से गुलजार हो गया है। मां मुंडेश्वरी धाम की मान्यता है कि मन्नत मांगने पर पूरा हो जाता है और पूरा होने पर लोग बकरा चढ़ाते हैं जिसको अच्छत पुष्प मारने के बाद ही बकरा मूर्छित हो जाता है और फिर अच्छत पुष्प मारने के बाद बकरा जीवित होता है। ऐसी अनोखी बली प्रथा विश्व में कहीं नहीं दिया जाता। इसी प्रथा को देखने के लिए देश ही नहीं बल्कि विदेशों से लोग आते हैं। प्रखंड विकास पदाधिकारी अंकिता शेखर ने बताया कि यह मंदिर दुनिया का सबसे प्राचीन हिंदू मंदिर माना जाता है जहां महामंडलेश्वर शिवजी अपने परिवार सहित विराजमान हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यहां होने वाली बली पूरी तरह अहिंसक है। बकरा को माता के चरणों में लेटाकर अच्छत फूल मारा जाता है तो बकरा बेहोश हो जाता है और अक्षत-फूल चढ़ाने के बाद फिर जीवित हो उठता है। इसी आस्था के कारण देश ही नहीं बल्कि विदेशों से भी बड़ी संख्या में लोग यहां दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से कतार में रहकर दर्शन करने और ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील की है। मुंडेश्वरी धाम के लेखा पाल गोपाल कृष्ण ने जानकारी दी कि यह अष्टकोणीय मंदिर श्री यंत्र के आकार का है। यहां सभी श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूरी होने का विश्वास है। नवरात्रि के दिनों में आज 2 लाख से अधिक लोग यहां दर्शन के लिए पहुंचे हैं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करते हुए मंदिर परिसर और आसपास 25 सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं। हर गतिविधि पर निगरानी रखी जा रही है। मंदिर के पुजारी मुन्ना द्विवेदी ने बताया कि नवरात्र के दौरान प्रतिदिन लगभग 2 लाख श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचते हैं। मान्यता है कि 625 ईसा पूर्व से यह मंदिर अस्तित्व में है। यहां शिव-पार्वती समेत पूरा परिवार विराजमान है और मूंड राक्षस का वध करने पर देवी को मुंडेश्वरी कहा गया। श्रद्धालु लक्ष्मीना देवी ने बताया कि उनके भाई की मन्नत पूरी होने पर वे बली चढ़ाने माता के दरबार में पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि मां मुंडेश्वरी के आशीर्वाद से बेटा हुआ और अब वे वचन पूरा करने आई हैं।

डिहरी के विकास की नई उम्मीद बने जन सुराज के डॉ. अमिताभ

बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर जनता के बीच बना रहे हैं मजबूत पकड़

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

डिहरी ऑन-सोन। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर डिहरी विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इस बीच जन सुराज के वरिष्ठ नेता डॉ. अमिताभ जनता के बीच सक्रिय होकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। उन्हें क्षेत्र का संभावित प्रत्याशी माना जा रहा है और उनकी बढ़ती लोकप्रियता से साफ है कि वे यहां की राजनीति में नई ऊर्जा भर रहे हैं। डॉ. अमिताभ लंबे समय से समाजसेवा और जनआंदोलनों से जुड़े रहे हैं। उनकी पहचान एक ईमानदार, साफ-सुथरी छवि वाले नेता के रूप में है। वे शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान और युवाओं से जुड़े मुद्दों को लगातार उठाते रहे हैं। यही कारण है कि डिहरी की जनता उन्हें विकास और बदलाव की उम्मीद के तौर पर देख रही है।

स्थानीय समस्याएं और डॉ. अमिताभ का विजन

डिहरी की सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी है। बड़ी संख्या में युवा रोजगार की तलाश में बाहर पलायन कर रहे हैं। इस पर चिंता जताते हुए डॉ. अमिताभ ने कहा कि यदि जनता उन्हें मौका देती है तो वे डिहरी में स्थानीय उद्योग और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने पर जोर देंगे, ताकि नौजवान अपने घर पर ही काम पा सकें। दूसरी अहम चुनौती स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल स्थिति है। सदर अस्पताल और अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में न तो पर्याप्त डॉक्टर हैं और न ही आधुनिक उपकरण। डॉ. अमिताभ का कहना है कि वे स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाना अपनी प्राथमिकता बनाएंगे और 'हर गरीब तक सस्ती और गुणवत्तापूर्ण इलाज' पहुंचाने का काम करेंगे। शिक्षा व्यवस्था को लेकर भी उन्होंने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि डिहरी और आसपास के इलाकों में स्कूलों की इमारतें हैं, लेकिन शिक्षा की गुणवत्ता नहीं। वे यहां मॉडल स्कूल और तकनीकी संस्थानों की स्थापना की दिशा में काम करना चाहते हैं। ताकि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के बच्चों को समान अवसर मिले।

जनता से सीधा संवाद

डॉ. अमिताभ इन दिनों गांव-गांव और मोहल्लों का दौरा कर रहे हैं। वे जन संवाद कार्यक्रम के माध्यम से सीधे जनता से मिल रहे हैं और उनकी समस्याओं को सुनकर प्राथमिकता तय कर रहे हैं। आम नागरिकों का कहना है कि वे सिर्फ भाषण नहीं देते, बल्कि हर व्यक्ति से बैठकर चर्चा करते हैं और समस्या का समाधान खोजने का भरोसा दिलाते हैं। आम नागरिकों से लेकर व्यापारी और बुद्धिजीवी वर्ग तक में उनके प्रति भरोसा बढ़ रहा है। डिहरी विधानसभा क्षेत्र में चुनावी समीकरण लगातार बदल रहे हैं, लेकिन डॉ. अमिताभ का जनाधार दिन-ब-दिन मजबूत होता दिखाई दे रहा है। जनता उन्हें एक नए विकल्प और ईमानदार नेतृत्व के रूप में देख रही है। अगर वे चुनाव मैदान में उतरते हैं तो उनकी मौजूदगी न केवल चुनाव को रोमांचक बनाएगी बल्कि डिहरी की राजनीति में नई दिशा भी दे सकती है।

आयुर्वेद के क्षेत्र में मेहनत और हौसले के बल पर शून्य से शिखर पर पहुंचे डॉ. सुनील कुमार दूबे

अमेरिका से पीएचडी की डिग्री हासिल करने के बाद आयुर्वेद के क्षेत्र में कर रहे हैं नाम रोशन

जीवन में तरक्की केवल शिक्षा से ही नहीं मिलती है, बल्कि हिम्मत, हौसले व मेहनत के बल पर लोग शून्य से शिक्षर पर पहुंच सकते हैं इसका जीवंत उदाहरण प्रख्यात आर्युवेदाचार्य और दूबे क्लिनिक के निदेशक डॉ सुनील कुमार दूबे हैं, जिन्होंने पिता का सपना साकार करने के लिए एमबीबीएस की

पढ़ाई छोड़ कर आयुर्वेद की पढ़ाई के लिए अमेरिका गये वहां आयुर्वेद पढ़ कर रिसर्च करने के अलावा ने सिर्फ डाक्टरेट की डिग्री हासिल की बल्कि आयुर्वेद के क्षेत्र अलग मुकाम बना लिया है. पटना आकर विपरीत परिस्थिति में डॉ दूबे परिवार को संबल देने का काम किया बल्कि सैकड़ों लोगों को काम देकर उनके आदर्श बन गये हैं.

अमेरिका एवं यूरोप भी भेजी जाती दवाई

सर गणेश दत्त हाइ स्कूल से प्रारंभिक शिक्षा हासिल करने के बाद सूर्यमुख दिनेश आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज रांची से बीएमएस हासिल करने के बाद अमेरिका जाकर गुप्त एवं यौन रोग पर रिसर्च कर डॉक्टरेट की डिग्री हासिल की. लंगर

टोली स्थित दूबे क्लिनिक के निदेशक डॉ सुनील कुमार दूबे ने बताया कि मेरी दवाइयां भारत ही नहीं अमेरिका एवं यूरोप भी भेजी जाती है. मरीजों को सिर्फ व्हाट्सप अपनी बीमारी का ब्योरा भेजना पड़ता है. उसके बाद दवाई के माध्यम से भेज दिया जाता है.

राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय अवार्ड से हो चुके हैं सम्मानित

आयुर्वेद के क्षेत्र में नाम रौशन करने वाले डॉ सुनील कुमार दूबे को कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्री स्तर का सम्मान मिल चुका है. हाल ही में दुबई सरकार ने आयुर्वेद के क्षेत्र में शोध करने के लिए गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया था. भारत गौरव अवार्ड, आर्युवेद चिकित्सा अवार्ड, बिहार गौरव और बिहार रत्न का अवार्ड मिल चुका है.

10 बीमारियों पर कर चुके हैं रिसर्च

अपने 20 वर्ष की प्रैक्टिस में आयुर्वेद के क्षेत्र में डॉ दूबे 10 बीमारियों पर रिसर्च कर चुके हैं, जिसमें बांझपन, यौन एवं गुप्त रोग सहित कई बीमारी शामिल है. डॉ दूबे ने बताया कि पौष्टिक भोजन की कमी एवं नशीली दवाइयों के सेवन से बांझपन की स्थिति उत्पन्न होता है. इसके निदान के लिए शिलाजीत, अश्वगंधा, तुलसी का पत्ता, लहसुन, सफेद प्याज का रस, गिलीय पाउडर का उपयोग करना लाभदायक होता है.

24 घंटे मरीज के सेवा में रहते हैं समर्पित

डॉ सुनील कुमार दूबे मरीजों की सेवा में 24 घंटे

समर्पित रहते हैं. डॉ दूबे ने बताया कि मरीजों की जिंदगी बचना ही मेरी पहली प्राथमिकता है. दूबे क्लिनिक पर मैं सुबह आठ बजे पहुंच जाता हूं और रात्रि 8 बजे तक मरीजों की सेवा में समर्पित रहता हूं. इसके अलावा आवश्यकता पर किसी भी समय मरीज के सेवा में उपस्थित रहता हूं.

बेटे को बनाया एमबीबीएस डॉक्टर

डॉ सुनील कुमार दूबे ने बताया कि मुंबई स्थित इंडिया टॉप मेडिकल कॉलेज में से एक डीवाई पाटील मेडिकल कॉलेज से अपने बेटे को मेडिकल की पढ़ाई कराया. अब एक ही सपना है कि बेटा बड़ा होकर मरीजों के सेवा में समर्पित रहे.

Dubey Clinic

दूबे क्लिनिक

दूबे मार्केट, लंगर टोली चौराहा, पटना-4

व्हाट्सएप : 9835092586 | Web : www. dubeyclinic.com

सहायक चिकित्सक : 9155555112

ईस्ट ब्लॉक में विकास का नया अध्याय, विधायक विजय खेमका ने किया कई योजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। पूर्णिया विधानसभा क्षेत्र के ईस्ट ब्लॉक में सोमवार का दिन विकास कार्यों के नाम रहा। क्षेत्र के विधायक विजय खेमका ने आज विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन कर विकास की नई इबारत लिखी। विधायक निधि से रानीपतरा स्थित सर्वोदय गांधी पुस्तकालय के जिर्णोद्धार कार्य का उद्घाटन कर उन्होंने शिक्षा और पठन-पाठन की दिशा में सार्थक पहल की शुरूआत की। इसके अलावा धनगामा कोहवार स्थान पर शौचालय एवं बाथरूम निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया, जबकि बरबन्ना में आंगनबाड़ी से चौहान तक सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास कर ग्रामीण संपर्कता को मजबूती देने का संकल्प दोहराया गया।

राजीगंज पंचायत में ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा मटियाझमोतीनगर मार्ग तथा गौरा पंचायत में कदवा-डांगी सड़क निर्माण का शिलान्यास भी विधायक ने किया। इन सड़कों के बनने से आसपास के पंचायतों का आवागमन न केवल सुगम होगा बल्कि स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को भी बल मिलेगा। इसी क्रम में दीवानगंज पंचायत के बिलरिया से बरबन्ना तक की आरडब्ल्यूडी सड़क का उद्घाटन भी विधायक के हाथों हुआ, जिससे ग्रामीणों में हर्ष की लहर देखी गई। विधायक विजय खेमका ने मौके पर कहा कि ईस्ट ब्लॉक के विभिन्न पंचायतों में 14 नई सड़कों का पक्कीकरण कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। वहीं ग्रामीण कार्य विभाग के माध्यम से उन्नयन योजना के तहत 40 सड़कों के जिर्णोद्धार कार्य की शुरूआत अगले सप्ताह से की जाएगी। उन्होंने कहा कि गांव अब तेजी से बदल रहे हैं — आज पंचायत भवन, खेल का मैदान, हेल्थ सेंटर, नल-जल योजना, वार्डों में एलईडी लाइट, हर घर बिजली और स्कूलों में भवन जैसी सुविधाएं अब गांवों में उपलब्ध हैं।विधायक ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में पिछले दस वर्षों में पूर्णिया का अभूतपूर्व विकास हुआ है। यह जनसमर्थन और जनता के आशीर्वाद का परिणाम है कि क्षेत्र में विकास की गंगा प्रवाहित हो रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि आगे भी जनता के आशीर्वाद से "कमल" इसी तरह खिलता रहेगा और विकास की रफ्तार और तेज होगी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मनोज गोस्वामी, पानो देवी, मंगल पोद्दार, बिरेन्द्र सिंह, नूतन देवी, दशरथ चौहान, बादल यादव, विनोद मेहता, त्रिभुवन राय, संजय राय, लखविंदर राय, चंद्रभामा देवी, बबलू चौहान, विमल मंडल, शशि चौधरी, दिलीप मेहता, योगेंद्र यादव, मुंशी यादव, मुख्तार आलम, जिला पार्षद मुखिया दिलीप चौहान, योगेंद्र यादव, राजेन्द्र मेहता, हेम नारायण मेहता, मायारानी दास, मंटू चौधरी, दात्ताराम पांडे, जगदीश ऋषि सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

गैस सिलेंडर चोरी करते रंगे हाथ पकड़ा गया चोर, ग्रामीणों ने पुलिस को सौंपा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ केनगर पुलिस ने भेजा जेल, लिखित शिकायत पर दर्ज हुई प्राथमिकी

केनगर/पूर्णिया। केनगर थाना पुलिस ने रात्रि गश्ती के दौरान ग्रामीणों द्वारा पकड़े गए एक गैस सिलेंडर चोर को अपनी हिरासत में लिया। थानाध्यक्ष मुन्ना कुमार पटेल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान बनभाग चुनापुर पंचायत के वार्ड संख्या-6 निवासी स्वर्गीय उर्रफान का पुत्र मो. फैयाज के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, आरोपी ने पड़ोसी मो. मुन्तज़िर के घर से गैस सिलेंडर की चोरी की थी। इसी दौरान गृहस्वामी ने स्थानीय लोगों की मदद से उसे रंगे हाथ पकड़ लिया और तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों से आरोपी को अपने कब्जे में ले लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि पीड़ित गृहस्वामी की लिखित शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। गिरफ्तार नामजद अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

अमौर का आस्था का केंद्र : शिव-दुर्गा मंदिर में भक्तों का अटूट विश्वास

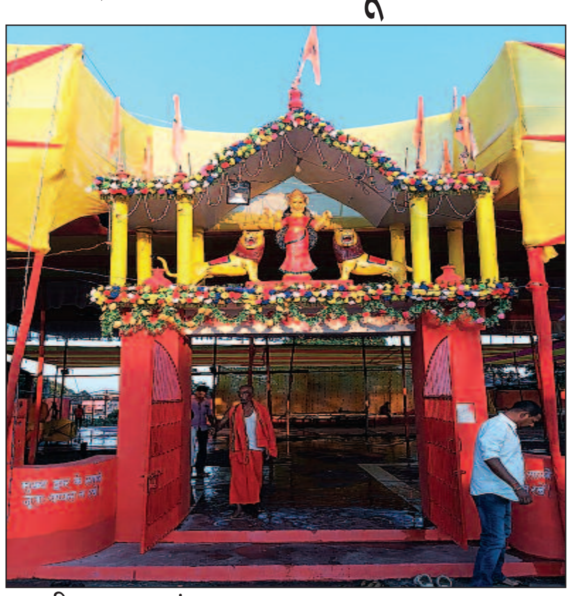

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अमौर/पूर्णिया। सदियों से अमौर-अनुमंडल क्षेत्र में एक ऐसा स्थान है, जहाँ आस्था और इतिहास का संगम देखने को मिलता है। शिव-दुर्गा मंदिर, जो अपनी प्राचीनता और रहस्यमयी कथाओं के लिए विख्यात है, आज भी भक्तों के मन और आत्मा को जोड़ता है। इस मंदिर की प्रसिद्ध किवदंती है—जो भी भक्त सच्चे मन से अपनी मन्नत मांगे, मैय्या उसकी मुराद अवश्य पूरी करती हैं। यही कारण है कि दूर-दूर से श्रद्धालु इस देवीघर में अपनी हाजिरी लगाते हैं और पूरी श्रद्धा के साथ मन्नतें मांगते हैं। मन्नत पूरी होने पर भक्त छागड़ की बलि देकर मां को प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं।

मंदिर के इतिहास पर नजर डालें तो यह और भी रोमांचक कहानी बयां करता है। पुजारी रामदेव गोस्वामी और बुजुर्ग मोहन झा बताते हैं कि अमौरगढ वक्र नामक पहाड़ी नदी के किनारे बसा हुआ था, जो एक ओर नेपाल और दूसरी ओर कलकत्ता से जुड़ता था। अमौरगढ का शासन रामनगर डयोढ़ी के राजा देवानंद द्वारा संचालित किया जाता था। नदी के मुहाने पर पत्थरों से निर्मित सीढ़ियों के माध्यम से नगर में प्रवेश किया जाता था। राजमहल तक चौड़ी सड़कें थीं, और डयोढ़ी के इर्द-गिर्द कई तलाब खुदवाए गए थे। हवेली के भीतर ही एक ऐसी जमींदोज सुरंग बनाई गई थी, जो महल के अंदरूनी हिस्से को जोड़ती थी। रानी सुरंग के माध्यम से तलाब में स्नान करके पूजा-अर्चना करने मंदिर पहुंचती थी। राजा देवानंद के बाद राजा दुलार और राजा परमानंद, तथा राजा हरिलाल के पोते राजा तीथानंद ने गढ़ी के बाहर देविधरा नामक स्थल पर मां दुर्गा की पूजा अर्चना की। माना जाता है कि इसी प्रांत में सर्वप्रथम मिट्टी की मूर्ति बनाकर देवी की पूजा आरंभ की गई। राजा देवानंद, परमानंद, राजा दुलार और राजा हरिलाल के संरक्षण में अमौर शीघ्र ही एक समृद्ध बाजार के रूप में विकसित हुआ। इतना ही नहीं, राजा ने मुसलमानों के लिए पीरबाबा का मजार भी बनवाया, जिसकी देखरेख भी सुनिश्चित की जाती थी। आज भी यह देवीघर और पीरबाबा का मजार विद्यमान हैं।समय के साथ राजसाही समाप्त हुई, लेकिन मंदिर और मजार का महत्व कभी कम नहीं हुआ। वर्तमान में अमौर थाना पुलिस मंदिर की पूजा-अर्चना और मजार का प्रबंधन करती है। नवमी के दिन भक्तों का विशेष उत्साह देखने को मिलता है। दर्शन के पश्चात मुढ़ी, घुघनी और जलेबी खाकर नौ दिनों से बिना नमक का उपवास तोड़ा जाता है। सदियों से चली आ रही प्रथा के तहत आज भी छागड़ की बलि मां दुर्गा को अर्पित की जाती है। यहाँ मेला भी लगता है, जो मां काली के विसर्जन के बाद ही समाप्त होता है। शहर की हलचल और बदलती दुनिया के बीच यह मंदिर आज भी आस्था और विश्वास का स्थायी प्रतीक बना हुआ है, जहाँ भक्त अपने दिल की पूरी ईमानदारी और श्रद्धा लेकर आते हैं, और अपनी मन्नतें पूरी होने की आशा में मैय्या के दरबार में हाजिरी लगाते हैं।

कन्या रूप में मां दुर्गा की आराधना : सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में हुआ भावपूर्ण पूजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ श्रद्धा, संस्कार और संस्कृति का हुआ संगम, नन्हीं बालिकाओं को नवदुर्गा स्वरूप में किया पूजित

बनमनखी/पूर्णिया। आस्था और भक्ति का संगम बना सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, जहां शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर कन्या पूजन कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव से किया गया। इस दौरान अरुण वर्ग की नन्हीं बालिकाओं को माँ दुर्गा के नौ रूपों में सुसज्जित कर पूजा-अर्चना की गई। माँ दुर्गा की स्तुति और मंगल ध्वनि के साथ विद्यालय परिसर भक्ति भाव से गूंज उठा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य धीरेन्द्र मालाकार ने की। उन्होंने वंदना सभा के माध्यम से कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि कन्या रूप में मातृशक्ति की पूजा मात्र परंपरा नहीं, बल्कि यह संस्कारों और संस्कृति का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि कन्या स्वरूप में विद्यमान मातृशक्ति की आराधना से सुख-समृद्धि, शांति और जीवन में प्रकाश की प्राप्ति होती है।मालाकार ने कहा कि नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ रूपों की उपासना मानव जीवन को बुरे कर्मों और अज्ञानता से दूर रखकर सद्गुणों की राह दिखाती है। संस्कारों की यह परंपरा नई पीढ़ी को अपने मूल और धर्म से जोड़ने का कार्य करती है।

तेज रफ्तार वाहन ने दो मासूमों की छीनी जिंदगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ शराब पीकर वाहन चलाने की लापरवाही ने परिवारों पर डाला अकल्पनीय शोक

अमौर/पूर्णिया। अमौर प्रखंड के सखुआ टोला में एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ, जिसमें हुंडई चारपहिया वाहन (इफ 11इफ8472) की तेज रफ्तार और शराब के नशे में नियंत्रण खोने से दो नन्हीं बच्चियों की मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना में सुरेश हेंब्रम की बेटी राजनंदनी कुमारी और गंगाराम हेमराम की बेटी मोनिका कुमारी शहीद हुईं।

स्थानीय लोग बताते हैं कि वाहन खेतों में अनियंत्रित होकर बच्चों को रौंदता हुआ गुजरा। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने मौके पर जांच शुरू कर दी है और वाहन चालक के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद पूरा इलाका शोक में डूब गया। राजनीतिक दलों और स्थानीय समाज के लोग पीड़ित परिवारों से मिलने और उन्हें सांत्वना देने पहुंचे। प्रशासन ने भी परिवारों के लिए आवश्यक राहत और सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया। यह हादसा न केवल परिवारों के लिए अपूरणीय क्षति है, बल्कि यह सड़क सुरक्षा और शराब के सेवन पर नियंत्रण की अनदेखी की गंभीर चेतावनी भी है।

डगरूआ में अल्पसंख्यक कल्याण का नया अध्याय

बहुउद्देशीय भवन का शिलान्यास

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए किया उद्घाटन

विकास योजनाओं को मिली नई उड़ान

पूर्णिया/डगरूआ। पूर्णिया जिले के डगरूआ प्रखंड में सोमवार को अल्पसंख्यक कल्याण के क्षेत्र में एक नया मील का पत्थर स्थापित हुआ। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना स्थित ह्यसंकल्पह्न से बहुउद्देशीय भवन का शिलान्यास और विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रिमोट से किया।

वक्फ विकास योजना के तहत तैयार यह बहुउद्देशीय भवन विशेष रूप से अल्पसंख्यक समुदाय के लिए है। भवन में सेमिनार, विवाह और अन्य सामाजिक-सांस्कृतिक अवसरों का आयोजन किया जा सकेगा, जिससे स्थानीय समुदाय को सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए सुविधाजनक स्थल उपलब्ध होगा। सहायक निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण, पूर्णिया ने बताया कि भवन निर्माण की कुल लागत 9.81 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा, 'यह बहुउद्देशीय भवन समुदाय के लोगों के लिए सामाजिक-सांस्कृतिक आयोजनों में नई सुविधा और सहजता लेकर आएगा। इससे हमारे समाज में सहयोग और समरसता की भावना और मजबूत होगी।' विशेषज्ञों के अनुसार, इस तरह की पहल न केवल स्थानीय अल्पसंख्यक समुदाय के विकास में सहायक होगी, बल्कि प्रदेश में कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन और सामाजिक समावेश को भी नई दिशा देगी।

जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में बैंकिंग योजनाओं की समीक्षा, दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ वित्तीय समावेशन और रोजगार सृजन योजनाओं की प्रगति पर विशेष जोर

पूर्णिया। जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार की अध्यक्षता में 29 सितंबर 2025 को प्रज्ञान सभागार में जिला स्तरीय समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिले के सभी बैंकों के क्षेत्रीय प्रबंधक, जिला समन्वयक, शाखा प्रबंधक तथा गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFCs) के शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान डीएम ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम (PMFME), प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP) एवं मुख्यमंत्री महिला स्वरोजगार योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि इन योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों तक समयबद्ध ढंग से पहुँचे, इसके लिए बैंकिंग स्तर पर सक्रियता और पारदर्शिता अनिवार्य है।जिला पदाधिकारी ने कहा कि आत्मनिर्भरता और स्वरोजगार को गति देने वाली इन योजनाओं का सार्थक क्रियान्वयन ही जिले की आर्थिक प्रगति की कुंजी है। उन्होंने सभी बैंक प्रतिनिधियों को लक्ष्य आधारित कार्ययोजना बनाकर तेजी से ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया पूर्ण करने का निर्देश दिया।इस मौके पर सहायक समाहर्ता पूर्णिया, उप विकास आयुक्त पूर्णिया, अपर समाहर्ता (विधि-व्यवस्था), अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) सहित संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

वैश्य समाज में उठे सवाल : बिहार भाजपा चुनाव अभियान समिति में तार किशोर प्रसाद का नाम न होना चिंता का विषय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ कोशी और सीमांचल में वैश्य समाज में असंतोष, नेताओं की नीतियों पर उठे गंभीर सवाल

पूर्णिया। भारतीय जनता पार्टी के आगामी विधानसभा चुनाव अभियान समिति में वैश्य समाज के कद्दावर नेता तार किशोर प्रसाद का नाम न होने से पूरे वैश्य समाज में असंतोष और सवाल उठने लगे हैं।

अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश महामंत्री (संगठन) - सह प्रभारी पूर्णिया, कोशी और भागलपुर प्रमंडल, अनिल कुमार साहा ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा कि वैश्य समाज के वोटर भाजपा का मूल आधार हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में वैश्य कोटे से नियुक्त नेताओं ने समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने की बजाय वैश्य समाज के ही लोगों को नीचा दिखाने का काम किया है।अनिल कुमार साहा ने कहा कि बिहार सरकार में भाजपा समर्थित नेताओं के माध्यम से वैश्य कोटे से पदस्थापित नेताओं के खिलाफ लगातार विवादित मामले उजागर होते रहे हैं, जिससे समाज का मान-सम्मान प्रभावित हुआ है। उन्होंने स्पष्ट किया कि तार किशोर प्रसाद जैसे अनुभवी और समाज में प्रतिष्ठित नेता का चुनाव अभियान समिति में नाम न होना सीमांचल समेत पूरे प्रदेश में वैश्य समाज के लिए निराशा का कारण है।प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल से जब इस मामले पर प्रतिक्रिया मांगी गई, तो उन्होंने गोल मटोल जवाब देते हुए मूल प्रश्नों का जवाब देने से इनकार कर दिया।अनिल कुमार साहा ने कहा कि इस रवैये से वैश्य समाज में यह संदेश गया है कि किसी भी नेता को समाज के लिए प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। उन्होंने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अपील की कि समय रहते इस विषय में संज्ञान लिया जाए। उनका कहना है कि यदि ऐसे मामलों को नजरअंदाज किया गया तो आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में वैश्य समाज अपने मत का प्रयोग सोच-समझ कर करेगा, और इसके परिणाम भाजपा के लिए गंभीर हो सकते हैं।

पूर्णिया, केनगर और चम्पानगर में पुलिस अलर्ट

दुगार्पूजा में सुरक्षा का दमन नहीं, बल्कि सुरक्षा का संदेश

■ शांति और सौहार्द का माहौल बनाये रखने को प्रशासन की मुस्तैद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

केनगर /पूर्णिया । पूर्णिया के नगर थाना क्षेत्र एवं चम्पानगर थाना क्षेत्र में दुगार्पूजा को लेकर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। सोमवार की संध्या के अवसर पर केनगर थाना पुलिस ने एक भव्य फ्लैग मार्च का आयोजन किया, जिसका नेतृत्व दंडाधिकारी बीडीओ आशीष कुमार और सीओ दिवाकर कुमार ने संयुक्त रूप से किया।

फ्लैग मार्च की शुरूआत केनगर थाना से हुई और यह केनगर प्रखंड मुख्यालय स्थित चौक, काझा, आदमपुर, सबूतर होते हुए गोकुलपुर चौक स्थित दुर्गा पूजा प्रतिमा पंडाल तक पहुँचा। इस दौरान थानाध्यक्ष मुन्ना कुमार पटेल समेत दर्जनों पुलिसकर्मी मौजूद थे। पूरे मार्ग में पुलिस के जवान स्थानीय लोगों में सुरक्षा और शांति का संदेश पहुँचाते रहे।दंडाधिकारी बीडीओ आशीष कुमार एवं सीओ दिवाकर कुमार ने बताया कि दुगार्पूजा के अवसर पर प्रशासन संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखेगा। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए गश्त बढ़ा दी गई है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पर्व का आयोजन शांति और सौहार्द के माहौल में सुनिश्चित किया जाएगा। थानाध्यक्ष मुन्ना कुमार पटेल ने लोगों से अपील की कि वे पूजा के दौरान प्रशासन का सहयोग करें और किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा, "सभी लोग मिल-जुलकर त्योहार को खुशी और सौहार्द के साथ मनाएँ।"

हृदय रोग से बचाव के लिए जागरूकता जरूरी व दिनचर्या में बदलाव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ वर्ल्ड हर्ट डे पर एपीआई ने लगाया निःशुल्क चिकित्सा शिविर, हृदय रोग के लक्षण और बचाव पर दिया गया विशेष परामर्श

पूर्णिया। वर्ल्ड हार्ट डे के अवसर पर एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया (एपीआई) के तत्वावधान में पूर्णिया हॉस्पिटल परिसर में एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के माध्यम से उपस्थित रोगियों को हृदय रोग से संबंधित जांच, परामर्श और बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का नेतृत्व एपीआई पूर्णिया चेप्टर के अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार व सचिव डॉ. प्रवीण कुमार सिंह (डॉ. पी.के. सिंह) ने किया।इस अवसर पर एपीआई बिहार चेप्टर के अध्यक्ष सह सीमांचल के वरिष्ठ डायबिटोलोजिस्ट डॉ. आर.के. मोदी ने कहा कि 'हृदय रोग के बढ़ते मामलों को रोकने के लिए सबसे पहले समाज के हर वर्ग को जागरूक होना होगा।'

उन्होंने बताया कि शिविर के माध्यम से लोगों को दिनचर्या में सुधार के उपाय बताए गए— रात में जल्दी सोना और सुबह जल्दी उठना, भोजन के बाद कम से कम 100 मीटर टहलना, फास्ट फूड और जंक फूड से परहेज, तली-भुनी चीजों का कम प्रयोग, तंबाकू, धूम्रपान और मद्यपान से दूरी, तथा नियमित योग और व्यायाम को दिनचर्या का हिस्सा बनाना जरूरी है। डॉ. मोदी ने कहा कि देश में हृदय रोग से होने वाली मौतों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जिसे समय रहते जागरूकता से काबू पाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि हृदय रोग के प्रमुख लक्षणों में सीने में दर्द, जलन, सांस फूलना, बाईं या दोनों भुजाओं में दर्द, उच्च रक्तचाप और आंखों के सामने अंधेरा छाना शामिल हैं। उन्होंने आगे बताया कि गैर-संचारी बीमारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एपीआई के तत्वावधान में विद्यालयों में 'एपीआई चली स्कूल की ओर' अभियान चलाया जा रहा है, ताकि बच्चों को भी प्रारंभिक स्तर से ही स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जा सके। एपीआई पूर्णिया चेप्टर के अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार ने कहा कि हृदय रोग के कई ऐसे लक्षण हैं, जिन्हें आमतौर पर लोग नजरअंदाज कर देते हैं— थकान, सांस लेने में कठिनाई जैसे संकेतों को समय रहते पहचान लेना बेहद जरूरी है। डॉ. बिनोद धारेवा ने कहा कि पहले हार्ट डिजीज को बुढ़ापे की बीमारी माना जाता था, लेकिन अब युवा और बच्चे भी इसके शिकार हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि हृदय रोग और हार्ट अटैक हमेशा अचानक नहीं होते, बल्कि धीरे-धीरे विकसित होने वाली अवस्था है। एपीआई सचिव डॉ. प्रवीण कुमार सिंह ने कहा कि हृदय की बीमारियां अक्सर चुपचाप विकसित होती हैं और शरीर शुरूआती संकेत छह महीने पहले ही देने लगता है। इन संकेतों को पहचान लेना जीवन बचाने में सहायक हो सकता है।

डॉ. इम्तियाज भारती ने सक्रिय जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सप्ताह में कम से कम पांच दिन 30 मिनट तेज चलना या व्यायाम करना हृदय संबंधी रोगों की रोकथाम में सहायक होता है। डॉ. राकेश ने तनाव-मुक्त जीवनशैली पर जोर देते हुए कहा कि तनावग्रस्त व्यक्ति में हृदय रोग का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। मानसिक शांति और संतुलित जीवनशैली हृदय को स्वस्थ रखने की कुंजी है।

औरंगाबाद में खुले पूजा-पंडालों के पट, भक्तों ने किया मां दुर्गा का दर्शन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। मां दुर्गा के सातवें स्वरूप कालरात्रि की पूजा के साथ सोमवार को मां दुर्गा के पट खुल गए। पट खुलते ही पूजा पंडालों में दर्शन को भक्तों की भीड़ जुटने लगी है। पूजा को लेकर पंडालों व मंदिरों में सुबह से उत्साह का माहौल रहा। मां के जयकारे व मंत्रोच्चारण से वातावरण गुंजायमान रहा। मां का पट खुलते ही शहर से लेकर गांव का माहौल भक्तिमय हो गया। भक्ति के रस में भक्त झूमते नजर आए। बच्चों का उत्साह देखने लायक रहा। मां के सातवें स्वरूप की चर्चा करते हुए पंडित सुधीर मिश्रा ने बताया कि मां कालरात्रि के ध्यान से जीवन में सफलता का मार्ग प्रशस्त होता है। आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। कठिनाइयों से जूझने की क्षमता प्राप्त होती है। सुख एवं शांति की अनुभूति होती है। मां सभी की मनोकामना पूर्ण करते हैं। शाम होते ही पूजा पंडालों में मां के दर्शन को भीड़ उमड़ पड़ी। इस बार भक्तों पर मौसम की मेहरबानी रही। आसमान साफ रहा। श्रद्धालुओं को कोई परेशानी नहीं हुई। शहर में इस वर्ष पूजा पंडालों की धूम है। रमेश चौक के पास स्थित मां भारती क्लब, मां अंबे क्लब जसोइया, मां दुर्गा पूजा समिति विद्युत कॉलोनी कर्मा रोड द्वारा भव्य पंडाल का निर्माण कराया गया है। पंडाल की सजावट देखने लायक है। सत्येन्द्र स्थित दुर्गा मंदिर, क्लब रोड एवं शिव क्लब की सजावट फूलों से की गई है। इसके अलावा सभी दुर्गा मंदिरों को भव्य तरीके से सजाया गया है। सभी पूजा पंडालों में सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया गया है। सीसीटीवी से निगरानी की जा रही है। सप्तमी के कारण बाजार में भीड़ बढ़ गई है। शहर के स्वामी सहजानंद सरस्वती क्लब श्रीकृष्णनगर, शिव क्लब, सरस्वती आराध्य समिति, काली क्लब समेत अन्य पूजा पंडालों में दर्शन को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ रही। भक्तों को परेशानी न हो इसको देखते हुए सुरक्षा का पुख्ता प्रबंध किया गया है। पूजा को देखते हुए पुलिस के द्वारा सुरक्षा का पुख्ता प्रबंध किया गया है। नगर थानाध्यक्ष खुद स्थिति का जायजा लेते दिखे। तीन दिनों तक शहर का माहौल भक्तिमय रहेगा।

तेलिया पोखर

सत्येन्द्र नगर

जसोइया

विधानसभा चुनाव 2025: औरंगाबाद में मीडिया प्रमाणीकरण एवं अनुश्रवण समिति का गठन

वरिष्ठ पत्रकार कमल किशोर भी समिति में शामिल, निर्वाचन को निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाने पर जोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। आगामी विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को निष्पक्ष, पारदर्शी और स्वतंत्र रूप से सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने एक अहम कदम उठाया है। चुनाव प्रचार से संबंधित सभी विज्ञापनों और समाचारों पर निगरानी के उद्देश्य से जिला स्तरीय मीडिया प्रमाणीकरण एवं अनुश्रवण समिति का गठन कर दिया गया है। समाहरणालय, औरंगाबाद से जारी आदेश के अनुसार जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी समिति के अध्यक्ष होंगे। समिति में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्त्ता, अनुमंडल पदाधिकारी (औरंगाबाद सदर एवं दाउदनगर), जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी, आकाशवाणी-दूरदर्शन प्रतिनिधि, वरिष्ठ पत्रकार कमल किशोर, केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के पदाधिकारी तथा आईटी मैनेजर (सोशल मीडिया विशेषज्ञ) को सदस्य बनाया गया है। समिति की जिम्मेदारी व्यापक है। यह पम्पलेट, पोस्टर, बैनर, टीवी/रेडियो विज्ञापन, केबल नेटवर्क, सोशल मीडिया और प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रकाशित होने वाले समाचारों एवं विज्ञापनों की सतत निगरानी करेगी। पेड न्यूज़ जैसी गतिविधियों पर रोकथाम, चुनाव प्रचार से पहले सभी विज्ञापनों का प्रमाणीकरण तथा राजनीतिक दलों एवं अभ्यर्थियों के आचरण पर नजर रखना इसकी प्रमुख जिम्मेदारियों में शामिल है। इसके अलावा समिति चुनाव से संबंधित बैठकों की सूचना प्रेस प्रतिनिधियों तक समय पर पहुँचाएगी और आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन से जुड़ी शिकायतों का व्यापक प्रचार-प्रसार करेगी ताकि उम्मीदवारों और जनता दोनों को इसकी जानकारी हो सके। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी तरह की आचार संहिता उल्लंघन की सूचना समिति द्वारा तत्काल जिला निर्वाचन पदाधिकारी को दी जाएगी ताकि समय रहते उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। चुनावी विशेषज्ञों का मानना है कि मीडिया प्रमाणीकरण एवं अनुश्रवण समिति की भूमिका विधानसभा चुनावों में बेहद अहम होगी, क्योंकि डिजिटल और सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए प्रचार-प्रसार की गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण ज़रूरी हो गया है। समिति की सक्रियता से चुनावी प्रक्रिया अधिक निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने में मदद मिलेगी।

योजना की राशि पर महाजन या साहूकार नहीं कर सकते दावा

औरंगाबाद(नबिटा ब्यूरो)। समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उप विकास आयुक्त अनन्या सिंह एवं आरक्षी अधीक्षक अम्बरीश राहुल की अध्यक्षता में जिले के माइक्रो फाइनांस(एनबीएफसी) के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य मुख्यमंत्री महिला रोजगार सृजन योजना के अंतर्गत जीविका दीदीयों को दी जाने वाली राशि के सुनिश्चित एवं पारदर्शी उपयोग को लेकर दिशा-निर्देश जारी करना था। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के अंतर्गत प्राप्त का किसी भी स्थिति में पूर्ववर्ती ऋण के समायोजन हेतु उपयोग नहीं किया जाएगा। यह राशि जीविका समूह की दीदियों के आजीविका संवर्धन हेतु निर्धारित है, जैसे कि कोई नया व्यवसाय प्रारंभ करना, स्वरोजगार गतिविधियां आदि। कोई भी महाजन अथवा साहूकार इस राशि पर दावा नहीं कर सकता, न ही लाभुकों से इसे वसूल सकता है। किसी प्रशासन सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करेगा।

नवीनगर में अर्चना चंद्रा का जनसंपर्क अभियान तेज

- **जन सुराज की संभावित प्रत्याशी हैं अर्चना चन्द्र**
- **प्रशांत किशोर के रोडमैप को बताया बिहार की नई दिशा**

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। नवीनगर विधानसभा क्षेत्र में जन सुराज की संभावित उम्मीदवार अर्चना चंद्रा लगातार क्षेत्रीय भ्रमण और जनसंपर्क अभियान चला रही हैं। गांव-गांव और मोहल्लों में जनता से संवाद करते हुए वे न केवल उनकी समस्याओं को सुन रही हैं बल्कि समाधान का आश्वासन भी दे रही हैं। अपने संवाद के दौरान अर्चना चंद्रा ने कहा कि बिहार की जनता ने एनडीए और महागठबंधन दोनों को भली-भांति परखा है, लेकिन आज भी राज्य गरीबी, पलायन और बेरोजगारी जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है। इन दोनों गठबंधनों के पास बिहार को आगे ले जाने का कोई ठोस विजन नहीं है। ऐसे समय में प्रशांत किशोर और जन सुराज जनता के बीच विकास का नया विकल्प और स्पष्ट रोडमैप लेकर आए हैं। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर ने अपनी ऐतिहासिक पदयात्रा के दौरान हजारों किलोमीटर पैदल चलकर गांव-गांव और लोगों के घर-घर जाकर संवाद किया। इस दौरान उन्होंने जनता की आकांक्षाओं और समस्याओं को समझने का प्रयास किया और उन्हीं के आधार पर जन सुराज का विजन तैयार किया। यह विजन केवल चुनावी घोषणा नहीं है बल्कि आने वाले बिहार का रोडमैप है, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि और सुशासन पर विशेष बल दिया गया है। उन्होंने बताया कि जन सुराज का वादा है कि सरकारी स्कूलों और अस्पतालों की स्थिति सुधारी जाएगी, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराए जाएंगे ताकि पलायन की समस्या कम हो सके, किसानों को उनके उत्पाद का सही मूल्य मिलेगा और सहकारिता तथा ग्राम विकास को आधार बनाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी जाएगी। अर्चना चंद्रा ने अपने संवाद में कहा कि बिहार की राजनीति को जातीय समीकरण और सत्ता की खींचतान ने कमजोर कर दिया है, जबकि जन सुराज जनता की ताकत और सहभागिता पर भरोसा करता है। प्रशांत किशोर ने जिस तरह जनता के बीच रहकर उनके साथ सीधा संवाद कायम किया है, वह पारंपरिक राजनीति से अलग है और यही जन सुराज की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने दावा किया कि यदि जनता अवसर देती है तो जन सुराज बिहार को नए युग में ले जाने का काम करेगा। नवीनगर क्षेत्र में अर्चना चंद्रा के लगातार दौरों और जनसंपर्क कार्यक्रमों से स्थानीय राजनीति में हलचल तेज हो गई है। समर्थकों का मानना है कि जन सुराज बिहार की राजनीति में एक नई सोच और नई ऊर्जा लेकर आया है, जो आने वाले समय में असली बदलाव का वाहक साबित हो सकता है।

पूजा पंडालों में अग्निरोधी उपकरण अनिवार्य : विनय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। अग्निशमन विभाग की टीम आग से बचाव के लिए दुर्गा पूजा के अवसर पर पूजा पंडालों में आग से सुरक्षा के लिए जागरूकता अभियान चलाया। जिला अग्निशमन पदाधिकारी विनय कुमार ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बनाए गए पूजा पंडालों व समिति के सदस्यों को आग से बचाव के लिए जागरूक किया। इस दौरान टीम के द्वारा पूजा समिति के सदस्यों को कई अहम जानकारी दी गई। इस दौरान निरीक्षण टीम ने पूजा समिति के सदस्यों को यथाशीघ्र आग पर काबू पाने के लिए मॉक ड्रिल कर कई अहम जानकारी दी। जिला अग्निशमन पदाधिकारी विनय कुमार ने बताया कि पूजा समिति को पहले ही दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं। यदि कोई समिति से सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जाती है, तो न केवल अनापत्ति प्रमाण पत्र रद्द होगी बल्कि उन पर कानूनी कार्रवाई भी हो सकती है।

औरंगाबाद के रोहित सिंह बने बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के संयुक्त सचिव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव सत्र 2025-28 में औरंगाबाद जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष रोहित सिह ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वह संयुक्त सचिव पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए। पहली बार औरंगाबाद के किसी प्रतिनिधि ने बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के पैनल में जगह बनाई है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि से जिले में क्रिकेट प्रेमियों और खेल प्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष ही रोहित सिह औरंगाबाद जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष चुने गए थे। उनके कार्यकाल में जिले में क्रिकेट का तेज़ी से विस्तार हुआ। इसी दौरान उन्होंने बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव में पहली बार पर्चा भरा और निर्विरोध निर्वाचित होकर जिले का मान बढ़ाया। उनके प्रयासों से अब तक 15 खिलाड़ियों को कैंप तक पहुंचने का अवसर मिला, जिनमें से 6 खिलाड़ी प्लेइंग इलेवन में भी शामिल किए गए। यह उपलब्धि अपने आप में रिकॉर्ड है और इससे पहले औरंगाबाद के क्रिकेट इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ। अब उनके बिहार क्रिकेट एसोसिएशन में संयुक्त सचिव बनने से खिलाड़ियों की उम्मीदें और बढ़ गई हैं। इस मौके पर पार्टी के जिला अध्यक्ष रणधीर सिह, लोजपा के जिला अध्यक्ष सोनू सिह, जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव उज्जवल सिह रिशु, कोषाध्यक्ष शशांक शेखर, संयुक्त सचिव अमित अखौरी, झारखंड कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष कान्हा सिह, औरंगाबाद कुश्ती संघ के सचिव उदय तिवारी, भगवान भास्कर क्रिकेट क्लब के संयोजक कृष्ण कुमार लाल मुनि, हरेंद्र गिरी सहित सैकड़ों खेल प्रेमियों ने रोहित सिह को बधाई दी।बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव में इस बार केवल दो नए लोगों को पैनल में जगह मिली है, जिनमें रोहित सिह भी शामिल हैं।

स्पर्शाघात से युवक की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। कुटुंबा थाना क्षेत्र के कठरी गांव में विद्युत करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान इंद्रजीत कुमार के रूप में की गई है। जानकारी के मुताबिक विद्युत बोर्ड में प्लग लगाते समय इंद्रजीत अचानक करंट की चपेट में आ गया जिससे यह हादसा हुआ। मृतक के पिता यमुना पासवान ने बताया कि इंद्रजीत उनका इकलौता पुत्र था। वह सोमवार को पंखा का प्लग लगा रहा था। इस दौरान अचानक उसे झटका लगा। घर में मौजूद सदस्यों ने तुरंत विद्युत का कनेक्शन काटकर उसे आनन-फानन में रेफरल अस्पताल कुटुंबा ले गए जहां चिकित्सकों ने नब्ज टटोलते ही मृत घोषित कर दिया। इस घटना से मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। थानाध्यक्ष मो. इमरान आलम ने बताया कि घटना की सूचना मिली है। जरूरी प्रक्रिया के उपरांत पोस्टमार्टम के उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया गया।

दहेज हत्यारोपितों की गिरफ्तारी की मांग

औरंगाबाद(नबिटा ब्यूरो)। नबीनगर प्रखंड के माली थाना अंतर्गत चैनपुर निवासी राजू सिंह ने अपनी पुत्री ज्योति कुमारी की हत्या के मामले में न्याय की गुहार लगाई है। ज्योति की हत्या 24 अगस्त 2025 की रात औरंगाबाद शहर के वार्ड 4 गायत्री नगर स्थित आवास पर कर दी गई थी। मामले में ज्योति के मायके वालों ने नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी जिसमें ज्योति के पति रविरंजन सिंह ने आत्मसमर्पण किया है जबकि अन्य फरार हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, डीजीपी और अन्य उच्च पदस्थ अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई है।

दुर्गा पूजा में निर्बाध होगी विद्युत आपूर्ति

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। बिजली विभाग ने औरंगाबाद प्रमंडल के अंतर्गत सभी उपभोक्ताओं को दशहरा महापर्व के दरम्यान निर्बाध एवं सुरक्षित विद्युत आपूर्ति जारी रखने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। विद्युत अधीक्षण अभियंता अरविंद कुमार ने बताया कि दशहरा महापर्व के दौरान बिजली आपूर्ति के लिए आवश्यक सभी मेंटेनेंस कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं। बिजली के तारों का अनुरक्षण कार्य कराया गया है। बिजली के लोहे के पोल को भी इंसुलेटेड पेंट से रंगवा कर बिजली के खतरों से बचने की पूरी तैयारी की गई है। उन्होंने बताया कि बिजली से संबंधित किसी भी इमरजेंसी से निबटने के लिए विशेष कंट्रोल रूम का भी गठन किया गया है। किसी भी आपात स्थिति में कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर 7763813955 पर सूचना दी जा सकती है। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना के तहत घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट मुफ्त बिजली देकर त्योहार में हर घर रोशन करने को लेकर विभाग सदैव तत्पर है जिसके तहत स्थानीय स्तर पर माइकिंग और हैंडबिल के माध्यम से उपभोक्ताओं को इस योजना की पूर्ण जानकारी दी जा रही है और इससे संबंधित साइबर क्राइम का शिकार ना हों इसलिए सजग भी किया जा रहा है। साथ ही पूजा पंडाल के निकट सेल्फी स्टैंड भी लगाया गया है जहां उपभोक्ता अपनी तस्वीर लेकर इस योजना के प्रति हर्ष व्यक्त कर सकते हैं।

दुर्गा पूजा को लेकर शांति और सुरक्षा के निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बारून। आगामी दुर्गा पूजा के शांतिपूर्ण और सफल आयोजन को लेकर सोमवार को बारून थाना परिसर में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष रंजीत कुमार ने की। इसमें क्षेत्र की सभी पूजा समितियों के अध्यक्ष और सदस्य उपस्थित रहे। थानाध्यक्ष ने पूजा समितियों को आवश्यक दिशा-निर्देशों से अवगत कराते हुए कहा कि प्रत्येक पंडाल में अग्निशमन यंत्र, सीसीटीवी कैमरा और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। किसी भी विवाद या अप्रिय घटना की स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचित करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि समिति के सभी सदस्यों के पास पहचान पत्र होना चाहिए और वे भीड़ का हिस्सा न बनकर निगरानी की भूमिका निभाएँ। डीजे बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा और केवल लाइसेंसधारी साउंड सिस्टम का ही उपयोग किया जा सकेगा। मूर्ति विसर्जन प्रशासन द्वारा निर्धारित मार्ग से ही किया जाएगा। इसके साथ ही पंडालों में भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन और विधि-व्यवस्था बनाए रखने पर भी विशेष जोर दिया गया। थानाध्यक्ष रंजीत कुमार ने सभी समितियों से अपील की कि वे प्रशासन का सहयोग करें ताकि पूजा पर्व शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल में सम्पन्न हो।

अधिवक्ता कल्याण समिति का राष्ट्रीय सम्मेलन 29 नवंबर से

औरंगाबाद(नबिटा ब्यूरो)। अखिल भारतीय अधिवक्ता कल्याण समिति का राष्ट्रीय सम्मेलन कंस्टीट्यूशन क्लब दिल्ली में 29 और 30 नवंबर को होगा जिसमें देशभर से डेलीगेट्स भाग लेंगे। इस कार्यक्रम में औरंगाबाद जिले से भी लगभग 10 अधिवक्ता शामिल होंगे। इसकी जानकारी अखिल भारतीय अधिवक्ता कल्याण समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह जिला विधिज्ञ संघ के पूर्व अध्यक्ष रसिक बिहारी सिंह ने दी है। उन्होंने बताया कि उक्त सम्मेलन में भारत में न्यायिक व्यवस्था और अधिवक्ताओं की मांगों को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस (डी.बी.कॉर्प.लि.), उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, शाहपुर, पटना (बिहार) से मुद्रित एवं सत्येन्द्र नगर, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित।

संपादक - कमल किशोर
नवबिहार टाइम्स (दैनिक)
सत्येन्द्र नगर औरंगाबाद (बिहार)
पिन - 824101
मो.-9431223574,9572550076
व्हाटसप नं.-7295863300
ई-मेलः nbtimesbihar@gmail.com
Web : www.navbihartime.com
झारखंड कार्यालय
31, कॉपरेटिव कॉलोनी.
बोकारो स्टील सिटी, बोकारो
मो.- 9431145865
दिल्ली प्रतिनिधि
मो.- 09818366269

जयंती पर श्रद्धापूर्वक याद किए गए भगत सिंह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद)। शहीद-ए-आजम भगत सिंह सामाजिक विकास संस्थान के तत्वावधान में अरविंदो मिशन स्कूल दाउदनगर के प्रांगण में संस्थान के सदस्यों, स्थानीय नागरिकों, विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने भगत सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। संस्थान के सचिव सत्येन्द्र कुमार ने कहा कि हमें भगत सिंह के विचारों में वह ताकत दिखती है जो आज की तारीख में उपभोक्तावाद, पाखंडवाद एवं स्वार्थवाद की दलदल में फंसे हुए नौजवानों को सही रास्ता दिखला सकता है तथा उनकी ऊर्ज़ा को राष्ट्रनिर्माण की ओर मोड़ सकती है। संस्थान के अध्यक्ष कृष्ण प्रसाद चंद्रवंशी ने कहा कि आज देश के अन्दर सांप्रदायिक, जातीय, भाषाई एवं क्षेत्रवादी अस्मिताओं के खिलाफ संघर्ष करना ही शहीद-ए-आजम भगत सिंह एवं उनके साथियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी क्योंकि इन्हीं अस्मिताओं की लड़ाई में आज हमारा देश बर्बाद हो रहा है। उन्होंने कहा कि इन्हीं अस्मिता-जनित बुराइयों के खिलाफ संघर्ष करते हुए शहीद-ए-आजम ने अपनी कुर्बानी दी थी। संस्थान के कोषाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने कहा कि आज स्वतंत्र भारत में विभिन्न स्तर की सरकारे भले हीं भगत सिंह की उपेक्षा करें लेकिन हम संस्थान के लोग इनके विचारों को जन जन तक विशेष कर सभी युवाओं तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके लिए बहुत जल्द हीं संस्थान पुस्तकालय खुलेगा तथा भविष्य में भगत सिंह से संबंधित लेखन एवं वाचन को प्रोत्साहित करेगा। मौके पर पूर्व चेयरमैन धर्मेन्द्र कुमार दबगर, महिला नेत्री मीना सिंह, शिक्षिका सिंपी सिन्हा, नगर सचिव बिरजू चौधरी, गणित के विभागाध्यक्ष राजकमल कुमार सिंह, उपाध्यक्ष अवधेश कुमार, जिला सचिव अवधेश कुमार, विद्यार्थी विवेक चन्द्र सैनी, सामाजिक कार्यकर्ता रामसकल महतो, राजकुमार भगत, मोहम्मद कयूम अंसारी आदि मौजूद रहे।